सफलता की कहानी

मानव जीवन विकास समिति द्वारा द हंगर प्रोजेक्ट भोपाल के सहयोग से पंचायत महिला जनप्रतिनिधियों के उनके अधिकार व कार्य को वास्तविक रूप देने समिति ने कटनी जिले के बड़वारा ब्लॉक की 40 पंचायतों मे 350 पंचायत महिला जनप्रतिनिधियों के साथ काम करना प्रारम्भ किया जिसके साथ ही अनगिनत उपलब्धिया सामने आयी है। जनप्रतिनिधियों को समय समय पर उनके क्षमतावर्धन हेतु बैठक, प्रशिक्षण व संवाद स्थापित करने का काम भी किया है। यही ही नही बल्कि उन्हे आगे बढ़ाने की दिशा और भी अन्य प्रकार के भी प्रयास किये गये जैसे जागरूकता कार्यक्रम चलाना व एक्सपोजर विजिट कराना ताकि जनप्रतिनिधियों का क्षमतावर्धन हो सके। हम आपको बताना चाहेंगे की कटनी जिले के बड़वारा ब्लॉक मे 66 ग्राम पंचायत है जिसमे से 40 पंचायत मे हम महिला जनप्रतिनिधियों के साथ काम कर रहे है जिसमे से जिन 16 पंचायत मे हमारा काम नही था उन पंचायत के विकास कार्यो पर प्रशासन का प्रश्न उठता था की बांकी की पंचायत मे काम ज्यादा हो रहे है आपकी पंचायत मे क्यों काम नही हो रहे है। ऐसे मे पंचायत मुखियाओं ने प्रशासन को बताया की बांकी की 40 पंचायत मे मानव जीवन विकास समिति संस्था जनप्रतिनिधियों के साथ काम कर रही है उसी का नतीजा है वहां की जनप्रतिनिधियों अधिक जागरूक है। अपने अधिकारों को निकटता से देख पायी है और जागरूक होने का परिणाम है उन पंचायतों मे अधिक काम हो रहे है। सरकार द्वारा किसी भी प्रकार का ऐसा प्रयास बिलकुल नही किया जाता है जिससे जप्रतिनिधि को जानकारी हो जाये और निडरता से काम पंचायत मे करा पाये। महिला जननप्रतिनिधियों द्वारा अपने पंचायतीराज कार्यकाल के 5 साल मे अपने तय बिन्दुओं के अनुसार अपने पंचायत मे काम करा पाये। संस्था को पंचायत स्तरीय काम कराने का जनप्रतिनिधियों का बहुत बहुत धन्यवाद् भी प्राप्त हुआ।

ipk;r efgyk tuifrfuf/k;k d lg;kx l lfefr dk egRoi.k miyfC/k;k jgh g &

¼1½

Ukke – श्रीमती तुलसा बाई

Ikn –सरपंच

Ikrk – ग्राम लखाखेरा, पोस्ट बड़वारा, जिला कटनी (म0प्र0)

me – 55

'k{kf.kd ;kX;rk – साक्षर

Tkkfr /वर्ग – भूमिया (एस.टी.)

Ikkfjokfjd i"BHkfe ¼D;k ifjokj dk dkbl lnL; jktuhfr e Fkk@g vk; dk lk/ku]

fdruh tehu g – विस्तृत जानकारी) निम्न प्रकार है– इनके परिवार का कोई भी सदस्य राजनीति में नही था परन्तु पति पिछले दो पंचवर्शीय में सरपंच रह चुके थे। आय के साधन में 3 एकड़ जमीन व मजदूरी करना है।

fdru cPp g ¼yMdk@yMdh – उनके शिक्षण की स्थिति) –1 लड़का है कक्षा 4 में पढ़ता है।

pquko yMu dh ij.kk dgk l feyh@D;k dkj.k jgk – स्वीप अभियान के तहत बिलायतकलां में महिला सम्मेलन आयोजित होने कारण वहां उपस्थित जनसमुदाय व कार्यकर्ताओं के द्वारा, तुलसा बाई का कहना था कि पति पंचायत चला सकते है तो मैं क्यों नही।

Ekfgyk tuifrfuf/k d :Ik e miyfC/k;k –

- 0;fDrxr Lrj ij & आत्मबल में प्रभाव पड़ा है, गांव वालों का पूरा–पूरा समर्थन रहा स्वयं पंचायत संचालन की भूमिका चलाई।
- Ikkfjokfjd Lrj ij – तुलसा बाई को परिवार का अच्छा सहयोग प्राप्त हुआ जिससे अपने सोंच को आगे बढ़ाते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकी। पति और बच्चों का सहयोग रहा।
- Lkkeqnkf;d Lrj ij – समुदाय मे अच्छा व्यवहार होने के कारण इनको पंचायत मे सरपंच पद के लिए लोग प्रेरित कर रहे थे। जैसा की इनके परिवार से पति पूर्व मे सरपंच रह चुके थे और अपने कार्यकाल मे अच्छा काम किया है।

- *0;fDrxr l'kfDrdj.k &* तुलसा बाई के पास जमीन 3 एकड़ है वे मजदूरी करने जाती थी मानव जीवन विकास समिति के सम्पर्क मे आने से विलायतकलां में महिला सम्मेलन में भाग ली, तभी से मन बना लिया की मै सरपंच बनूंगी अपने पंचायत का विकास करूंगी। एक अच्छी महिला होने के कारण वह सरपंच बन गई।

** Bku yh gS d:xh ** LoPN o vkn'kZ vkxuokMh 2010

पंचायत में महिला आरक्षण की बात सुनकर लोगों के मन में अनेक सवाल हुआ करते थे, कहते थे कि अब महिला पंचायत चलायेगी, ये खाक चलायेंगी, महिलाओं को अपने आपको तो चलाना आता नहीं पंचायत कैसे चलायेंगी। तुलसा बाई के सामने बहुत बड़ी चुनौती थी उसने 2010 में स्वीप कैम्पेन के दौरान सभा में सबके के सामने उसने ऐलान किया कि, सरपंची का चुनाव मैं लडूॅंगी और तुलसाबाई ने सरपंची की जीत हासिल किया, लखाखेरा पंचायत में पहली बाद आदिवासी महिला सरपंच बनी । तुलसा बाई को संस्था मानव जीवन विकास समिति द्वारा इन्दौर प्रशिक्षण में जाने का अवसर मिला जब इन्दौर प्रशिक्षण से वापस लौटी तो सबसे पहले पंचायत भवन के सामने बनी ऑगनबाडी को बदलने कि योजना बनायी क्योंकि प्रशिक्षण के दौरान बच्चों एवं ऑगनबाडी से संबंधित जानकारी मिली थी । उसने ऑगनबाडी भवन कि मरम्मत कराकर चित्र पेंटिग पोषण आहार पर निगरानी एवं भवन में किचन गार्डन बनाने के लिए पंचायत को प्रोत्साहित किया और सुन्दर ऑगनबाडी बनवाया जिसमें बच्चें स्वच्छ एवं सुन्दर बने।

fgalk dks f[kykQ efgykvksa dk la?k"kZ 2012

कटनी जिले के बड़वारा ब्लॉक के *y[kk[ksjk iapk;r eqa /kuokjk xkao* की घटना है। बहादुर सिंह गोंड़ की पत्नि चंदा बाई को बहादुर सिंह का छोटा भाई यानि की चंदा बाई का देवर कालू सिंह ने जमीनी विवाद को लेकर काफी दिनों से लड़ाई झगड़ा तो चल ही रहा था लेकिन इसी बीच एक दिन की बात है चंदा बाई अपने खेत मे थी और कालू सिंह की गाय चंदा बाई की खेत मे आ गई जिसकी खबर कालू सिंह को दिया गया और कहा गया कि अपने पशु की व्यवस्था करो जिससे दूसरे के खेत मे न जाय ऐसा सुनकर कालू सिंह ने चंदा बाई के साथ मारपीट करने लगा यह घटना *25 vizSy 2012* की थी। इस घटना को लेकर चंदा बाई ने रिपोर्ट दर्ज कराई लेकिन पुलिस ने नही पहुंची और न ही किसी प्रकार से कोई कार्यवाही किये। इस बात को दूसरे दिन चंदा बाई ने सरपंच तुलसा बाई को बताई की मेरे देवर कालू सिंह ने मेरे साथ मारपीट किया है और पुलि कोई कार्यवाही नही किये। जैसे ही तुलसा बाई सरपंच को पता चला वैसे ही सरपंच ने *lk>k eap dh efgykvksa ¼jkeseyh [kkl] dkfyUnzh] flfe;k] eqUuh ckbZ] iku ckbZ] 'kkUrh ckbZ] rqylk ckbZ½* के साथ इकट्ठा हुए साझा मंच की सातों महिलाओं ने मिलकर पुलिस थाना बड़वारा पहुंची और पीड़ित महिला की जानकारी थाना प्रभारी से की और पूंछताछ भी की फिर यह भी बताया गया की आपको इस घटना की खबर तो 25 तारीख को हो गई है फिर आपने क्यों नही गये इस घटना की जानकारी लेने क्या आपने कालू सिंह से घुंस ले ली है यदि आपको इसकी कोई कार्यवाही नही करनी है तो आप हमें अभी बताये इस घटना को हम मीडिया को बतायेंगे और अपनी बात को ऊपर तक पहुंचा कर हल करायेंगे। तब थाना प्रभारी ने हल कराने को कहा। इस घटना को सुनते ही थाना प्रभारी ने पुलिस को भेजकर कालू सिंह से एवं चंदा बाई दोनो से पूंछताछ किया और कालू सिंह को तुरन्त *lsUVj tsy f>a>jh dVuh* भेज दिया। इस प्रकार से समस्या का हल साझा मंच की महिलाओं ने किया है।

Rkqylk ckbZ dh lQyrk & fuesZy xzke iapk;r cuh 2013

कटनी जिला मुख्यालय से 31 कि0 मी0 की दूरी पर बड़वारा जनपद पंचायत के अन्तर्गत लखाखेरा पंचायत है। पंचायत चुनाव 2010 की प्रक्रिया प्रारम्भ हुई जिसमें तुलसा बाई ने अपने समर्थकों के साथ फार्म दाखिल किया, इनके साथ 9 अन्य महिलायें उम्मीदवार खड़ी हुई थी परन्तु अपनी वाकपटुता के कारण चुनाव मे 397 बोट पाकर अपने निकटतम उम्मीदवार से 93 बोट ज्यादा पाकर विजयी घोषित की गई। सरपंच बनने के बाद पंचायत विकास की

ललक आयी कुछ समय के बादमानव जीवन विकास समिति व द हंगर प्रोजेक्ट के कार्यकर्ताओं के सम्पर्क मे आने के बाद चार चांद लग गये और अपने महिला अधिकार को समझने के प्रयास से अच्छे तन मन से काम को कर रही है सरपंच तुलसा बाई को भले ही पंचायत सम्बन्धी पूरी जानकारी नही है लेकिन वे पंचो एवं गांव वालों की मदद से अपनी पंचायत लखाखेरा को *fuely xke* पंचायत बनाने का सपना देखा था वह आज पूरा हो गया है लखाखेरा पंचायत निर्मल ग्राम पंचायत बनी। तुलसा बाई का कहना है कि मेरे ग्राम पंचायत मे जो भी काम प्रस्तावित है उन्हे पूरा कराने मे कोई कसर नही रखूंगी साथ ही गांव की महिलाओं की समस्याओं को जनपद से जिला स्तर तक जाकर हल करूंगी गांव की महिलाओं का जबरदस्त संगठन बनाकर महिला अधिकारों का उपयोग करूंगी अपने हक की लड़ाई करूंगी।

तुलसा बाई ने अपने पंचायत के विकास के लिए काफी रूची लेती है शासन की कल्याणकारी योजनाओं को गांव के हर पात्र व्यक्ति को अवश्य दिलाऊंगी जनपद एवं जिला के अधिकारियों से सम्पर्क स्थापित कर योजना का लाभ दिलाया। गांव के 44 हरिजन परिवार को पेंशन दिलाने का कार्य किया, नैगवां गांव मे बिजली उपलब्ध कराया, 12 कुपोषित बच्चों को पोषित कराया, 5 गरीब परिवार को इन्दिरा आवास दिलाया, लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत 7 बच्ची को लाभ दिलाया, तालाब निर्माण का कार्य कराया। पंचायत के धनवारा गांव मे पेय जल हेतु तीन हैण्ड पम्प लगवाये गये तथा पंचायत मे 6 बिगड़े पड़े हैण्ड पम्पों को सुधरवाया गया अब पंचायत को मॉडल के रूप मे बनाने के लिए तन मन से संघर्षरत है। तुलसा बाई गॉव के विकास की बात सोंचकर पूरी पंचायत को निर्मल पंचायत बनाया जिसके चलते मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा 14 फरवरी 2013 को निर्मल पंचायत का पुरूष्कार तुलसा बाई को दिया गया, जिसमें एक लाख रूपये सील्ड एवं प्रस्तुती पत्र भेट किया गया । आवार्ड लेने के समय तुलसा बाई अपनी संगठन का परिचय जागृति महिला पंच सरपंच संगठन कि महिलाओं एवं अन्य महिलाओं को बुलाकर मुख्यमंत्री जी से परिचय कराया । मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी ने कहा कि घर को सुन्दर बनाने वाली महिला पंचायत को सुन्दर बनाती है 66 पंचायतों के बीच आज लखाखेरा पंचायत को निर्मल पंचायत का आवार्ड दिया गया इसमें तुलसा बाई आदिवासी महिला का योगदान है, तुलसा बाई को मैं धन्यवाद देता हूँ ।

** *vukt Cyldey e jkd* ** 2013

लखाखेरा पंचायत में राशन दुकान में गरीबी रेखा का राशन मिल रहा है था । चन्दा बाई लखाखेरा पंचायत के नैगवॉ गॉव की महिला है जो राशन लेने लखाखेरा पहुँची, सेल्समेन देवानन्द गुडादेवरी का लेकिन वह बडवारा में रहता है देवानन्द राशन बॉट रहा था । चन्दा बाई नैगवॉ से 5 किलोमीटर दूर लखाखेरा राशन दुकान में 10 जून 2013 को सेल्समेन देवानन्द से बोली की मुझे राशन दे दो तो सेल्समेन ने कहा कि अभी गेंहू नहीं है बाद में ले जाना । चन्दा बाई देख रही थी की लखाखेरा ग्राम पंचायत का ललित तिवारी 02 बोरा गेंहू ले जा रहा था वो भी बिना कार्ड के जिसके पास 08 एकड जमीन है । चन्दा बाई ने कहा कि मुझे राशन क्यों नहीं देते मेरे पास राशन कार्ड है जिसके पास राशन कार्ड नहीं उसे आप 02 बोरा गेंहू देते हो । सेल्समेन देवानन्द ने बताया कि ललित तिवारी लखाखेरा का दबंग आदमी है यदि मैं उसे राशन नहीं दूँगा तो वो मुझे मारेगा, इसलिए मुझे राशन देना पड रहा है । चन्दा बाई ने कहा कि तुम उस आदमी से इतना डरते हो और गरीबों को राशन नहीं देते हो अब मैं समझ गई । चन्दा बाई सरपंच तुलसा बाई के पास आई और सेल्समेन की पूरी हकीकत बताई तो तुलसा बाई सरपंच ने सभी महिला पंचों को बुलाया और राशन दुकान में जाकर पंचनामा बनवाया और डीलर से बोली की मैं आपकी शिकायत अभी थाना एवं जनपद में करती हूँ कि तुम गरीबों का अनाज गरीबो को नहीं बल्कि बडे एवं दबंग लोगों को देते हो । सेल्समेन बोला की मुझे एक बार माफ कर दो मैं अब ऐसा नहीं करूँगा, मेरी शिकायत कहीं मत करो मैं आज के बाद सबको राशन समय से दूँगा आप मेरी शिकायत न करो और चन्दा बाई को एक महीने का गेंहू चॉवल दिया गया और चन्दा बाई की समझ कामयाब हुई, चन्दा बाई ने अपने अधिकार की लडाई जिस समझदारी से लडी वह अपने अधिकार में कामयाब रही ।

ngt iFkk 2013 & 2014

लखाखेरा पंचायत में दलित, आदिवासी, सामान्य एवं पिछडावर्ग के लोग रहते हैं, लेकिन दलित परिवार के लोग रहते हैं उसी पंचायत में सरपंच तुलसा बाई आदिवासी अपने परिवार के साथ रहती है । पढी लिखी नही है लेकिन उसको अपने आप में बडा भरोसा है अपना काम करने में । तुलसा बाई सरपंच के घर से कुछ दूर दलित परिवार का घर है जिसके परिवार में चार लोग रहते हैं *jk/kk ckb] Qypun] cVk dky ,o cVh juk* है, राधा बाई अपने परिवार के साथ खुशी से रहती थी वह खेती का काम अपने परिवार के साथ करती थी राधा बाई ने अपने बेटे कालू की शादी *fnukd 03@05@2013* में किया जबलपुर महराजपुर में बहु का नाम प्रीति था राधा बाई ने कुछ जेवर बनवाया था अपनी बहु के लिये और अपनी लडकी रैना बाई के लिये, बहु जब ससुराल गई तब बहुत अच्छे से रहने लगी एक वर्ष तक उस परिवार के साथ हिलमिल गई कुछ दिन बाद प्रीति जब वापस अपने मायके जबलपुर आई और अपने माता पिता से कहा मेरी सास के पास बहुत जेवर है अभी रखा है। बहू की मॉ ने कहॉ तुम इस बार जाना तो अपना जेवर मेरे पास रखकर जाना जिससे उसका जेवर तुमको फिर मिल जायगो प्रीति ने वैसे ही किया जब वह अपने ससुराल दुबारा *1 tu 2014* को आई *y[kk[kjk* तब अपना पूरा जेवर अपनी मां के पास रख आई जब उसकी सास ने कहा बहू तुम्हारा जेवर कहा गया तब वह झुलसकर बोली रखा है पेटी में प्रीति ने अपनी मॉ को फोन कर झूठे सास को फंसाने मे लगी ।

प्रीति की मॉ ने कहा तुम दहेज प्रथा रिपोर्ट कर दो उसमे लिखवा दो कि मेरे पति मुझे बहुत मारता पीटता है और कहता है कि ससुराल वाले मुझे दहेज मै कुछ नही दिये है तुम यहां से भाग जाओ मै तुम्हे नही रखूंगा अगर यहां रहोगी तो मै तो तुम्हें जान से मार डालूंगा। इस प्रकार से ससुराल वाले ने अपनी लड़की से रिपोर्ट मे लिखवा दिया और लड़की से कहते है कि जब सब जेल जायेगें तभी समझ में आयेगा । प्रीति ने ऐसा ही किया अपनी मॉ के कहने पर क्योकि उनको जेवर का लोभ था जब सभी लोग खेत चले गये तब प्रीति ने मौका देखा और कटनी जाकर *7 tu 2014* को थाने में रिपोर्ट कर दी अपने पति सास ससुर एवं ननद के प्रति रिपोर्ट लिखवा दिया । कुछ देर बाद पुलिस आई और चारो लोगों को उठाकर ले गई । अब मामला दहेज प्रथा का कटनी की पुलिस थी चारो लोग बिना कसूर के थाने में बन्द हो गये *?kVuk 7 tu 2014* की है । जब इस घटना का पता *ljip ryl k ckb* को चला तो उसने चार पड़ोसी महिलाओं को तैयार किया और कटनी गई, महिला गॉव की थी रामकली बाई, शान्ति बाई, मुन्नी बाई, पान बाई एवं सरपंच तुलसा बाई चारो महिलाओं को लेकर वह कटनी थाने पहुॅच गई, और थानेदार से बोली की आप उन चारो लोगों को छोड दो जो लखखेरा से दहेज प्रथा केस मे आये है उनकी कोई गलती नहीं है, बहु ने झूठा रिपोर्ट लिखवाया है क्योंकि वह अपने जेवर अपने माता पिता को दे दिया है और ससुराल में लडाई करती है दूसरा जेवर मॉगने के लिये, राधा मेरे मुहल्ले की रहने वाली है मैं उसको अच्छी तरह से जानती हूॅ और उसके पड़ो मे रहने वाली चार अन्य महिलाऐं भी है जो सब कुछ जानती है कि लड़का लड़ाई नही करता है उसकी पत्नि ही लड़ाई करती रहती है। थानेदार साहब ने बोला की हम लोग नहीं छोड सकते हैं केस हाईकोर्ट तक चला गया है, आप लोग वकील से मिलकर वकील से समझ लो। तुलसा बाई वकील के पास उन महिलाओं के साथ गई, और कहा की सर जी हम लोग उनकी जमानत के लिये आये हैं वकील ने कहा आप लोग क्यों इनकी जमानत कराने आये है तुलसा बाई ने कहा कि मैं इनकी जमानत इसलिए करवाने आई हूॅ कि इन चारो की कोई गलती नही है इनकी बहू गहनों के लालच में इनको बन्द करवा दिया है दहेज प्रथा का अरोप लगाकर मैं सच कहती हूॅ । मैं उसी पंचायत की सरपंच हूॅ मेरा भी कर्तव्य है न्याय दिलाना मैं अन्याय नहीं होने दूॅगी । तब वकील को तुलसा बाई की बातों पर बडा भरोसा हुआ उसने चारों लोगों को जेल से रिहा कर दिया *fnukd 8@7@2014* को तुलसा बाई चारो लोगों की जमानत करवा कर घर लेकर आई अब वह पत्नि भी समझ गई की मेरा नही चलने वाला है पति से व्यवहार पूर्वक रहने लगी।

---//---//--

¼2½

ljiap का नाम – श्रीमती *iHkk flag*

xkze iapk;r पथवारी, *Cykd* बड़वारा *ftyk* कटनी (म0प्र0)

me 30 वर्ष ,

Ikn –सरपंच
Ikrk – ग्राम पंचायत पथवारी, ब्लॉक बड़वारा, जिला कटनी (म0प्र0)
me – 32
'kS{kf.kd ;kX;rk – 8वीं
Tkkfr / वर्ग – गोंड़ (एस.टी.)
Ikkfjokfjd i"BHkfe ¼D;k ifjokj dk dkbZ lnL; jktuhfr eas Fkk@gS vk; dk lk/ku] fdruh tehu gS – विस्तृत जानकारी) निम्न प्रकार है– इनके परिवार का कोई भी सदस्य राजनीति में नही था पति पंचायत सचिव है जो कि दूसरी पंचायत मे पदस्थ है। काम की जानकारी रखने मे माहिर है प्रभा सिंह। स्वयं की 4 एकड़ जमीन है उसी मे खेती होती है ।
pquko yMus dh izj.kk dgka ls feyh@D;k dkj.k jgk – चुनाव मे खड़े होने के लिए स्वयं से प्रेरित होकर उन्होन मन बनाया और गांव मे अच्छा विकास कार्य करने का सोचा।

Ekfgyk tuizfrfuf/k dh :Ik esa miyfC/k;ka –

- *O;fDrxr Lrj ij &* आत्म विश्वास बढ़ा गांव वालों का पूरा–पूरा समर्थन रहा स्वयं पंचायत संचालन की भूमिका चलाई।
- *Ikkfjokfjd Lrj ij* – परिवार मे पति का सहयोग तो नही मिल रहा था लेकिन सास ससुर का अच्छा सहयोग प्राप्त हो रहा था।
- *Lkkeqnkf;d Lrj ij* – समुदाय का अच्छा सहयोग रहा सरपंच पद के लिए लोग प्रेरित कर रहे थे। समुदाय को विश्वास था की प्रभा पढ़ी लिखी है वह अपने पंचायत का अच्छा विकास करेगी।
- *O;fDrxr l'kfDrdj.k &* पढ़ी लिखी होने के साथ स्वयं की समझदारी रखने वाली महिला है स्वयं से निर्णय लेकर काम करती है एक अच्छी महिला होने के कारण वह सरपंच बन गई।

Ekfgyk 'kfDr tkxr gqbZ 2010

ग्राम पंचायत पथवारी की सरपंच प्रभा सिंह अपने परिवार के साथ रहती है इनके पास एक बच्ची है। प्रभा सिंह ने अपने प्रचार प्रसार के लिए घर–घर जाकर किया जिससे कि *200 erks ls fot;h gqbZ* प्रभा सिंह का स्वाभाव अच्छा एवं सीधा साधा है यह आठवीं कक्षा तक पढ़ी है प्रभा सिंह अपने पंचायत एवं गांव की विकास की बात हमेशा करती रहती है और साथ मे महिला जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक और मीटिंग कर वार्ड की समस्या को ग्राम सभा बैठक के माध्यम से हल कराने को तैयार रहती है सभी महिला जनप्रतिनिधी ग्राम सभा मे आवश्य जाये वार्ड की हर समस्या को ग्राम सभा मे रखे ताकि समस्या का हल हो सके सभी को शासन की योजनाओं का लाभ मिले।

अभी कुछ दिन पहले की बात है प्रभा सिंह सरपंच एवं पंचायत की अन्य जनप्रतिनिधि महिलाओं ने मानव जीवन विकास समिति द्वारा आयोजित पत्रकारवार्ता कटनी मे सम्मिलित हुई पथवारी की महिलाओं ने जनपद मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं इंजीनियर से बहुत ही परेशान थी क्योकि काम तो हो जाता था लेकिन काम का मजदूरी भुगतान नही होता था पंचायत की कोई एक महिला जाकर बोलती थी तो *lh-bZ-vks-* भगा देता था लेकिन पत्रकारवार्ता कटनी से

लौटने के बाद सभी महिलाओं ने साथ मे सी.ई.ओ. के पास गये और भुगतान के सम्बन्ध मे बोली तभी सी.ई.ओ. ने जांच कराने को कहा लेकिन महिलाओं ने मानी क्योंकि ऐसा तो हर बार बोलकर काम को टाल देता है उन्होने कहा कि आज आपको काम का भुगतान करना होगा नही तो हम यहा से हटेंगे नही और न ही आपको हटने देंगे। दो दिन बाद काम की जांच हुई और जांच कर तुरन्त सरपंच के हाथों बकाया राशि का चैक दे दिया।

o"k 2010 e ग्राम पंचायत पथवारी की सरपंच प्रभा सिंह अपने नजदीकी उम्मीदवार से 200 मतों से विजयी प्राप्त कर सरपंच बनी। हुई प्रभा सिंह का स्वाभाव अच्छा एवं सीधा साधा है यह आठवीं कक्षा तक पढ़ी है प्रभा सिंह अपने पंचायत एवं गांव की विकास की बात हमेशा करती रहती है और साथ मे महिला जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक और मीटिंग कर वार्ड की समस्या को ग्राम सभा बैठक के माध्यम से समस्या हल कराने को तैयार रहती है सभी महिला जनप्रतिनिधी ग्राम सभा मे आवश्य जाये वार्ड की हर समस्या को ग्राम सभा मे रखे ताकि समस्या का हल हो सके सभी को शासन की योजनाओं का लाभ मिले।

o"k 2011 e जिला कलेक्टर ने पथवारी मे पहुंचे सरपंच एवं गांव की जनता ने कलेक्टर महोदय से निवेदन किया कि हमारे पंचायत मे पानी की बहुत गम्भीर समस्या है जिसे कलेक्टर महोदय ने तुरन्त दो हैण्डपम्पों की मंजूरी दे दी जिससे दो दिन के अन्दर हैण्डपम्प लगवाया गया यह वार्ड नं. 5 और वार्ड नं. 9 मे लगे है।

vo/k dCtk gVku e vge Hkfedk 2012

पथवारी पंचायत की सरपंच प्रभा सिंह चुनाव जीतकर आई जो कि अनुसूचित जनजाति की महिला है यह सीधा साधा स्वभाव वाली महिला है गांव के लोग ने तो सरपंच बनाया है लेकिन इसे पंचायतीराज के बारे कुछ भी पता ही नही है कि हमे पंचायत के कामों को कैसे प्रस्ताव पारित करके काम को कराना है। लेकिन द हंगर प्रोजेक्ट के सम्पर्क मे आकर विभिन्न प्रकार की मीटिंग और बैठकों मे जाने से अपने तथा पंचायतीराज के बारे जानकारी प्राप्त हुई।

चूंकि पथवारी पंचायत मे महिला जनप्रतिनिधि पहली बार बनी। इसलिए विपक्ष के लोग जमकर विरोध करना भ्शुरू कर दिये। दबंगों लोगों का अत्यधिक दबाव पंचायत पर था। पंचायत के ही एक दबंग व्यक्ति राममिलन विश्वकर्मा ने सड़क को 20 साल से कब्जा किया हुआ था वह उस जगह को छोड़ नही रहा था लेकिन गांव के लोगों के द्वारा हकीकत बताने पर सरपंच प्रभा सिंह ने उसका विरोध किया उसे कहा कि आप इस रास्ते को छोड़ दो लेकिन उसने नही छोड़ा फिर उसके बाद प्रभा सिंह ने गांवों की एक बैठक बुलाई, और उस जगह को छोड़ने को कहते हुए नोटिस जारी करते हुए सूचित किया फिर भी राममिलन छोड़ने को तैंयार नही हुआ तब पंचायत की सभी महिला जनप्रतिनिधियों ने मिलकर उसका जमकर विरोध किये और उस जगह को पूरी तरह से कब्जा किये जिसमे गांव के अन्य व्यक्तियों ने भी अपना सहयोग दिया। अब उस जगह पर राममिलन का कब्जा पूरी तरह से हट चुका है जिसमे अब पंचायत का कब्जा हो चुका है।

?kjsyw fgalk ds fo:} iHkk flag us mBkbZ vkokt 2012

बडवारा मंगलभवन में 22/08/2012 को साझामंच की इन्टरफेश मिटिंग चल रही थी। बात आई घरेलू हिंसा पर उसी समय पथवारी सरपंच प्रभा सिंह ने अपने घर की बीती हुई बात सुना ही डाली अपने घर में पूरे परिवार के साथ रहने वाली गॉव की आदिवासी परिवार से ताल्वूक रखती है, परन्तु प्रभा सिंह की सरपंची एवं पढाई लिखाई व प्रशिक्षणों से गुजरी बाते उसे यह बात कहने का हौसला आफजाई हुआ। ऐसा कि प्रभा सिंह के पति के बड़े भाई उदयभान सिंह की भ्शादी श्रीमति लक्ष्मी बाई के साथ हुई है। इनके परिवार में पॉच लडकियॉ एक लडका है, विलायतकलॉ में ग्राम सेवक पद पर पिछले 15 वर्शों से कार्यरत है। परन्तु आज की चकाचौंध जिन्दगी से ओतप्रोत होने के बाद भ्शराब की लत लगने के बाद पी पीकर परेशान ड्यूटी पर पिछले 06 माह से नहीं जा रहे थे। घर में

पत्नी, बच्चे परेशान आमदानी का जरिया बन्द होते देख पत्नि पिछले कई वर्शो से परेशान थी पत्नि के साथ मारपीट की घटना होती रहती थी।

परन्तु दिनॉक 13/08/2012 की घटना उसके जिन्दगी में बदलाव ला दिया, उक्त दिनॉक को उदयभान सिंह ने जैसे ही शराब पीकर घर आये और पत्नि के साथ विवाद करने लगे और घसीट कर रोड में ले जाकर मारपीट करने लगे तभी घर की सदस्य होने के नाते और पंचायत की सरपंच होने के नाते प्रभा सिंह ने उसके पीछे हो लिया। परन्तु उसी समय देवरानी जेठानी के लगाव को देख पति के झगडे के बीच न पडने के लिये सास ने छोटी बहू प्रभा सिंह को मना किया बोली की उदयभान सिंह और उसकी पत्नि लक्ष्मी बाई के झगडे में तुम्हे क्या लेना देना, परन्तु प्रभा सिंह नहीं मानी और बोली यदि आपको कोई मारे और हम न बचाये तो आप को कैसा लगेगा।

यह कहकर प्रभसिंह रोड पर पहूुची जहॉ पर मारपीट हो रही थी। परन्तु सामाजिक बंधन को देखकर प्रभासिंह ने गॉव वालों, रोड में चलने वालों को रोक–रोक कर यह कहती रही कि इन्हे छुडा दो क्योंकि मेरे पति के बड़े भाई है जो कि सामाजिक बन्धनों के कारण मे उन्हें छू नही सकती। गॉव वालों के प्रयास के बाद आपसी झगडा कम हुआ, लक्ष्मी बाई ने यह कहना भुारूकर दिया कि मैं घर नहीं जाऊंगी यहीं पर मर जाऊंगी परन्तु प्रभासिंह यह कहते हुए अपनी जेठानी लक्ष्मी बाई को घर लाई कि 15 अगस्त को ग्रामसभा है हम वहॉ यह बात उठायेगें चलो थाने चलते है और रिपोर्ट लिखायेगें।

यह सुनकर जेठानी घर आ गई। घर में अपने पूरे परिवार के सदस्यों के साथ एक बैठक किया और बोली घरेलू हिसां पर हम प्रशिक्षण लिये हैं हम जानते है कानून क्या है। हमे पता है हम इस पंचायत की सरपंच है हमारी जिम्मेदारी बनती है महिलाओं व अन्य की रक्षा करना जबकि बडे दम के साथ यह कहा कि घरेलू हिंसा कानून में सबूत की जरूरत नहीं है आप जेल में जायेंगे इस बात को सुनकर घर के सदस्य थोडा सहमे आये और सब लोगों ने एक स्वर से उदयभान सिंह को कहा कि आप अपने मजदूरी पर जाये या घर छोड दे। और लक्ष्मी बाई ने चार दिन से कमरे में ही रही यह घटना सबको दुखित किया व थाना में एवं ग्रामसभा में बात रखने के प्रस्ताव को सुनकर उदयभान सिंह कहॉ कि मैं कल से अपनी नौकरी पर जाऊंगा और घर में ठीक से रहूॅगा।

15 अगस्त की ग्राम सभा मे इस बात को उठाया गया कि उदयभान सिंह ने अपने नौकरी को छोड़कर घर मे बेठे रहता है और दारू के नशा मे दिन रात भरा रहता है जिससे कि उसके परिवार के सभी लोगों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है यहां तक कि भोजन तक कि व्यवस्था नही हो पाती है तथा अपनी पत्नि को मारता डाटता रहता है। अब यह परेशानी पत्नि लक्ष्मी बाई से नही सहा जा रहा है। ग्राम सभा मे इस बात को निर्णय देते हुए बताया गया कि उदयभान सिंह आपको नौकरी पर जाना है और आज की तारीख से ही तुम अपनी पत्नि को नही मारना नही तो आपके विरूद्व कार्यवाही की जायेगी। तथा इस बात को उदयभान सिंह ने स्वीकार किया और जैसे ही 16 अगस्त आई और सुबह से ही तैयार होकर उदयभान सिंह ड्यूटी पर गये और पत्नि अपने बच्चों के साथ घर में रहने लगी।

vkf[kj cu gh x;k vkxuckMh Hkou 2013

बडवारा ब्लाक के पथवारी पंचायत के ग्राम टिकरिया स्थित है यहॉ जनसंख्या 288 है गॉव में आदिवासी समुदाय की बस्ती है कोल, गोड, एवं एक घर का आहीर और 2 घर के चौरसिया जाति के लोग निवास करते है । 15 साल से यहॉ ऑगनबाडी दयमन्ती बाई कोल के घर किराये से ऑगनबाडी लगता था, दयमन्ती बाई ऑगनबाडी सहायिका है । प्रभा सिह सरपंच ने चुनाव के समय सभी को वादा किया था कि इन बच्चों के लिए ऑगनबाडी जरूर बनवाऊॅगी अगर चुनाव जीती तो ।

1 tuojh 2013 dks ग्राम टिकरिया में ऑगनबाडी तैयार हो गया एवं वहॉ बच्चे ऑगनबाडी केन्द्र में पढने लगे, लेकिन ऑगनबाडी बनाने के पीछे प्रभा सिंह और महिला पंचों को बहुत संघर्श करना पडा । पहला ग्रामसभा में ऑगनबाडी का प्रस्ताव डाले तो सचिव इसका विरोध किया कि पहना ऑगनबाडी पथवारी में बनना चाहिये टिकरिया तो कोने में बसा है उसे कौन देखने आयेगा ।

यह बात प्रभा की टीम को बहुत बुरी लगी और उन्होंने कैसे भी प्रस्ताव डलवाकर ब्लाक से पास कराकर ऑगनबाडी स्वीकृत कराया लेकिन जनपद एवं सचिव कि मिलीभगत से काम पंचायत को न देकर *vkj0bZ0,l0 foHkkx* को दे दिया जिससे विभाग अपने ढंग से जैसा तैसा बनाकर देता, लेकिन जैसे ही पता चला कि ऑगनबाडी का काम पंचायत को नहीं *vkj0bZ0,l0 foHkkx* को दिया गया तो पंचायत में फिर बैठक किया गया और प्रस्ताव कि कापी एवं आवेदन लेकर पूरी महिलाऍ कलेक्टर के यहॉ गये और वहॉ लिखित लेकर जनपद को दिया गया जिससे जनपद द्वारा पंचायत को काम कराने की अनुमति दी गई।

तीन माह के अन्दर ऑगनबाडी बनाया गया और उद्घाटन ऑगनबाडी सुपरवाईजर, सरपंच और पूरे गॉव के लोग एवं सभी प्रतिश्ठित लोग आसपास के उनको बुलाया गया एवं गर्भवती महिलाओं कि गोदभराई एवं बच्चों का अन्नप्रशन किया गया । प्रभा सिंह सरपंच का कहना है कि हम लोग अपनी पंचायत को कुपोशण मुक्त पंचायत बनाना चाहते है, लेकिन कुपोशण को दूर सिर्फ ऑगनबाडी में मिलने वाली सुविधाओं से नहीं किया जा सकता बल्कि इसके लिए पूरे परिवार को जागरूक करना होगा ।

'kjkch ifr ls ij'kku efgyk dks lj{kk fnyk;k 2014

सरपंच श्रीमति प्रभा सिंह अनुसूचित जन जाति की महिला है । प्रभा सिह ट्रेनिंग प्रशिक्षणों के बाद अब वह बहुत जागरूक एवं जुझारू महिला है प्रभा सिंह ने बताया कि, मेरे ग्राम पंचायत में अनुसूचित जन जाति की महिला */kfu;k ckbZ* अपने बच्चें एवं पति के साथ अपने घर रहती है, धनिया के साथ उसका पति अच्छा व्यवहार नहीं रखता था, वह हमेशा दारू पीकर आता था और अपनी पत्नि एवं बच्चों के साथ मारपीट करता था 24 जनवरी को 08 बजे रात धनिया को बहुत जम से पिटाई किया इसके बीच धनिया को बचाने के लिए उसकी सास एवं घर के लोग दौडे उसको बहुत डाटा तो धनिया का पति स्वयं अपने ऊपर मिट्टी तेल डालकर आग लगा लिया और चॅदिया थाने में जाकर धनिया एवं अपने घर वालों के ऊपर रिपोर्ट को सुनते ही उसकी पत्नि धनिया बाई रोती चिल्लाती सुबह–सुबह प्रभा सिंह के घर पहुॅची और अपनी घटका का पूरा हाल प्रभा को सुनाया प्रभा ने कहा कि ठीक है चिन्ता मत करो आज है 26 जनवरी आज ग्राम सभा जरूर आना ग्रामसभा की बैठक हुई तो धनिया उसकी सास वहॉ पहुॅची बैठक की कार्यवाही भाुरू हुइ्र तो धनिया बैठक में अपनी घटना पूरा हाल सबको सुनाया, लेकिन ग्रामसभा में बैठे लोगों ने उसकी बातों को अनसूनी कर टालना चाहते थे तो प्रभा सिंह कहॉ चुप रहती प्रभा सिंह ने जोर चिल्लाकर कहा कि उस दुखी महिला की बातों को सुनने के लिए तैयार नहीं है तो काहे की ग्रामसभा है, काहे की बैठक है तो वहॉ उपस्थिति सभी लोगों ने आश्चर्य से चकित होकर प्रभा सिह की बातों पर गौर किया गया। प्रभा सिंह ने कहा कि यह बात सच है उस महिला के साथ न्याय होना चाहिये । तब ग्रामसभा की कार्यवाही रजिस्टर में उसका प्रस्ताव डलवाया बैठक में धनिया का पति भी बैठा था । प्रभा सिंह ने दो प्रति में आवेदन बनवाया और एक आवेदन बडवारा थाना में दिया और एक अपने पास रख लिया । और ग्रामसभा में बैठा पति को डराया धमकाया गया कि यदि आज के बाद भाराब पीकर ऐसी हरकतें करोगे तो सीधे जेल में बन्द कर दिया जायेगा, धनिया बाई का पति जेल का नाम सुनकर डर गया और उसी दिन से भाराब पीना बन्द कर दिया । धनिया अब बहुत खुश है और अपना जीवन अपने पति एवं बच्चों के साथ हॅसी खुशी गुजारने लगी।

¼3½

नाम – राधा बाई पटेल
पद – उप सरपंच
वर्ग – पिछड़ा वर्ग
शिक्षा – आठवी
उम्र – 36 वर्ष
ग्राम पंचायत – बरछेका
ब्लॉक बड़वारा, जिला कटनी म.प्र.

ikfjokfjd fLFkfr की बात तो यही है कि परिवार सम्पन्न घरानों मे से थी। राधा बाई को भी पर्याप्त समय घर से बाहर आने जाने को मिल जाता था। यही कारण था जिसके कारण से राधा बाई को पंच मे चुनाव लड़ने का तथा गांव की बदहाल स्थिति को बदलने का मौका मिला। पंच बनने के बाद राधा बाई को पंच पद से उपसरपंच पद के लिए चुना जिससे वार्ड का ही नही पूरे पंचायत के विकास कार्य को आगे लाऐगी।

*** jk/kk ckbZ milji p dk iz;kl ls ik= fgrxzkgh dk feyk ykHk ***

*** xjhch js[kk lwph eas uke tqMokdj isa'ku Lohd`r djk;k ***

वर्ष 2015 मे कटनी जिले से दूर बडवारा ब्लाक 35 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत बरछेका की उपसरपंच श्रीमती राधा बाई ग्राम विकास का काम तो करती है इसके बाद भी लोगों की नजर मे सही काम नही हो रहा है। राधा बाई को आइडिया हुआ की सबसे पहले वार्ड का सर्वे करना चाहिए जिससे अपने वार्ड की वास्तविक स्थिति का पता चल जायेगा। अपने वार्ड में सर्वे किया। वार्ड मे विभिन्न प्रकार की समस्याऐं देखने मे आई है जैसे गरीबी रेखा मे नाम जुड़वाना, पेंशन मे नाम जुड़वाना, इन्दिरा आवास दिलवाना इस प्रकार से विभिन्न प्रकार की समस्या सामने आई है। लेकिन तत्काल मे एक ही समस्या को लेकर पहले हल करने को सोंचा। जो कि रामसुन्दर पटेल अपने परिवार मे *2 cPpks dk lkFk jg jgk gS v'kh"k vkSj euh"k nks cPps gS* जिसमे से मनीष शारीरिक रूप से पूर्णतः विकलांग है जिसका पालन पोषण माता पिता कर रहे है। माता पिता कृषि कार्य मे लगे रहते है रामसुन्दर का बड़ा लड़का आशीष अपने छोटे भाई की देखभाल मे लगा रहता है। आर्थिक स्थिति बहुत ही कमजोर है जिसकी वजह से परिवार का पालन पोषण सही तरीके से नही हो रहा था। 1991 मे इनके परिवार का नाम गरीबी रेखा सूची मे जुड़ा था जो कि 2014 मे इनका नाम गरीबी रेखा से काट दिया गया अब तो इनके परिवार का खाना पीना नही चल रहा था।

राधा बाई उपसरपंच ने *02 vDVwcj dh xzkelHkk es jkelqUnj iVsy* का आवेदन लगवाया था राधा बाई ने ग्राम सभा में कहा कि यह व्यक्ति पात्र है इसको लाभ मिलना चाहिये तो ग्रामसभा में बैठे सभी लोगों ने राधा बाई की बातों को समर्थन किया लेकिन उसकी कार्यवाही किसी भी प्रकार से नही की जा रही थी। राधा बाई ने आवेदन की पावती लेकर *15 vDVwcj 2015* को *rglhynkj egksn; th ls vkxzg fd;k dh* पटेल का नाम जुड़ना चाहिए क्योंकि उसके परिवार मे दो बच्चे है वह भी एक विकलांग है। गरीबी रेखा सूची से नाम काटने पर मनीष का विकलांग पेंशन भी रूक गया जो लगभग पूरे 1 वर्ष होने जा रहे है विकलांग पेंशन भी मनीष का नही मिल पा रहा है ।

rglhynkj egksn; th के द्वारा कार्यवाही नही करने पर उपसरपंच राधा बाई ने *25 vDVwcj 2015* को बरछेका के महगवां गांव मे मुख्यमंत्री माननीय श्री शिवराज सिंह चौहान का आगमन हुआ उसी समय सभी प्रशासनिक अधिकारी कटनी जिले के आये हुए थे। ग्रामसभा का अनुमोदित प्रस्ताव एवं तहसीलदार कार्यालय की पावती लेकर *eq[;ea=h Jh f'kojkt pkSgku th* को सौंप दिया जिसमे कलेक्टर महोदय को पत्र मे विचार करने को कहा गया। कटनी कलेक्टर श्री विकास सिंह नरवार जी ने तत्काल तहसीलदार बड़वारा श्री अनिल तलैया जी को कहा कि रामसुन्दर पटेल पात्र हितग्राही है इसका नाम अभी गरीबी रेखा मे जोड़ा जाये जिससे वह अपने परिवार का पालन पोषण कर सके।

हाल ही मे रामसुन्दर पटेल का नाम जोड़ते हुए कार्ड जारी करने के आदेश पंचायत सचिव को दिया गया। पटेल का ch-ih-,y- dkMZ 05 uoEcj 2015 esa cu x;kA अब पंचायत सचिव द्वारा बताया गया कि मनीष पटेल का विकलांग पेंशन भी स्वीकृत हो जायेगा जिसे आगामी महीने से पेंशन दिया जायेगा। यदि मनीष पटेल के परिवार का नाम गरीबी रेखा मे नही जुड़ता तो विकलांग पेंशन भी नही मिलता। गरीबी रेखा सूची मे नाम जुड़ने से fodykax isa'ku Hkh ikl gks x;kA

fnlEcj ekg dh iapk;r cSBd के दौरान उपसरपंच ने प्रस्ताव रखा की मनीष पटेल का नाम गरीबी रेखा मे जुड़ गया है आपको प्रस्ताव पास कर कार्यवाही पूर्ण करनी होगी जिससे विकलांग पेंशन भी शुरू हो जायेगी। बैठक के दौरान प्रस्ताव पास हुआ और tuojh 2016 से पेंशन मिलना शुरू हो गया। इस प्रकार से उपसरपंच राधा बाई ने अपने पंचायत को बदलकर दिखाने को ठाना है।

राधा बाई उपसरपंच अपनी जिम्मेदारी से पंचायत का काम कर रही है। महिलाओं को साथ लेकर निगरानी भी करती है और अपने वार्ड में जाकर निगरानी करती है jk/kk ckbZ जब से mi ljiap बनी है अपनी पंचायत में जाकर महिलाओं से मिलकर iapk;r dh ekfld cSBd ,oa xzke lHkk में महिलाओं को ले जाती है सरपंच को साथ में लेकर अपने गॉव की समस्याओं पर निगरानी रखती है जानकारी रखती है कोई भी काम हो काम करने के लिये आगे आती है और अब कोई झिझक नहीं रहती काम कराने राधा बाई को वह आत्म निर्भर बन गई है।

jk'ku nqdku dks Bhd fd;k ykxksa dks feyk ykHk &

वर्ष 2015 मे उपसरपंच राधा बाई यह पिछले कई सालों से समाज कार्य मे लगी हुई है । राधा बाई बिना पद के बहुत सारे काम किया है उसे लगता था कि पद का होना काम के जरूरी नही होता है । लेकिन 2015 के पंचायती चुनाव मे राधा बाई ने पंच पद हेतु पर्चा दाखिल किया पंच पद मे जीतने के बाद लोगों के पास जाकर समस्याओं को देखती थी हल कराने का प्रयास करती थी। मानव जीवन विकास समिति द्वारा महिला नेतृत्व कार्यशाला आयोजित होने के बाद अपने आप मे ताकत बढ़ी है। कार्यशाला मे उन्होने कार्ययोजना बनायी की हमें कौन से काम को कब और कहां करना है किसके सहयोग से करना है । उसी योजना के अनुरूप कार्यशाला से वापस जाने के बाद महिला जनप्रतिनिधियों के साथ मे मिलकर काम कराने की प्रकिया को अपनाया। सरकारी उचित मूल्य की दुकान गांव पर है वहां पर निगरानी करने का काम करना चालू किया।

राशन दुकान पर पिछले 2–3 महीने से राशन आ नही रहा था उसका पता लगाने की कोशिश किया लेकिन पता नही चला। 21 जुलाई की रात मे 1 बजे गांव मे ट्रक से खाद्यान्ह आया लोगों ने पंच सरपंचों को सूचना दिया की रात मे राशन आता है जिससे कुछ ही राशन आ पाता है बाकी का राशन प्रायवेट दुकानों मे बेंच दिया जाता है। ऐसा ही हुआ करीब आया से ज्यादा राशन मात्रा से कम था।

सेल्समैन श्री राजा को यह पता चल गया कि लोगों को यह सूचना लग गयी है कि खाद्यान्ह कम है और गाड़ी कही और गयी है जिससे राशन कही और दूसरे जगह बेंच दिया गया है । सेल्समैन ने जुलाई माह का राशन फिर से नही बांटने की रणनीति बनाई। गांव के लोगों ने पंच सरपंचों से राशन बंटवाने को कहा राधा बाई ने अपने वार्ड मे लोगों से कहा कि मै राशन जरूर बंटवाउंगी। सैल्समैन को लिखित आवेदन 1 अगस्त को दिया और एक सप्ताह मे राशन बांटने को कहा यह भी कहा गया कि यदि एक सप्ताह मे नही बांटेंगे तो आपके उपर कार्यवाही की जायेगी।

सेल्समैन श्री राजा ने 4 अगस्त को ही राशन बांटने पहुंच गया, राधा बाई पंच ने दुकान पर श्री रामदास को ले गई और सेल्समैन श्री राजा से बोली की आपको राशन तौलने के लिए श्री रामदास को रख लीजिए सेल्समैन ने बोला की नही हमारा व्यक्ति पहले से तौलने के लिए आया हुआ है। राधा बाई पंच ने बोली की लोगों का कहना है कि राशन

वजन मे कम हो जाता है। किसी तरह से सेल्समैन रामदास को एक दिन के लिए वजन करने के लिए रख लिया गया ।

राधा बाई पंच ने भी 4 अगस्त को राशन दुकान पर बैठे ही रह गई है दिन बीत गया आखिरी मे लगभग 35 हितग्राही राशन के लिए अपना कूपन लिए बैठे रह उनको राशन नही मिला। राधा बाई ने सेल्समैन को बुलाया और राशन का पता लगाने की कोशिश की जिसमे सैल्समैन कहा की अगले माह मिल जायेगा राशन जिन्हें इस माह नही मिला है। इस बात की कार्यवाही राधा बाई ने अपने साथी जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर हाल ही मै पंचनामा बनवाया और जिनको राशन नही मिला उनका और गवाहों का हस्ताक्षर युक्त आवेदन ब्लॉक खाद्य सहकारी समिति को दे दिया जिसमे समिति द्वारा कार्यवाही की गई जांच उपरान्त सेल्समैन श्री राजा को एक महीने के लिए कार्यमुक्त किया गया खाद्यान्ह की जांच की जा रही है । सितम्बर माह का खाद्यान्ह सभी को समय पर और पूरा मात्रा मे उपलब्ध हो गया। इस प्रकार के काम से गांव वालों ने राधा बाई पंच के काम से सभी खुश है।

fu;fer xzkelHkk gksus dh igy &

वर्ष 2016 मे राधा बाई उपसरपंच बताया की बरछेका पंचायत 2 गांवों मे फैली हुई पंचायत है इस पंचायत की कुल जनसंख्या 2373 है एवं 824 परिवार के लोग रह रहे है। बदलते दुनिया से बेखबर बरछेका मे आज भी पुरूषों का ही दबदबा समाज के हर फैसले पर रहता है। बरछेका मे जातिगत रूप से बहुसंख्या मे सामान्य वर्ग की जनसंख्या ज्यादा है। जिसके कारण पिछड़े वर्ग, आदिवासी व दलित वर्ग पर दबंगई से पेस आते है। गांव के हर फैसले व निर्णय सामान्य वर्ग के पुरूषों पर होता था।

पंचायत की बैठक एवं ग्रामसभा कभी साल छः महीने मे हुआ करती थी उसमे भी महिलाओं को अंदर नही जाने को मिलता था। ग्राम सभा का कोरम एवं कार्यवाही को बन्द कमरे मे सरपंच, सचिव द्वारा पूरा किया जाता था। रजिस्टर पदाधिकारियों के घर मे हुआ करता था रजिस्टर मे हस्ताक्षर दबावपूर्ण पंचों एवं गांव की जनता से करा लिया जाता था। राधा बाई ने ठाना है कागज पर उपसरपंच बनकर नही रहेगी इसीलिए उसने ग्रामसभा मे महिलाओं की भागीदारी पर काम करने का निश्चय किया। समस्या यह थी की गांव का विकास होने की वजह से सामान्य वर्ग के परिवार का विकास होता था। ऐसे मे पंचायत की हितग्राही मूलक योजना का लाभ भी गरीबों को नही मिल पा रहा था। चाहे इन्दिरा आवास की बात करें, चाहे पेंशन, बी.पी.एल. कार्ड की सुविधा, कपिलधारा कूप, मेड़ बंदी, बिजली, सड़क आदि सुविधाऐं नही मिल पाती थी। इससे लोगों की आर्थिक स्थिति मे सुधार नही हो पा रहा था।

उपसरपंच राधा बाई धीरे–धीरे संस्थाओं के सम्पर्क मे आने से उनकी बैठक, प्रशिक्षण मे भाग लिया उससे समझ मे आया की हम जनप्रतिनिधियों को तो सरकार के द्वारा बहुत से अधिकार दिये गये है जिससे हम अपनी पंचायत का बेहतर विकास कर सकते है अब हमे समझ मे आया कि पंचायत का विकास तो ग्रामसभा के हाथों मे सौंप दिया गया है । अब हमे ग्रामसभा मे पंचायत की सारी समस्याओं का प्रस्ताव रखना होगा। गांव के लोगों से सम्पर्क किया की आप सभी को ग्रामसभा मे जाना होगा अपनी–अपनी समस्याओं को रखनी है सभी वर्गो से महिला पुरूषों को आना है जिससे की अपना दबाव भी बना सके। 26 जनवरी 2016 की ग्रामसभा की सूचना किसी को नही दी गई पंचायत द्वारा और ग्रामसभा भी नही हुई लेकिन पंचायत बैठक मे जब गये तो सभी पंचो से ग्रामसभा कार्यवाही रजिस्टर मे हस्ताक्षर करने को बोला गया तभी पता चला की ग्रामसभा तो नही हुई है परन्तु हमसे रजिस्टर मे हस्ताक्षर क्यों कराया जा रहा है, सभी सदस्यों ने हस्ताक्षर करने से मना कर दिया।

आगमी ग्रामसभा मे जाने की तैयारी पहले से ही सभी लोगों ने मिलकर कर लिया। उपसरपंच राधा बाई के घर अप्रैल की ग्राम सभा का रजिस्टर हस्ताक्षर करने के लिए पहुंचा तो उसके मन मे आया कि मै इस बार की ग्रामसभा मे सभी को ले जाऊंगी और समस्याओं का प्रस्ताव भी रखेंगे। फिर एक रणनीति अपनाई कि सभी महिला सरपंच, उपसरपंच, पंच इकट्ठा रहेंगे और सभी महिला जनप्रतिनिधियों को अपने–अपने वार्डो से 10–10 महिलाओं को ग्रामसभा मे लाना है, बैठक मे सभी महिलाओं ने निर्णय को मान लिया। फिर सभी महिलाओं ने घर–घर जाकर महिलाओं को निकालना शुरू किये ग्रामसभा की जानकारी एवं अधिकार लोगों तक पहुंचाया गया। 14 अप्रैल 2016 को

ग्रामसभा मे 96 महिलाओं एवं 120 पुरूषों ने भाग लिया और अपने अपने समस्या के मुद्दों पर प्रस्ताव रखा। उनका प्रस्ताव पेंशन, इन्दिरा आवास, मुख्यमंत्री आवास, कपिलधारा कूप, पानी की समस्या आदि का प्रस्ताव लिखा गया।

1. **BPL** राशन कार्ड – 5। 2. इन्दिरा आवास – 1 । 3. शौंचालय – 5। 4. विकलांग पेंशन – 1 ।5. मेढ़ बंधान – 4 । 6. सीमांकन – 5 । 7. पशु शेड – 3 । 8. हैण्डपम्प सुधार – 1 । 9. सीसी सड़क – 1 । 10. पात्रता पर्ची – 5

ग्रामसभा मे लोगों को लाने मे गांव के पिछड़े एवं कमजोर वर्ग के लोगों का सहयोग रहा है। इसमे विरोध भी बहुत हुआ की गांव के लोगों का मानना था की पिछड़े एवं कमजोर वर्ग के लोग आगे न सके इनमे जागरूकता तो है नही जिससे हमारा विरोध करेंगे। हमारी शिकायत भी किसी नही कर सकते है। फिर भी राधा बाई ने गांव लोगों मे साहस बढ़ाया की आपका कुछ भी कोई नही बिगाड़ सकता है आप तो एक संगठित होकर रहे आपकी जरूर एक दिन जीत होगी। इस रणनीति एवं पद्धति का असर व परिणाम गांव के 96 महिलाओं एवं 120 पुरूषों तक पहुंचकर सभी लोगों के सोंच को बदल दिया। आगे की सोंच है गांव के प्रत्येक व्यक्ति तक सरकार की हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ पहुंचे।

xjhch j[kk dkM cuok;k 2017 e &

राधा बाई पटेल पारिवारिक स्थिति सामान्य है बड़े कास्तकार खेतिहर है जिससे अपने परिवार का पालन पोषण करती है। पंचायत मे उपसरपंच बनने के बाद से अच्छा सराहनीय काम किया है। लोगों की समस्या को लेकर पंचायत और जनपद पंचायत मे चक्कर काटकर लोगों को उनके अधिकार दिलाने मे कोई कसर नही छोड़ी है। सरकार द्वारा चलाये जा रहे हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राही को दिलाने अथक प्रयास किया है। ऐसे ही कुछ इस साल भी लोगों का आना जाना शुरू हो गया कि हमारे पास गरीबी रेखा कार्ड नही है जिससे कारण हम पेंशन और अन्य सरकार की योजना का लाभ नही ले पा रहे है इसके लिए उपसरपंच ने प्रयास किया। हितग्राही स्वयं से पंचायत मे कई बार आवेदन दिया उनका काम नही हुआ। सरपंच सचिव कई वर्षो से आनाकानी करते आ रहे है। ऐसे ही समय बीतता गया वह परिवार गरीबी के चक्र मे फंसकर जीवन यापन कर रहे थे।

उपसरपंच अपने गांव में ग्रामसभा होने के पहले सर्वे किया जिसके पास बीपीएल कार्ड नहीं हैं और उनको बीपीएल कार्ड की आवश्यकता है। ऐसे 1 परिवार पाया गया जिनके पास गरीबी रेखा कार्ड नही बने है उन्हें कार्ड की जरूरत है। राधा बाई ने सभी लोगों से बात की और उनको आश्वसन दिया कि मैं आपका हक दिला के रहूँगी। 26 जनवरी 2017 को ग्रामसभा हुयी उन्होंने अपने गांव के लोगों को लेकर पहुँची और सबसे पहले हितग्राहियों का आवेदन बनवाया और गांव के ही राम जी गुप्ता को ले जाकर उनका आवेदन दिया और प्रस्ताव डाला। प्रस्ताव की कार्यवाही को लेकर जनपद पंचायत मे बातचीत किया लोगों की समस्या को बताया किसी पंचायत मे हुई गड़बड़ियों के कारण इनका नाम गरीबी रेखा पात्रता सूची से छूट गया है इनका नाम जोड़ दिया जाये मै बरछेका पंचायत की उपसरपंच हूँ मुझे लोग कहते है कि आप हमारा काम करवा दीजिये। 1 महीने बाद पंचायत के माध्यम से तहसील कार्यालय मे पता लगाया गया कि बरछेका पंचायत से जो सूची गरीबी रेखा सूची मे नाम जोड़ने के लिए आया था तो उस सूची का पता लगा जिसमे राम जी गुप्ता का नाम गरीबी रेखा सूची मे जोड़ दिया गया।

इस तरह से राधा बाई ने अपने गांव की समस्याओं को सुनी और उसके निवारण के लिये हर संभव प्रयास करती है। इस तरह से लोगों के काम और पंचायत के काम करने में पहल व विकास करती है।

o"k 2018 मे ग्रामसभा को सशक्त बनाया एवं गांव मे राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से 5 समूहों का निर्माण कराया है जिसके माध्यम से महिलाओं का जुड़ाव हुआ है वह अपनी बचत कर आय को बढ़ा रही है। गांव की महिलाऐं आत्म निर्भर बन रही है । ग्रामसभा मे महिलाओं की उपस्थिति बढ़ी है जिससे अपनी बात रखने मे मदद् मिल रही है।

¼4½

नाम – चंदा पटेल
पद – उप सरपंच, वार्ड कं. – 5
उम्र – 32 वर्ष
जाति – पटेल
वर्ग – पिछड़ा वर्ग
शिक्षा – आठवीं
ग्राम पंचायत – कुम्हरवारा
ब्लॉक बड़वारा, जिला कटनी म.प्र.

ikfjokfjd i"BHkfe % चंदा पटेल उप सरपंच कुम्हरवारा ग्राम पंचायत मे कटनी जिला मुख्यालय से लगभग 70 किलोमीटर दूरी पर अपने परिवार के साथ रह रही है। *jktuhfr* से इनके परिवार कोई रिस्ता नही था लेकिन वार्डवासियों के कहने से पंच के लिए चुनाव लड़ी और जीत कर उपसरपंच बन गई। *vkfFkd fLFkfr* सामान्य है घर परिवार मे अच्छी खासा खेती किसानी होने से परिवार चलाने मे कोई परेशानी नही होती है। *lekt e| vPN| dke* के बदौलत अपनी अच्छी छवि पूर्व से ही बनी हुई है समाज लिए जाने वाले निर्णयों मे भी चंदा के परिवार को बुलाया जाता है और खास बात यह है कि समाज मे महिलाओं के साथ किसी भी प्रकार का निर्णय लिया जा रहा हो उसमे चंदा को जरूर बुलाया जाता है चंदा ने समाज मे खुल कर भाग लेने वाली स्वच्छ छवि वाली महिला है।

i|f'k{k.k@cBd : द हंगर प्रोजेक्ट/मानव जीवन विकास समिति द्वारा प्राप्त प्रशिक्षण – संगठन निर्माण कार्यशाला, स्टैंडिंग कमेटी प्रशिक्षण, ब्लॉक स्तरीय बैठक, फेडरेशन कंसोलिडेशन मीटिंग, महिला हिंसा विरूद्ध अभियान की ब्लॉक स्तरीय बैठक, पंचायत बैठक, *dkj xi i|f'k{k.k ikIr* आदि मे भाग लेकर अपनी क्षमतावृद्धि को बढ़ाया है।

**d|ikf"kr cPph dk xkn y|] djkbl ,u-vkj-lh- e| Hkrhl ** 2015

कटनी जिला मुख्याल से 50 कि.मी. दूर *xke ipk;r dEgjokjk dh mi ljip pnk* बाई संस्थाओं के कार्यशालाओं से प्रशिक्षण प्राप्त अपने आप को आत्मनिर्भर मानती है। चंदा बाई को स्वयं मे ज्ञात हुआ की हम भी सरपंच से कम नही है तथा पुरूषों से कम नही है जो पुरूष यह सोंच रहे है कि महिलाऐं कुछ नही कर सकती है वह काम हम महिला जनप्रतिनिधियों ने करने को ठाना हैं और पांच साल मे करके दिखायेंगे। आप सभी को मालूम होगा की पंचायत मे बहुत से छोटे–छोटे काम है जिसे जनप्रतिनिधियों ने कभी करने को नही सोंचता है, मै *pnk ckbl mi ljip* वही काम करना शुरू करूंगी जिससे लोगों को लगे की उपसरपंच कुछ तो नही कर रही है।

गांव मे सभी प्रकार की विचारधारा वाले लोग रहते है । एक परिवार *firk feFkyi'k iVy ekrk iKk ckbl dh cPph 2 o"kh; ek/kjh d|ekjh dk ifjokj* ऐसा भी देखने को मिला जिससे की उस परिवार मे माता पिता के रहते हुए भी बच्चा कुपोषण के शिकार है वह सोंचते थे यदि हम बच्चा को दवाई कराने ले जाते है तो पैसा लगेगा वह हम नही सका सकते है। दूसरों के समझाने पर भी नही मानने वाले लोग है उस परिवार मे आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता दोनों ने जाकर कुपोषण की पहचान किया है लेकिन बच्चा को *,uvkj lh- dUnz* जाने की बात कहो तो वह ले जाने से मना कर देते थे। इस बात की खबर चंदा बाई उपसरपंच को पता चली जिससे वह सोंचा की मै भी जाकर देखूं की आखिर मामला क्या है जिसकी वजह से वह बच्चे को एनआरसी. मे भर्ती नही करा रही है। चंदा बाई उपसरपंच *fnukad 25 vDVcj 2015* को *d|ikf"kr ifjokj firk feFkyi'k iVy ekrk iKk ckbl* के यहां पहुंची काफी बातचीत करने के बाद पता चला की हां हमारा बच्चा ही कुपोषित है। उपसरपंच ने कुपोषण के बारे मे पोस्टर, पम्पलेट ली हुई थी जिसके माध्यम से परिवार वालों को समझाया लेकिन वह परिवार समझ नही रहा था उनका कहना है हमारा बच्चा कुपोषित है आपको क्यों परेशानी है।

fnukad 1 uoEcj 2015 dks pank ckbZ आंगनवाड़ी केन्द्र जाकर निगरानी की जिसमे केन्द्र पर कुपोषित बच्चों का रजिस्टर बना हुआ है जिसमे सिर्फ उसी परिवार के बच्चे का नाम जिसे एनआरसी. केन्द्र मे भर्ती नही करा रहे है। तब उपसरपंच को लगा की अरे चलो हम ही बच्चे को एनआरसी. केन्द्र मे भर्ती करा दे जिससे हमारा पंचायत कुपोष्ण मुक्त होगा। कुपोषण पर काम किया जो कुपोषित बच्चा हैं उनके माता पिता से *fnukad 9 uoEcj 2015* को चंदा बाई गांव भ्रमण के दौरान कुपोषित परिवार से मिलकर बातचीत की तथा उनको समझाया कि इन बच्चों को एन.आर. सी. में भर्ती कराये वहां पर आपके बच्चे को दवाई एवं खान पान का समय समय पर ध्यान दिया जायेगा । जिससे आपका बच्चा स्वस्थ्य हो जायेगा इसके लिये आपको *14 fnu Hkrh* रहना पडेगा आपको वहॉ रहने पर बच्चा का ईलाज तो होगा साथ मे आपको जितने दिन रूक रहे उतने दिन का भत्ताा भी 1400 रू. दिया जायेगा ।

iVy d ifjokj okyks के नही समझने पर चंदा बाई ने गोद लेने का निर्णय लिया कहा कि मैं आपके बच्चा को गोद लेकर इसकी देखभाल करना चाहती हूॅ । तो बच्चे के माता पिता ने मना कर रहे थे कि हम अपना बच्चा आपको नही देंगे। *30 uoEcj 2015* को गांव मे महिला जनप्रतिनिधियों ने बैठक करने को सोंचा जिसमे कुपोषित परिवार के माता पिता को भी बुलाया गया। वहां पर बताया गया कि आपका बच्चा कुपोषित है जिसे ठीक कराना तुम्हारा फर्ज है । यदि आपको *,uvkjlh- dsUnz* मे भर्ती नही कराना है तो यह बच्चा हमें दे दो हम केन्द्र मे भर्ती कराकर ठीक करायेंगे। उपसरपंच चंदा बाई के बातों से बच्चे के माता पिता सहमती दी की जो आप बता रहे है वह सही है । तो आप बतायें कि बच्चे को कैसे एनआरसी. केन्द्र मे भर्ती करायेंगे। चंदा बाई ने कहा आज से इस बच्चे को मै गोद लेती हूं जिससे मेरी भी जिम्मेदारी होगी मै बच्चे को को भर्ती कराने से लेकर ठीक होने तक तथा ठीक होने के बाद भी सतत् इसका फॉलोअप करते रहूंगी।

दो महीने के बाद तीसरे महीने मे चंदा बाई ने उस बच्चे को एनआरसी. केन्द्र मे भर्ती कराने *4 fnlEcj dks* केन्द्र मे ले जा पाई और उस बच्चे को भर्ती कराया, 14 दिनों के बाद *cPph g"V i"V ek/kjh 2 o"kZ;* घर वापस *18 fnlEcj 2015* को आया जिससे परिवार मे हर्ष फैल गया कि चंदा बाई ने हमारे बच्चे का जीवन संवारा है यह एहसान को हम जिंदगी भर नही भूलेंगे।

*¼1½ **lMd fuekZ.k esa gks jgh Hkz"Vkpkjh dks jksdk** 2016*
*¼2½ **vkaxuokMh dk;ZdrkZ dh mifLFkfr fu;fer djk;k** 2016*
*¼3½ **LoPNrk dks ysdj 'kkSpky; cuok;k** 2016*

चंदा बाई पटेल उप सरपंच कुम्हरवारा पंचायत की है इन्होने राजनीति का पता नही होने से उसे लग रहा था कि मुझे उप सरपंच बनना उचित नही था क्योंकि गांव के लोग मेरे से कहते है की हमारा काम करा दीजिए तो हम नही करा पाते है ऐसे मे वही जनता हमे दुबारा कैसे चुनाव मे जिताऐगी। यह सोंचकर रह जाती थी कि अब दुबारा मौका नही मिलेगा। घर परिवार के लोग बोलते है कि आपको क्या करना है किसी से बुराईया लेने से किसी का काम हो या न हो आप तो घर से बाहर नही जाओ क्योंकि आप घर की बहू हो लेकिन चंदा को रहा नही गया वह पंचायत की बैठक एव अन्य बैठकों मे आना जाना प्रारम्भ ही कर दिया, धीरे धीरे संस्था के सम्पर्क मे आने से उसकी बैठक, प्रशिक्षण मे भी जाना शुरू कर दिया जिससे अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता आयी और पंचायत के कामों मे स्वयं रूचिपूर्ण सहभागी बन रही है। चंदा पटेल उप सरपंच को संस्था द्वारा आयोजित बैठक, प्रशिक्षण बहुत ही पसंद आया जिस कारण से वह अपने काम को कर पाने के लिए सहयोगी समझा है यही सीख से पंचायत मे काम करने की भावना जागृत हुई।

¼1½ Hkksiky dkj xqi if'k{k.k 1 व 2 दिसम्बर 2016 से वापस आने के बाद से पंचायत मे *fuxjkuh vkfn* का काम करना शुरू कर दिया। हाल ही मे पंचायत मे सी.सी. रोड निर्माण का काम चल रहा था उसी काम को देखने जाने लगी। *5 fnlEcj* को निर्माण कार्य को देखने गई चंदा उप सरपंच जिससे लोगों ने कई प्रकार की बातें बतायी जैसे की पंचायत द्वारा काम ज्यादा कराया जाता है, पैसा कम मिलता है, मजदूरी भुगतान समय पर नही होता है

आदि सभी बातें उप सरपंच सुन रही थी मजदूरों को बताया की नही परेशान नही हो आपके मजदूरी भुगतान को समय से कराने एवं सही दर से मजदूरी भुगतान कराने का प्रयास करेंगे। etnj jke y[ku द्वारा बताया गया कि रोड निर्माण कार्य मे मस्टर रोल पर फर्जी हाजिरी चढ़ाई जा रही है जिसकी जांच कराईये चंदा ने कहा जरूर करायेंगे।

चंदा उप सरपंच ने प्रतिदिन काम की निगरानी करने जाने लगी अपने रजिस्टर मे हाजिरी लगाती थी और फिर मस्टर रोल से मिलान करती थी 12 दिसम्बर को अपने रजिस्टर और मस्टर रोल का मिलान किया उसमे से 3 ykxk dh ';keyky] mn;Hkku] v'kkd ilkn की फर्जी हाजिरी लगी थी जो की काम पर नही आ रहे थे उप सरपंच ने मेट से कहा आपने मस्टर रोल मे जो व्यक्ति नही आते है उनकी हाजिरी क्यों लगाते हो ये तो गलत कर रहे हो इसकी सूचना हम उच्च अधिकारियों तक पहुचाऐंगे। काम के फर्जीवाड़े को लेकर पंचायत सचिव एवं मेट काफी नाराजगी जताई उपसरपंच के ऊपर लेकिन इसका कोई किसी भी प्रकार से प्रभाव नही पड़ा उप सरपंच चंदा के ऊपर वह लगातार काम को करती रही एवं देखती रही। सचिव व मेट बोलते थे आप काम मे क्यों आती हो देखने वह तो पंचायत का काम चल ही रहा है आपके देखने की जरूरत नही है काम का मूल्यांकन तो इंजीनियर करता है आपके देखने से क्या होगा। लेकिन चंदा बाई ने हार नही मानी सचिव व मेट के कहने पर यह बात को उप सरपंच ने पंचायत की मासिक बैठक मे रखी की हम उप सरपंच है हमे काम को देखने जाने से मना किया जा रहा है। जबकि गलती इनकी है की जो व्यक्ति सड़क निर्माण के काम नही आ रहे है उनकी हाजिरी लगाई जा रही है उसे रोकने की बात करने पर मुझे काम मे नही जाने को कहा जाता है।

26 दिसम्बर को आकस्मिक पंचायत की बैठक बुलाई गई इसमे सभी पंचायत जनप्रतिनिधियों के सामने यह बताया गया कि सी.सी. रोड का जो निर्माण कार्य चल रहा है उसमे फर्जी हाजिरी भरी जा रही है उसे रोका जाये। सभी के द्वारा काफी विरोध जताया गया कि सचिव व मेट के द्वारा गलत किया जा रहा है पंचायत जनप्रतिनिधियों को भी पता नही यह बात इसी लिए तो काम करने वाले मजदूर चिल्लाते है कि हमे मजदूरी कम मिल रही है इसे रोकने का प्रयास किया जायेगा। इतना ही नही मजदूर अशोक ने बताया कि रोड निर्माण मे तो सीमेंट भी खराब सस्ती कीमत वाली व कम मात्रा मे लगा रहे है उसे भी चंदा बाई के द्वारा खुलासा किया गया कि आपको यह सीमेंट नही लगानी है इसे बदला जाये क्योंकि रोड जल्दी टूट जायेगी जिस प्रकार से आप काम करा रहे है चंदा ने कहा यदि ऐसा ही करोगे तो आपकी शिकायत हम उच्च अधिकारी जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी व जिला कलेक्टर को बतायेंगे। चंदा की बात सुनकर सभी प्रभावित हो गये एवं सहयोग करने को भी कहा है जिससे चंदा उप सरपंच को और ताकत मिल गई। बैठक मे निर्णय लिया गया कि आज से ही फर्जीवाड़े को रोका जायेगा सही तरीके से काम कराया जायेगा।

¼2½ vkxuokMh e igyh बार भोपाल से आने के बाद 12 fnlEcj को निगरानी करने गई चंदा पटेल ने पाया कि यहां पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता समय पर नही आती है सहायिका ही आंगनवाड़ी को चलाती है बच्चों की उपस्थिति भी कम रहती है जैसा की बच्चे दर्ज 35 है और आते 15 से 20 है अधिकतम इस पर भी काम करने का विचार बनाया यह बात पंचायत सरपंच को भी बताया और कहा की आपको मेरे साथ चलना होगा। चंदा बाई ने दूसरी बार 20 fnlEcj को फिर से निगरानी करने सरपंच कला बाई के साथ चंदा उप सरपंच ने बहुंच गई उस दिन भी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता 12 बजे नही मिली तब सहायिका द्वारा उसे घर बुलवाया गया जिसमे कार्यकर्ता ने बतायी की हमारा और भी काम रहता है उसे घर मे करते है आपको इससे क्या मतलब बच्चे तो पढ़ रहे है सहायिका रहती है।

सरपंच ने बताया की ऐसा नही होता आप आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हो आपको पूरे समय आंगनवाड़ी मे काम करना होगा और बच्चों को पढ़ाना होगा नही तो आपकी यह खबर पंचायत द्वारा महिला बाल विकास को भेजी जायेगी। हम जनप्रतिनिधि है पंचायत की बैठक और ग्रामसभा मे आपकी बात को रखेंगे क्योंकि गांव के लोगों ने बताया है कि आप ऐसे ही हीला हवाली काम करने मे कर रहे है आपको सुधार करना पड़ेगा नही दूसरी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भर्ती करवाया जायेगा। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने बताया की मै अब रोज समय से आंगनवाड़ी आऊंगी और अपनी सेवा बच्चों

को पूरा दूंगी मेरी शिकायत कहीं भी न करे आप कभी आकर देखे मुझे आंगनवाड़ी मे ही पायेंगे अपना काम ईमानदारी से करूंगी। माह के अंतिम मे 30 दिसम्बर को जाकर आंगनवाड़ी मे देखा गया तो आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका दोनो केन्द्र मे पायी गई इस व्यवस्था मे सुधार हुआ जिससे प्रभावित 35 बच्चे का भविष्य मे सुधार हुआ।

¼3½ चंदा बाई उपसरपंच ने अपने वार्ड मे LoPNrk ij ykxk dk tkx:d करने का भी काम किया है लोगों को बताया गया कि आप सभी को व्यक्तिगत स्वच्छता पर ध्यान रखना होगा बच्चों पर विशेष रूप से ध्यान रखे क्योंकि बच्चे आने वाली पीढ़ी के भविष्य है। चंदा बाई ने बताया कि आपको घर मे शौचालय बनवाना होगा अपने पंचायत को खुले मे शौंच मुक्त बनाना है। यह भी बताया गया कि शौचालय बनाने पर पात्र हितग्राही को सरकार द्वारा 12 हजार रूपये भी दिये जाते है आप बनवा लीजिए आपके खाते मे राशि मिल जायेगी। चंदा बाई उपसरपंच के बताने से 25 परिवार के लोग तैयार हो गये उन्होने अपने घर मे शौंचालय का काम चालू कर दिया है दिसम्बर महीने से वह जनवरी मे पूरा हो जायेगा ये 25 परिवार ऐसे थे की आर्थिक स्थिति कमजोर थी रोज की मजदूरी मे लगे रहते थे और शौंच के लिए बाहर जाना ही पसंद करते थे। लेकिन जब उन्हे बताया गया कि आप शौचालय नही बनवाओगे तो आपका सोसाईटी से मिलने वाला राशन बंद हो जायेगा, पेंशन नही मिलेगा, सरकार की योजना का लाभ नही मिलेगा यह जानकर ये 25 परिवार शौचालय बनवाने को तैयार हो गये। चंदा बाई उपसरपंच अपने पंचायत मे अच्छा काम करने की योजना बनायी है छोटे छोटे काम पंचायत स्तर पर हल कराया जायेगा और बड़े काम भी करेंगे यदि समस्या आती है तो हमारा जागृति संगठन बना है संगठन के माध्यम से समस्या का समाधान किया जायेगा। अपने पंचायत को सुरक्षित पंचायत सुरक्षित वातावरण का निर्माण कराया जायेगा।

¼dqikf"kr cPpk dk ,u-vkj-lh- dUnz e HkrhZ djkdj Bhd fd;k½

वह ऑगनबाडी और स्कूल मे अपने सरपंच एवं पंचों के साथ निगरानी करने जाती है। एक दिन अप्रैल महीने मे ऑगनबाडी पहुॅच कर देखा तो वहॉ दो बच्चे कुपोषित थे जिसमें एक बच्चे को चंदा ने गोद ले लिया उसका uke vfHkyk'k है उसकी ek dk uke Qwyckb एवं पिता का नाम संतराम कोल है। इसका बच्चा लाल लाईन में आ रहा था, बच्चे के माता पिता को समझाया लेकिन बच्चे की मॉ किसी की बात सुनने के लिये तैयार नहीं थी एवं एनआरसी केन्द्र में भर्ती करने के लिये राजी नहीं थी। चंदा उपसरपंच के बार बार कहने पर कुपोषित बच्चे की मां फूलबाई ने अनसुना कर दिया करती थी लेकिन जब चंदा ने अपने दूसरे जनप्रतिनिधि के साथ उसके घर जाकर पूरी जानकारी ली और बताया कि आपका बच्चा कुपोषण से गृषित है ठीक न होन की स्थिति मे इसके जान को खतरा हो सकता है। माता फूल बाई और पिता संतलाल दोनों को यह बात समझ नही आयी फिर गांव के लोगों व आशा कार्यकर्ता भी बताया कि आपको बच्चे की फिक्र करनी चाहिए यही आपको बुढ़ापे मे साथ देंगे। उपसरपंच ने पंचायत बैठक मे बताया कि अपने गांव मे दो बच्चे कुपोषित है इन्हें ठीक कराने की जिम्मेदारी आप सभी की है ठीक होन पर अपना गांव कुपोषण से दूर रहेगा।

कुम्हरवारा पंचायत से नजदीक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र clkMh में 15 से 19 अप्रैल 2017 तक सुपोषण अभियान का सरकार की तरफ से कैम्प लगा था उसमे ऐसे ही न समझ वाली महिलाओं को आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ता को अपने गांव की महिलाओं को लेकर जाना था जिसमे उपसरपंच ने फूलबाई को कैम्प तक समझाकर ऑगनबाडी की मदद से ले जाया गया। फूलबाई को सुपोषण कैम्प की जानकारी समझ मे आया वह लगातार 5 दिन तक बच्चे को लेकर सुपोषण कैम्प मे गई जिससे धीरे धीरे उनके बच्चे का वजन बढ़ने लगा डॉक्टर ने बताया कि आप लगातार 6 महीने से बच्चे को पोषण आहार देते रहे आपका बच्चा स्वस्थ और मजबूत होगा। इस प्रकार डॉक्टर की सलाह एवं पोषण आहार की मदद से वजन बढ़ने लगा और उपसरपंच yxkrkj Qkykvi करती रही। बीच बीच में उनके बच्चे को देखने जाती थी की समय पर आप खाना खिलायें तथा समय समय पर वजन भी करवाती थी और पोषण आहार को खिलाने के लिये कहती थी । इस तरह फूलबाई का बच्चा तन्दुरूस्त और स्वस्थ्य हुआ । चार बार उनका फालोअप हुआ यह चंदा जी की बडी सफलता थी ।

o"kZ 2018 esa प्रधानमंत्री आवास मे पात्रों के नाम जुड़वाने मे सहयोग किया है पंचायत मे पहले से प्राप्त सूची मे संशोधन करने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आवास मे गुणवत्ता युक्त ईंधन लगे इसके लिए लगातार निगरानी का भी काम कर रही है। अब पात्रों को योजनाओं का लाभ दिलाने मे अव्वल है।

uke – कमली बाई

in – पंच

xkao – लुहरवारा

iapk;r – लुहरवारा

Cykd – बड़वारा

ftyk – कटनी

ljdkjh mfpr ewY; dh nqdku esa jksdh x;h Hkz"Vkpkjh 2016

कटनी जिले के बड़वारा ब्लॉक की पंच कमली बाई लुहरवारा पंचायत मे रह रही है। गांव मे सरकारी राशन की दुकान मे हो रही भ्रष्टाचारी को देख कर पंच ने मन मे बनाया कि मै तो पंच हूं मुझे अच्छा काम के लिए वार्ड के लोगों ने चुना है यदि मै अच्छा काम नही किया तो मुझे दुबारा मौका नही मिलेगा। कमली बाई ने धीरे धीरे लोगों के सम्पर्क मे आयी और दुकान की सही जानकारी ली जिसमे पता चला कि वास्तव मे सोसायटी के सेल्समैन द्वारा गलती की जा रही है।

कमली बाई को कुछ जानकारी पता नही थी चुनाव जीतने के बाद से ही काम करने को सोंचा लेकिन जानकारी के अभाव मे काम नही कर सकी। संस्था के कार्यकर्ताओं से मिलकर उसे बड़ी खुशी हुई कमली बाई पंच ने संगठन निर्माण कार्यशाला और फॉलोअप कार्यशाला मे भाग लिया प्रशिक्षण से मिली जानकारी से कमली बाई को जान आयी। कमली बाई गांव की आंगनवाड़ी और स्कूल मे भी निगरानी करने जाती थी वहां पर परिवर्तन देखने को मिला।

सोसायटी से राशन उसी को दिया जाता है जिनके पास खाद्यान्न पर्ची है उसमे प्रति व्यक्ति 5 किलो के हिसाब से राशन दिया जाता है उसके साथ शक्कर, नमक, मिट्टी तेल भी दिया जाता है। गांव के जिन लोगों के पास खाद्यान्न पर्ची नही है उसे राशन नही दिये जाने का प्रावधान है। सेल्समैन ने अधिकरियों की मिली भगत से अपात्रों को भी अधिक कीमत मे राशन और मिट्टी तेल दे देता था। दबंग लोगों ने गांव के सीधे साधे गरीबों को हमेशा से दबाकर रखा है और उनको भ्रष्टाचार का शिकार बना रखा है। सोसायटी से आधा खाद्यान्न अमीरों के घर पहुंचता था लेकिन कोई आवाज उठाने वाला नही हुआ।

पंच कमली बाई ने इसका विरोध किया और गांव के लोगों से सहयोग करने की अपेक्षा की जिससे गांव के लोगों ने सहयोग करने के लिए तैयार हो गये। माह सितम्बर 2016 की 5 तारीख को राशन वितरण हो रहा था गांव के लोगों ने बताया कि हमे कम मात्रा मे अनाज दिया गया है और मिट्टी तेल नही दिया गया फिर कमली बाई को विश्वास नही हुआ वह वहां पर पहुंची और अपने सामने 4 कार्डधारियों को बांटने को कहा उनको भी कम मात्रा मे खाद्यान्न दिया गया पंच ने सेल्समैन से कहा की आप क्यों कम मात्रा मे अनाज दे रहे है और मिट्टी तेल नही दे रहे है सेल्समैन ने बताया कि इस महीने खाद्यान्न कम आया है अगले महीने पूरा दिया जायेगा।

दोपहर बाद करीबन 2 बजे सोसायटी दुकान मे दबंग लोगों का कब्जा हुआ और उन्हे राशन, मिट्टी तेल उनकी जरूरत के अनुरूप दिया जाने लगा। गांव के किसान ट्रेक्टर चलाने के लिए 15 से 20 लीटर ले जाते है वही पर गांव की आम जनता को मिट्टी तेल जलाने के लिए नही दिया जाता। इसका यह पता चला की किसानों को अधिक मूल्य पर खाद्यान्न दिया जा रहा है मिट्टी तेल 20 से 30 रूपये प्रति लीटर ब्लैकमेल मे दिया जा रहा है। लोगों के साथ हो रहे अत्याचार एवं सोसायटी की भ्रष्टाचारी को कब तक सहते रहते गांव के लोगों से कुछ कहा नही जा रहा

था, पंच कमली बाई ने हेल्प लाईन 100 नं. पर फोन कर शिकायत किया और बताया की आज और अभी मौके पर आकर देखा जाये सेल्समैन द्वारा की जा रही भ्रष्टाचारी को ठीक किया जाये।

शाम करीब 5 बजे पुलिस पहुंची फिर भी खाद्यान्न दिया जा रहा था। गांव के दबंग लोगों ने पहुंच कर सेल्समैन की मदद की गांव के जिन व्यक्तियों ने ब्लैकमेल मे खाद्यान्न लिया था वह आकर बोले की हमे नही दिया गया। पुलिस कब तक रूके रहते गांव के सभी लोगों के समक्ष पंचनामा तैयार किये और लोगों की सहमती लेकर चले गये। *nl j fnu 6 rkjh[k* को पंच कमली बाई ने स्कूल निगरानी और पढ़ाई व्यवस्था को देखने पहुंच गई मध्यान्ह भोजन बच्चे खा रहे थे किचिन मे जाकर पंच ने देखा तो काफी राशन रखा था समूह की महिलाओं ने बताया की हमारा नही है राशन गुरूजी भी बताये हमे तो पता नही है किसका है पंच ने स्कूल मे काफी देर रूकने के बाद वहां से चली गई। फोन से पंच ने सेल्समैन से जानकारी ली की स्कूल मे काफी राशन रखा हुआ है वह किसका है तो बताया गया कि वह तो मध्यान्ह भोजन के लिए समूह का रखा हुआ है पंच कमली बाई ने बताया की वह तो समूह के लोगों ने मना कर रहे है कि हमारा नही है तो सेल्समैन ने बताया की लुहरवारा स्कूल का नही है वह तो सलैया स्कूल का रखा है।

7 तारीख को पंच कमली बाई ने सलैया स्कूल मे भी जाकर पता किया तो स्कूल से मिली जानकारी के मुताविक वह खाद्यान्न वहां का भी नही है अब सही मे पता चला की वह तो किसी का नही ब्लैकमेल करने के लिए रखा हुआ है। ऐसा हुआ की 9 तारीख को फिर से सोसायटी का राशन वितरण करने के लिए सेल्समैन आया तभी पंच कमली बाई ने वहां पर पहुंची और लोगों से जानकारी ली गई तो उन्हे भी कम मात्रा मे दिया जा रहा था। तो पंच ने कहा की आप तो कहते है की कम खाद्यान्न आया है फिर स्कूलों मे कहां से स्टॉक करके रखे है किसके लिए रखे है । पंच ने बताया की मै आपकी शिकायत आपके उच्च अधिकारियों तक पहुंचाउंगी।

सेल्समैन लखन पटेल ने बोला की अरे आप तो परेशान करने मे लग गई है हमे जीने नही देते है आप तो अपने पंचायत का काम करिये हमे अपना काम करने दीजिए लेकिन पंच ने नही मानी आखिर वह गांव के लोगों को बुलवा लिया और बताया पूरी बात की खाद्यान्न गरीबों को ब्लैकमेल करने के लिए स्कूलों मे लिया जाता है मध्यान्ह भोजन के नाम और वही से बेंच दिया जाता है। सेल्समैन ने समझ गया की यह पंच तो मेरे पीछे पड़ गई तब गांव के लोगों के सामने सेल्समैन पटेल कबूल कर ही दिया की मेरे द्वारा गलती किया गया है वह भी गांव के दबंग लोगों के दबाव मे आकर किया है अब मै ऐसा दुबारा कभी भी नहीं करूंगा।

LoPNrk dk lni'k ¼tkx:drk½ 2016

'kkSpky; fuek.k ,o izkRlkgu jkf'k dk Hkqxrku djk;k

ikfjokfjd i"BHkfe – कमली बाई का परिवार गरीब है यही बजह से वह राजनीति से किसी प्रकार का तालुताक नही रखती थी मजदूरी कर अपने पति के साथ परिवार का पालन पोषण कर रही थी। राजनीति मे आने का कारण उनके वार्ड मे पंच पद के लिए पिछड़ा वर्ग महिला की सीट आरक्षित होने से पंच पद के लिए वार्डवासियों ने कमली को उत्साहित किया और पंच बनाया। पंच बनने के बाद से लगन से पंचायत के कामों मे ध्यान देती है और रूचि भी रखती है।

izf'k{k.k@cSBd : द हंगर प्रोजेक्ट/मानव जीवन विकास समिति द्वारा प्राप्त प्रशिक्षण – संगठन निर्माण कार्यशाला, आवश्यकता आधारित कार्यशाला, स्टैंडिंग कमेटी प्रशिक्षण, ब्लॉक स्तरीय बैठक, फेडरेशन कंसोलिडेशन मीटिंग, महिला हिंसा विरूद्ध अभियान की ब्लॉक स्तरीय बैठक, पंचायत बैठक आदि मे भाग लेकर अपनी क्षमतावृद्धि को बढ़ाया है।

कमली बाई पंच ने लोगों के साथ अच्छा जुड़ाव बनाया और लोगों के साथ मिलकर काम करना प्रारम्भ किया। संस्था के प्रशिक्षण से पंच मे जागरूकता आयी और वह वार्ड मे छोटे छोटे काम करने लगी जैसा की लोगों के अधिकार और

काम की निगरानी आदि काम भी कर रही है। इसी प्रकार से स्वच्छता पर काम करना उचित समझा जिसमे उसे सफलता मिल सकती थी। लोगों को स्वच्छता का संदेश एवं स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव को भी बताया जैसे की खुले मे शौंच करने से बीमारी फैलती है जिससे लोगों का पैसा फालतू खर्च होता है जैसा की जानते है कि बच्चों मे ज्यादातर बीमारियां खुले मे शौंच करने से उत्पन्न होती है उसे रोका जाये।

1 vDVcj 2016 को गांव मे लोगों की बैठक बुलायी और स्वच्छता का संदेश दिया गया जिसमे बताया गया कि आप सभी को अपने घर मे शौंचालय बनवाना होगा। यह भी बताया गया कि सरकार द्वारा पात्र हितग्राही को शौचालय बनवाने एवं उपयोग करने पर 12 हजार रूपये की राशि प्रोत्साहन स्वरूप दी जाती है हितग्राही स्वयं शौचालय बनवाये उनके खाते मे प्रोत्साहन राशि दी जायेगी।

कमली बाई पंच ने 75 परिवारों मे सर्वे दौरान पात्रता की श्रेणी मे पाया जिसे सरकारी योजना का लाभ मिल सकता है पंच ने उस परिवार को प्रोत्साहित कर 2 अक्टूबर 2016 की ग्रामसभा मे आने को कहा है सभी हितग्राही ग्रामसभा मे उपस्थित हुए सभी ने अपनी बातें रखी की हमारे घर मे शौचालय नही है पंचायत द्वारा गांव मे तो शौचालय बनवा दिये गये है और हमे बता रहे हो की आपका शौचालय नही बनेगा बताईये हम गरीब है कहा जाये किससे अपनी बात रखे। कमली पंच ने बताया है कि आपका नाम सूची मे है जनपद मे जाकर पता किया गया है पंचायत वाले आपको छूठ बोल रहे है। कमली बाई पंच ने ग्रामसभा मे जनपद पंचायत की सूची को बताया जिससे उसी सूची को अनुमोदन किया गया और हितग्राही को शौचालय बनवाने को कहा गया। शौंचालय बनवाने को कहा और बताया कि आप शौचालय बनवाओ पैसा दिलाने की मेरी जवाबदारी है। सभी 75 परिवार के लोग शौचालय बनवाने का काम प्रारम्भ कर दिया। *vDVcj & uoEcj eghus e lHkh ifjokj e 'kkSpky; cu x;A*

कमली पंच ने शौचालय निर्माण का फोटोग्राफ सहित फाईल दुरूस्त कर पंचायत की बैठक मे बताया की इन परिवारों को शौचालय की प्रोत्साहन राशि दिलाया जाये ये परिवार पात्रता की श्रेणी मे आते है। पंचायत बैठक मे बताया गया कि पंचायत का कोई रोल नही है शौचालय का पैसा जनपद की अनुशंसा से जिला पंचायत द्वारा शौचालय की राशि दी जाती है। तो पंच ने शौचालय हितग्राही की फाईल को जनपद पंचायत लेकर गई जहां पर स्वच्छ भारत मिशन के ब्लॉक समन्वयक अधिकारी बबिता सिंह से मिली और बताया की ये शौचालय कम्पलीट हो गये इन परिवर का नाम पात्रता सूची मे भी है इनका शौचालय प्रोत्साहन राशि का पैसा दिया जाना चाहिए। ब्लॉक समन्वयक बबीता सिंह द्वारा बताया गया कि हम 15 दिवस के अन्दर शौचालय का निरीक्षण कर पैसा दिलाने का प्रयास करेंगे।

जनपद पंचायत द्वारा 1 सप्ताह के अंदर शौचालय की जांच करायी गई और जांच उपरान्त फाईल जिला पंचायत को प्रेषित की गई जिसमे की 15 दिवस के अंदर शौचालय की राशि हितग्राही को प्राप्त हो गई। कमली बाई पंच को पता चला की हितग्राही को शौचालय की राशि प्राप्त हो गई है तो पंच ने गांव मे ग्रामवासी की बैठक बुलाया और शौचालय सभी को बनवाने एवं उपयोग करने को कहा यह भी बताया की हमे निगरानी समिति बनाना चाहिऐ जिसमे महिला पुरूष दोनो होंगे वे समिति सुबह शाम गांव का भ्रमण कर स्वच्छा का संदेश देगी एवं खुले मे शौच करने वाले को रोकेगी। इतना ही नही यह भी बताया गया की पंचायत बैठक और ग्रामसभा मे बताया गया कि जिसके परिवार मे शौचालय नही होगा उसे सरकार की समस्त योजनाओं के लाभ से वंचित कर दिया जायेगा।

कमली बाई पंच अपने पद पर अकेली ही काम करती है उसे परिवार से किसी का हर समय सहयोग की जरूरत नही होती है वह अकेले जनपद जिला मे जाती है और गांव की समस्या पर बातचीत करती है और लोगों की समस्या का समाधान करती है। कमली बाई का काम वार्ड व पंचायत के लिए सराहनीय है।

वर्ष 2017–18 मे सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राही को मिले इसके लिए लगातार प्रयास कर रही है। स्कूल, आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य केन्द्र आदि मे निगरानी का काम भी कर रही है।

¼6½

0;fDrxr tkudkjh %

नाम – अजमेरी बी
पद – पंच, वार्ड नं. 8
ग्राम पंचायत – भजिया
ब्लॉक बड़वारा, जिला कटनी म.प्र.
उम्र – 30 वर्ष
जाति – मुस्लिम
वर्ग – पिछड़ा वर्ग
शिक्षा – 8वीं

ikfjokfjd i"BHkfe – अजमेरी बी पंच है इनकी ikfjokfjd स्थिति सामान्य है। पंच का परिवार पहले से jktuhfr मे किसी भी प्रकार से तालुताक नही रखते थे lkekftd क्षेत्र की बात करे तो इनका परिवार पूर्व से ही समाज मे अच्छी खासा छवि बनाये हुए है समाज मे आपसी वार्तालाप एवं लड़ाई झगड़ा जैसे निर्णयों मे ये परिवार को निर्णायक के रूप मे बुलाया जाता है। ये सामाजिक संगठनों से अच्छा सम्बंध रखते थे लोगों के सहयोग मे आते थे।

iz'k{k.k@cSBd : द हंगर प्रोजेक्ट/मानव जीवन विकास समिति द्वारा प्राप्त प्रशिक्षण :– संगठन निर्माण कार्यशाला, आवश्यकता आधारित कार्यशाला, स्टैंडिंग कमेटी प्रशिक्षण, फेडरेशन ब्लॉक स्तरीय बैठक, महिला हिंसा विरूद्ध अभियान की ब्लॉक स्तरीय बैठक, पंचायत बैठक आदि मे भाग लेकर अपनी क्षमतावृद्धि को बढ़ाया है।

efgyk fgalk vijk/k ls eqfDr fnykbZ 2015

कटनी जिला बडवारा ब्लाक के अन्तर्गत xzke iapk;r Hkft;k dh iap Jherh vtesjh ch] वह अपने परिवार मे पति और 2 बच्चे के साथ रहती हैं। अजमेरी बी अपने परिवार के साथ कृषि कार्य करती है और अपने परिवार के साथ रहती है अजमेरी बी बहुत ही सक्रिय काम करने वाली महिला है वह बिना पद के अपने मोहल्ले मे जाती थी सभी के साथ बैठती थी और किसी प्रकार का लड़ाई झगड़ा वाला मामला होता था तो मोहल्ले वालों ने अजमेरी को बुलाकर ले जाते थे अजमेरी का निर्णय सभी लोग मानते थे। इसी के चलते अजमेरी को पंच पद हेतु वार्ड वासियों ने चुना और बड़ी ही उम्मीद के साथ पंच बनाया है की अपने वार्ड का विकास कार्य करेगी।

महिलाओं के लड़ाई झगड़े वाले केस को बहुत ही आसानी से हल कराया है। efgyk fgalk ij vPNk dke fd;kA vtesjh ch की सगी uUn ftldk uke jktu ch था वह अपनी ससुराल में रहती थी उसकी ससुराल उसके मायके से 15 किमी. दूर Hkwikj xkao esa Fkh । रोजन बी के पति का नाम शेख शहीद था उसके दो बच्चे थे। उन लोगों ने रोजन बी को बहुत प्रताडित करते थे उसका पति, सास, ससुर, बच्चे बहुत छोटे थे रोजन बी का उस घर में जीना मुश्किल हो गया। एक दिन रोजन बी अपने कमरे में सो रही थी तभी उसका पति शेख शहीद ने रोजाना बी को जान से मारने की धमकी दी। साथ ही उस पर तेल डालकर आग लगा दिया यह घटना fnukad 9@11@2015 की रात मे हुई है। रोजन बी अपने छोटे बच्चे को साथ में लेकर बाहर भॉगने लगी और बाहर गिर पडी तो मुहल्ले के लोग आकर देख रहे थे तभी उसका पति शेख शहीद भाग गया । 9 नवम्बर की रात बीतने पर सुबह अजमेरी को पता चला की मेरी ननद को मिट्टी का तेल डालकर जला दिया है और जान से मारने को सोंचा। अजमेरी अपने पति को लेकर ननद के घर भूपार गांव गई ननद को अपने साथ लेकर हॉस्पिटल पहुॅची और इलाज कराया। ननद

को अस्पताल में छोडकर अजमेरी बी शेख शहीद एवं उनके परिवार की ,Q- vkbZ- vkj- 10 uoEcj 2015 को दर्ज कराया डॉक्टर की रिपोर्ट एवं रोजन बी के गवाह लेने पुलिस 11 uoEcj dk dg fn;k Fk लेकिन आये नही। अजमेरी बी पुनः रिपोर्ट की पावती लेकर महिला पर हो रहे हिंसा पर सुरक्षा की मांग की दृष्टि से आवेदन किया। और कहा कि यदि इस बार कार्यवाही नही हुई तो आगे उच्च अधिकारियों तक यह खबर पहुंचायी जायेगी।

17 नवम्बर 2015 को पुलिस विभाग बयान लेने के लिए पहुंचे। रोजाना एवं उसके माता पिता सहित पूरे परिवार से पूंछताछ किया गया। रोजाना का पति शेख शहीद की गलती पायी गई वह रोज शराब पीता था और पत्नि को परेशान करता था। शहीद से उसके माता पिता भी परेशान थे। बयानवाजी के उपरान्त 20 नवम्बर को पुलिस द्वारा शहीद एवं उसके परिवार को जेल मे बंद करने की दृष्टि से आये पूरा परिवार जेल में बन्द हो गये लेकिन पति शहीद फरार हो गया। सास, ससुर बन्द थे एवं पति अभी तक फरार था । रोजाना बी की सुरक्षा संभव है ऐसा मान लिया इसके लिए महिला संरक्षण अधिनियम के तहत महिला सशक्तिकरण से सुरक्षा हेतु 30 नवम्बर को आवेदन दिया हमे सुरक्षा मिलना चाहिए। महिला सशक्तिकरण विभाग से आश्वासन दिया गया है कि सुरक्षा मिलेगी। आगे जांच कर कार्यवाही की जा रही है। इस तरह अजमेरी बी पंच महिला हिंसा पर अच्छा काम किया । प्रताडित महिला को न्याय दिलाने का काम किया। एक पंच महिला होने पर उसने ननद रोजाना बी को सुरक्षा देकर अपने घर लाकर उसका पालन पोषण कर रही है। रोजाना एवं उसका परिवार अब आसानी से रह रहे है। किसी भी प्रकार का लड़ाई झगड़ा नही हो रहा हैं।

g.MiEi l/kkj dk;Z djok;k 2016

ip Jherh vtejh ch] वह अपने परिवार मे पति और 2 बच्चे के साथ रहती हैं। अजमेरी बी अपने परिवार के साथ कृषि कार्य करती है और अपने परिवार के साथ रहती है अजमेरी बी बहुत ही सक्रिय काम करने वाली महिला है वह बिना पद के अपने मोहल्ले मे जाती थी सभी के साथ बैठती थी और किसी प्रकार का लड़ाई झगड़ा वाला मामला होता था तो मोहल्ले वालों ने अजमेरी को बुलाकर ले जाते थे अजमेरी का निर्णय सभी लोग मानते थे। इसी के चलते अजमेरी को पंच पद हेतु वार्ड वासियों ने चुना और बड़ी ही उम्मीद के साथ पंच बनाया है की अपने वार्ड का विकास कार्य करेगी। अजमेरी बी वार्ड क्रं. 8 की पंच है इनके वार्ड मे लगा हैण्डपम्प पिछले 5 महीने से बिगड़ा पड़ा होने से वार्ड के लगभग 35 परिवार के लोग प्रभावित हो रहे थे पंचायत मे कई बार बताने के बाद भी सरपंच सचिव द्वारा हैण्डपम्प सुधार नही कराया गया वार्ड वासियों के द्वारा 15 अगस्त की ग्रामसभा मे बताया गया था कि वार्ड क्रं. 8 का हैण्डपम्प सुधरवाया जाये लेकिन पंचायत द्वारा नही बनवाया गया। 3 महीने बाद फिर से हुई 2 अक्टूबर की ग्रामसभा मे इस बात को पूछा गया की वार्ड क्रं. 8 का हैण्डपम्प सुधरवाने के लिए पिछले ग्रामसभा मे प्रस्ताव रखा था वह अभी भी ठीक नही हो पाया जनता परेशान है उसे कैसे ठीक कराया जाये। वार्ड के लोग दूसरे मुहल्ले मे पानी भर कर गुजर कर रहे थे। अजमेरी बी द हंगर प्रोजेक्ट/मानव जीवन विकास समिति की बैठक व प्रशिक्षण से जानकारी मिली थी उसी का उपयोग किया वह हैण्डपमप मेकेनिक को नवम्बर महीने मे टेलीफोनिक 4 बार बिगड़ा हैण्डपम्प की

सूचना दी लेकिन मेकेनिक द्वारा हैण्डपम्प सुधार नही किया गया। तभी अजमेरी बी ने 5 दिसम्बर को सी.एम. हेल्प लाईन नं. 181 डायल कर वार्ड की समस्या को सुनाया तब कही कार्यवाही शुरू हुई 12 दिसम्बर को पी.एच.ई. विभाग द्वारा भेजे गये हैण्डपम्प मेकेनिक ने आया और हैण्डपम्प को सुधारा गया अब सभी 35 परिवार के लोग हैण्डपम्प से पानी प्राप्त कर रहे है।

o"k 2017 ,d utj e& ljf{kr ipk;r vfHk;ku के दौरान अजमेरी बी पंच ने अहम भूमिका निभाई जैसा कि अपने वार्ड गांव पंचायत मे जगह जगह जाकर सुरक्षित पंचायत बनाने गांव मे वार्ड मे माहौल निर्मित किया तिराहे, चौराहे मे स्ट्रीट लाईट का प्रस्ताव ग्रामसभा मे डलवाया गया। अवैध शराब बिक्री पर रोक लगाई गई। गांव मे महिलाओं के साथ हिंसा न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाता है। *LokLF; dk ykHk* गांव मे ही मिले इसके लिए उपस्वास्थ्य केन्द्र की निगरानी कर डाक्टरों की उपस्थिति नियमित कराया साथ नियमित टीकाकरण कराया। *dik"k.k* हेतु नियमित देखभाल कर चिन्हित बच्चों को एनआरसी केन्द्र मे 2 कुपोषित बच्चो को भर्ती कराने भूमिका निभाई है। 2 हितग्राही का नाम पेंशन योजना मे जुड़वाया है ।

o"k 2018 e fd; x; dkek ij ,d utj & अजमेरी बी का मानना है कि पंचायत सिर्फ कागजो मे नही चल सकती है हमे जमीनी स्तर पर उतर कर देखनी होगी अपने कामों को अन्जाम देते हुए हकीकत मे परिवर्तन करने की जरूरत है। इसीलिए अजमेरी ने अपने वार्ड और पंचायत मे महिलाओं को आगे लाने जागरूक करने मे जुट गई। तभी तो महिलाऐं बालिकाऐं अपने अधिकार के प्रति जागरूक होकर अधिकार की मांग कर रही है।

- पंचायत की मासिक बैठक नियमित होना।
- ग्रामसभा मे महिलाओं को प्राथमिकता से अपनी बात रखने का मौका देना।
- हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राही को दिलाना।
- पेंशनधारियों को चिन्हित कर वृद्धा पेंशन योजना मे नाम जुड़वाना लल्लू पिता लखन कुशवाहा जो कि काफी लम्बे समय से परेशान था उसकी समस्या कोई नही सुन रहा था अजमेरी पंच ने उसकी समस्या का समाधान किया।
- राशन दुकान मे अनियमितता पाये जाने पर पंचायत प्रस्ताव के माध्यम से कार्यवाही कराकर ठीक किया
- वार्ड मे दिनो दिन पानी की समस्या बढ़ती ही जा रही थी हैण्डपम्प की सुधार कराने पंचायत का ध्यान नही जा रहा था इसके लिए अजमेरी पंच ने वार्ड वासियों के सहयोग से हैण्डपम्प सुधार करवाया जिससे लगभग 150 परिवार के लोग गुजर कर रहे थे।
- वार्ड के 2 परिवार जिनकी आर्थिक स्थिति वास्तव मे ठीक नही है रहने के लिए आवास नही है और प्रधानमंत्री आवास की पात्रता सूची मे सन्तू और गुड्डा कुशवाहा का नाम नही होने से परेशान थे अजमेरी ने 26 जनवरी 2018 की ग्रामसभा मे प्रस्ताव रखा इनके नाम जोड़ने का जिससे उनका नाम आवास की पात्रता सूची मे नाम जुड़ा।

¼7½

ग्राम पंचायत – अमाड़ी

ब्लॉक बड़वारा, जिला कटनी म.प्र.

नाम – बेटी बाई

पद – पंच वार्ड क्रं. 1

वर्ग – पिछड़ा वर्ग

उम्र – 56 वर्ष

शिक्षा – 12वीं

vo/k dCtk gVkdj lMd fuekZ.k djk;k

कटनी जिले के अंतर्गत बड़वारा ब्लॉक से लगभग 15 कि.मी की दूरी पर ग्राम पंचायत अमाडी है अमाडी की कुल जंनसंख्या लगभग 1500 के आसपास होगी है इस पंचायत में महिला सरपंच है, 6 महिला पंच भी है यहॉ की संरपच धना बाई पटेल है अपने कामों को स्वयं ही करने मे सक्षम है उसी के हौंसलो पर पंच बेटी बाई ने अनेको काम किये जिसमे कुछ इस प्रकार भी है । बेटी बाई पंच जो काम एक बार करने को ठान लेती है उसे किसी भी प्रकार से पूरा करने करने का हौसला रखती है उस काम चाहे कितनी भी दिक्कत आये फिर भी वो उसे पूरा करके ही दम रखती है। कामों में अन्य पंचो व सरपंच का भी उन्हें पूरा सहयोंग मिलता है।

बेटी बाई पंच ने हाल ही में एक खेत सडक का निर्माण अपने दम पर कराया है क्योंकि वह सडक पिछले पंचवर्षीय में प्रस्तावित थी पर गॉव के ही कुछ दंबग लोगो ने सरकारी रास्ते में अतिक्रमणं कर रखा था तथा सडक निर्माण करने में हम व्यवधान उत्पन्न करते है जिसके चलते खेत सडक का निर्माण विगत वर्षो से रूका हुआ था। इस कार्यकाल मे भी धना बाई संरपंच 2015 से प्रयासरत थी लेकिन सड़क नही बन पाई। पंच बेटी बाई ने ठाना कि इस वर्ष यह सडक बननी चाहिये यदि यह सडक निर्माण नही होगा तो लोग अपने खेतो तक नही पहुंच पायेगे परन्तु उन दबंग लोगो से बात कैसे कि जाये यही वे लोग सोच रहे थे और रास्ता बनवाने में सफलता कैसे हासिल की जाये इस पर विचार कर उन्होने उनसे मिलना शुरू किया जिन्होने पुराने एवं प्रस्तावित रास्ते पर अतिक्रमण कर रखा था सबसे पहले वे मनु भैया जी से बात करने गये मनू भैया जी गॉव के पूर्व सरपंच. भी है रह चुके है एवं गॉव के वे बडे आदमी व मालगुजार भी है। उनसे लोग कोई भी बात आसानी से नही कर पाते थे।

पंच बेटी बाई ने निशाना साधा गांव के दबंग मनु भैया के पास सरपंच के साथ पहुचकर बातचीत किया जिसमे गांव के खेत सड़क के बारे मे बताया की बिगत कई वर्ष से पंचायत मे खेत सड़क बनना प्रस्तावित है जहां से सड़क बनना है वहां उस जगह पर आपकी जमीन लगी हुई है अगर आप सड़क बनाने अपनी जमीन दे दिया तो उसमे से गांव के लगभग 40–50 किसानों का अपने खेत मे आना जाना आसान हो जायेगा इससे आपका और कई किसानों का भला होगा ।

अप्रैल महीने मे चर्चा के दौरान मनु भैया जी ने बताया कि मेरी जमीन तो रास्ते के अन्दर है यदि आपको रास्ता बनवाना है तो पहले से गॉव से सडक को खेत तक लाये जहॉ से सडक शुरू करनी है यदि उन किसानो ने आपको सडक बनाने का रास्ता दे दिया तो आपको जितना रास्ता चाहिये उतना में आपको दे दूंगॉ ।

अब भी दो किसान बाकी थे जिन्होने सरकारी जमीन में घर बनाकर रास्ते पर भी अतिक्रमण कर रखा था तो बेटी बाई पंच ने किसान दस्सु पटेल से बात की परन्तु वह नही मान रहा था पर उसे उन लोगो ने समझाया कि अपने सरकारी जमीन में घर बनाया है पर पुराने रिकार्ड में यह घर जो रास्ते में बनाया गया है इसमें हम पुलिस कि मदद से आपके

ऊपर कार्यवाही करेंगे नही तो आप आसानी छोड़ दो आपको और अन्य साथी जिसे किसी का भी सड़क पर अबैध कब्जा है उसे तो हटाना ही पड़ेगा। इतना समझाने के बाद दस्तु पटेल एवं उसका पडोसी भी दोनो ने जमीन से अतिक्रमण हटाने तैयार नही हुए।

मई 2018 की पंचायत मासिक बैठक मे पंच बेटी बाई ने प्रस्ताव रखा और कहा की खेत जाने के लिए लोगों को परेशानी होती है जिसमे सड़क बन जाने से 40—50 किसान आसानी से आना जाना कर सकते है और किसी की भी जमीन की फसल आदि का नुकसान भी नही होगा। इसके लिए पंच ने अबैध कब्जाधारियों से चर्चा कर लिया है जो कब्जा नही हटायेंगे उस पर पंचायत के द्वारा कार्यवाही की जायेगी। पंचायत मे सड़क बनना पारित हो गया लेकिन अबैध कब्जा के कारण सड़क बनना मुश्किल हो गया।

इसके लिए पंचायत द्वारा बेटी बाई पंच ने जून माह की पंचायत बैठक मे निर्णय हुआ की सभी ग्रामवासी को बुलाया जाये और रास्ते बनने की बात कही गई उसी दर्मियान सभी कोटवार की मदद से ग्रामवासी को बुलाया गया। यह की बात आगे नही बढ़े इसीलिए सभी ने रास्ता बनाने जमीन देने के लिए राजी हो गये। कुछ दिनों के बाद सड़क बनाने इंजीनियर व पटवारी द्वारा जमीन नापने व ले—आउट डालने मे काफी समस्या का सामना करना पड़ा इसमे लोग लड़ाई करने तैयार थे माहौल को बनाये रखने मे गांव सरपंच, पंच, कोटवार, अन्य सभी ग्रामवासी का अच्छा सहयोग रहा है। काफी मेहनत व लगातार प्रयासरत रहने के बाद सफलता मिली और सड़क बन पायी अब गांव के सभी किसान आसानी से अपने खेत तक पहुंचने मे झिझकते नही है।

अभी तक के कार्यक्रमों व प्रशिक्षणों मे भागीदारी :— *LVf.Mx deVh Vfux, QMjs'ku ehfVx Cykd Lrjh;] QMjs'ku dkjxqi ehfVx] ipk;r cBd vkfn dk;Øek ls tqMko jgk g* ।

2015 ls vc rd dh miyfC/k %&

सडक मुरमीकरण —01, सी.सी रोड —06, हैण्डपम्प —01, हैण्डपम्प रिपेयर —02, बच्चों का स्कूल प्रवेश —11,
NRLM के समूह —10, खेत सडक —01, मेढ बंधान —07, सामुदायिक भवन —01, मुक्तिधाम —01,
मुख्यमंत्री कन्या विवाह —03, प्रधानमंत्री आवास —06, मुख्यमंत्री आवास —05, तालाब गहरीकरण —01,
कूपन (राशन) —07, श्रमिक कार्ड का पंजीयन —40, कुपोषित बच्चों का एनआरसी मे भर्ती —03,
राशन कार्ड बनवाया —05, शौचालय बनवाया — 44, बिजली उपलब्ध कराया — 05 परिवार मे,
वृद्धा पेंशन योजना से जोड़ा —01, एकल महिला पेंशन योजना से जोड़ा गया— 01,
विकलांग पेंशन योजना से जोड़ा गया —01 हितग्राही।

pqukfr;k vkj mls dls nj fd;k&

सड़क बनाने मे अवैध कब्जाधारियों का कब्जा हटाने मे पंच और सरपंच ने काफी समस्या का सामना किया है और बार बार कब्जाधारियों के पास जाना भी पड़ा है। इसके लिए पंच अकेली नही सरपंच और गांव के लोगों को भी अपने साथ लिया है जिससे अच्छा खासा समूह बन गया है अब पता चला की अकेले नही समूह से बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान किया जा सकता है ।

¼8½

uke – मुन्नी बाई
mez – 40
f'k{kk – नवसाक्षर
in – पंच
iapk;r – विलायतखुर्द
xkao – बिलायतखुर्द
Cykd – बड़वारा
eqn~nk – पंचायत के मनरेगा काम मे फर्जीवाड़ा ।

QthZokMs eas yxh jksd

कटनी जिला के बडवारा ब्लाक की पंचायत विलायतखुर्द की वार्ड क्रं. 1 की पंच मुन्नी बाई ट्रेनिंग प्रशिक्षणों के माध्यम से पंचायत के कामों में रूचि लगाव रखने वाली एक जागरूक महिला है । पंचायत की कोई भी समस्या को ग्राम पंचायत की बैठकों व ग्रामसभाओं के माध्यम से हल करवाती है । जब कोई मुददा पंचायत स्तर पर हल नहीं होता तो उसे महिला जागृति संगठन के माध्यम से ब्लाक व जिला मे अपनी समस्या को हल करवाने पहुॅच जाती है । मुन्नी बाई अपने साथ गॉव की पंच महिलाओं को लेकर कभी ऑगनबाडी माध्यन्ह भोजन व निर्माण कार्यो की हमेशा निगरानी करती है । एवं उन्हे उचित सुझाव देती रहती है । मुन्नी बाई की पंचायत में fnukad & 1 twu 2014 से लाल तालाब का गहरीकरण का कार्य चालू था, गरीबन 65&70 etnwj काम कर रहे थे एक माह काम चला मुन्नी बाई एवं पंच महिलाओं ने काम की निगरानी करने जाती थी, जब मुन्नी बाई एवं पंच महिलाओ को पता चला कि मेट द्वारा फर्जी हाजिरी भरी जा रही है । जो काम करने नहीं आता था उसकी हाजिरी भरी जा रही थी, मुन्नी बाई ने मस्टर रोल देखने के लिए मेट तन्नू लाल से मॉगी तो उसने कहा कि मैं मस्टर रोल नहीं दिखाऊंगा, मेरा क्या कर लोगी चली आई बडी निगरानी करने वाली मेरा क्या कर लेगा तुम्हारा संगठन व हंगर प्रोजेक्ट और मानव जीवन विकास समिति, महिलाओं के ऊपर अपमान जनक शब्द का प्रयोग पंचायत मेट द्वारा किया गया।

कुछ असहाय गरीब महिला काम कर रही थी उनको काम से निकाल दिया औ कहा कि मैं तुम्हें काम में नहीं लगाउॅगा । काम से निकलने वाली महिलाओं के नाम रामकली बाई, बेला बाई, ममता बाई, दुअसिया बाई, इतवरिया बाई मुन्नी बाई एवं कुसुम बाई सकुन्तला बाई पंच को उनके काम से निकालने का बडा दुख हुआ । मुन्नी बाई ने कहा कि ब्लाक लेवल बैठक में यह मुददा उठाउॅगी ब्लाक लेवल मिटिंग 23 twu 2014 को रखी गई जिसमें बैठक में चर्चा के दौरान मुन्नी बाई अपनी पंचायत के मेट का मुददा उठाया तब संगठन की अध्यक्ष कृश्णा सिंह कहा कि ठीक है यह मुददा सी0ई0ओ0 साहब तक पहुॅचायेंगे 23 जून को जनपद में नहीं किसी काम वस बाहर गये हुये थे कृष्णा सिंह ने कहा कि ठीक है अगले दिन देखेंगे । मुन्नी बाई कृश्णा सिंह ने 26 twu 2014 को सी0ई0ओ0 साहब के पास जाकर आवेदन लगाया और सी0ई0ओ0 साहब ने कहा कि ठीक है मैं इसकी जॉच करने जरूर जाउॅगा । सी0ई0ओ0 साहब 30 twu 2014 को विलायतखुर्द गये जब देखा कि मस्टर रोल उठाकर देखा तो उसमें फर्जी हाजिरी पाई गई सी0ई0ओ0 साहब ने सारे मस्टर रोल अपने हाथ में लिया और जनपद आ गये । मुन्नी बाई ने कहा कि इसकी जॉच सही तरीके से नहीं होगी तो मैं जिला कलेक्टर के पास जाऊॅगी । जनपद पंचायत सी0ई0ओ0 बड़वारा द्वारा मस्टर रोल की जांच ठीक ढ़ंग से किया गया जिसमे फर्जी हाजिरी पाये जाने पर पंचायत को निर्देशित किया गया कि आपके ऊपर कड़ी कार्यवाही की जायेगी क्योंकि आपने मनरेगा के काम मे बिना काम किये मजदूरों की हाजिरी भरी है और काम करने वालों को काम से भगा देते हो आप ऐसा क्यों किया है इसका मुझे लिखित जवाब चाहिए।

तब पंचायत ने जनपद पंचायत सी0ई0ओ0 बड़वारा को लिखित मे पंचनामा बनवाकर दिया कि आज से ऐसा कभी भी गलती नही करेंगे और मेट को काम मे नही रखेंगे क्योंकि मेट ने ही गलती किया है जिसका परिणाम हमें भुगतना पड़ रहा है। तब जनपद पंचायत सी0ई0ओ0 बड़वारा ने संतुष्ट होकर मुन्नी बाई को कहा कि अब ऐसी गलती नही होगी आप अपने मजदूरों को काम मे भेजो । अब मुन्नी बाई को विश्वास हुआ कि फर्जी हाजिरी नही भरी जायेगी और गांव के लोगों को काम भी मिलेगा। परिणाम यह रहा कि भ्रष्टाचार करने वाले को काम से निकाल दिया गया ईमानदारी से काम चलने लगा। यानि की भ्रष्टाचारी मे रोक लगी।

नाम – रामकली
पद – पंच वार्ड नं. 3
शिक्षा – साक्षर
उम्र – 31
वर्ग – एस. टी.
ग्राम पंचायत – बड़ेरा
ब्लॉक बड़वारा, जिला कटनी म.प्र.

?kj;y fglk l lj{kk

कटनी जिला मुख्यालय से 30 किलो मीटर दूरी पर ब्लॉक कार्यालय बडवारा से 5 किलोमीटर की दूरी पर ग्राम पंचायत बडेरा की पंच रामकली अपने परिवार के साथ रह रही है। इनकी आर्थिक स्थिति कमजोर होने से अपने परिवार के पालन पोषण मे लगातार लगी रहती है जिसके कारण पंचायत के कामों मे पूरा समय नही दे पा रही है। हलांकि रामकली अपने काम के साथ साथ पंचायत के प्रत्येक बैठक व अन्य कार्यक्रमों मे भागीदारी करती है और अपनी जवाबदेही को ईमानदारी से निभाती है। महिला हिंसा सुरक्षा व अन्य कई प्रकार के कामों को कर रही पंच रामकली के सामने एक घटना को उसके मुहल्ले के ही आदिवासी परिवार का एक सदस्य ने अंजाम दिया। पंच जागरूक होने के नाते वह अपने आप को हिंसा होने से बचाया और दूसरे को भी सुरक्षित व हिंसा मुक्त होने का परिचय दिया।

पंच राम कली ने बताया की 5 जून 2018 को अपने बच्चों के साथ घर मे अकेली थी उसके परिवार के अन्य सदस्य दूसरे गांव रिस्तेदारी मे हो रहे शादी विवाह कार्यक्रम मे गये हुए थे। रामकली के पति द्वारा अपने ही मुहल्ले के एक आदिवासी परिवार से साथ पुरानी घरेलु विवाद होना बताया जा रहा है जिसके चलते आये दिन लड़ाई झगड़े होते रहते थे लेकिन रामकली के परिजनों ने विवाद से अपने आप को दूर रखने की कोशिश मे थे। जब कभी भी विवाद होता था वह चुप रहती थी तब भी किसी न किसी बहाने से विवादित आदिवासी परिवार लड़ाई झगड़े करते ही रहता था।

यह की रामकली के परिवार का कोई भी सदस्य जब कभी अकेले रहता था उसी समय झगड़ा होना बताया जा रहा है। ऐसे ही जब 5 जून 2018 को रामकली के परिवार से पति व सास ससुर रिस्तेदारी मे शादी विवाह कार्यक्रम मे गये हुए थे। तभी आरोपी आदिवासी ने रामकली व उनके बच्चों को अकेले देख घर मे घुसने की कोशिश की, रामकली पंच को गाली गलौच करने लगा शाम का वक्त था आरोप है कि उस पुरूष की बदनियत कही गम्भीर न हो जाये जैसे ही रामकली की तरफ गाली देते हुए वह पहुंचा पंच के बच्चे व रामकली सभी ने जोर से चिल्लाया। पडोसियो को उसकी गाली देने की आवाज आई सभी लोग रामकली पंच के घर जाने से डरते थे क्योकि आरोपित व्यक्ति शराब पीने वाला था, रामकली पंच बहुत साहस के साथ उसे समझाने का प्रयास कर रही थी लेकिन उसने माना नही विवाद को देख पंच ने पड़ोसियों की मदद से गांव वालों और सरपंच को बुलाया मौके पर उपस्थित सभी सदस्यों ने आदिवासी को समझाया और आगे से विवाद न करने को भी कहा उसने सबकी बात मान ली यह की अब आगे से विवाद नही होगा।

समझाईस के कुछ दिनों के बाद फिर से विवाद पनपने लगा आखिर वह एक दिन फिर शराब के नसे आकर रामकली पंच से विवाद करने लगा यह बात पंचायत की बैठक मे भी पंच ने रखी और ग्रामसभा मे रखने को कहा, यह बात

आगे न बढ़े इसलिए यदा कदा अन्य तरीके से विवाद को रोका। 14 जून को अकेले देख रामकली को विवाद करते हुए मारने का प्रयास किया तब पंच से रहा नही गया पड़ोसियों की सहायता ली और गवाही देने को कहा सभी तैयार हुए तब सभी ने निर्णय लिया की अब पुलिस से ही इसमे सुधार हो सकता है इस लिए रामकली को कहा गया कि आप तो 100 नं. डायल कर पुलिस को सूचना दी की मेरे साथ मुहल्ले का ही पड़ोसी के द्वारा हिंसात्मक घटना हो रही है आप से सुरक्षा मिल सकती है । पुलिस को जैसे ही सूचना मिली वह मौके पर पहुंची और पंचनामा तैयार करते हुए आरोपित व्यक्ति को पुलिस थाना ले जाने का निर्णय लिया कठोर कार्यवाही करते हुए दण्डित करने का मामला कायम हुआ।

पुलिस ने गवाही लेने के बाद आरोपी को बड़वारा थाना ले गये और उस पर मामला दर्ज करते हुए कार्यवाही को आगे बढ़ाया। यह खबर पर आरोपी के परिवार सदस्यों ने अपने साथियों के साथ थाना पहुंचे और उसे थाने से छोड़ने को कहा बताया गया की आरोपी शराब के नसे मे रहता है इसी वजह से मानसिक रूप से अस्वस्थ होने के कारण वह इस प्रकार के कदम उठाया है आगे से इस प्रकार की गलती न करे उसे डर बन गया है अब आगे से इसे हम परिवार वाले समझाकर रखेंगे अगर आज से किसी भी व्यक्ति से विवाद करता है तो उसके भागीदारी हम होंगे। उसके लडके और परिवार सदस्य ने कहा आप बहुत अच्छा काम किये हो ऐसे व्यक्ति को जेल मे बंद होना ही चाहिए जैसा किया है उसे सजा मिलना चाहिये।

परिवार वालों के कहने पर पुलिस ने गवाही सबूत को साक्ष्य मानते हुए आरोपी को थाने से छोड़ दिया, इसलिए छोड़ा की उसे सीख मिल गई है अब वह किसी के साथ हिंसात्मक व्यवहार नही करेगा। अगर अब दुबारा थाने मे रिपोर्ट होता है तो पुलिस कानून के सहारे कार्यवाही करने को बाध्य होगा। अब पता चला है कि आरोपित आदिवासी शराब आदि का नशा नही करता है शान्त स्वभाव से अपने परिवार के साथ रह रहा है, परिवार का पालन पोषण कर रहा है लड़ाई झगड़े आदि विवाद से दूर रहता है। आदिवासी का परिवार भी सुखी सुखी रहने लगा गांव के अन्य व्यक्ति भी स्वतंत्र रूप से रह रहे है।

पंचायत की बैठको, कार्यक्रमों, अभियानो मे भागीदारी रहती है। जागृति पंचायत महिला जनप्रतिनिधि संगठन के साथ जुड़ाव होने के कारण अपनी व वार्ड की समस्या को पंचायत बैठको व संगठन की बैठक मे समस्या को रखती है जिससे संगठन के माध्यम से विभिन्न समस्याओं को विभाग वाईज पहुंचाकर समस्या को संगठन ठीक करता है।

o"k 2015 l vc rd e fuEu miyfC/k;k g &

मिनि आंगनवाड़ी केन्द्र खुलवाया – 1, कुपोषित बच्चों को एन.आर.सी. केन्द्र मे भर्ती कराया – 1, राशन कार्ड जारी कराये गये – 2, स्कूल मे बालिका शौचालय बनवाये गये – 1, स्कूल मे बच्चों का प्रवेश कराया गया – 1, हैण्डपम्प लगवाये गये – 1, हैण्डपम्प मरम्मत करवाये गये – 1, शौचालय निर्माण कराये गये – 33, शौचालय मरम्मत कराये गये – 3, आवास उपलब्ध कराये गये – 3, बिजली उपलब्ध कराये गये परिवार की संख्या – 5 परिवार मे, वृद्धा पेंशन योजना से जुड़वाया गया – 4, विधवा पेंशन योजना से जुड़वाया गया – 2, एकल महिला पेंशन योजना से जुड़वाया गया – 3, सड़क बनवाये गये – 3, महिला घरेलु हिंसा से सुरक्षा – 1

pukfr;k o pukfr;k dk dl nj fd;k &

यह की महिला होने के नाते पंच अपने आप को टिकाये रखना शुरूआत मे तो बड़ा कठिन समझा लेकिन अन्य महिला जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक व प्रशिक्षण से सीखकर वह अपने आप को टिकाये रखने मे सफलता प्राप्त की। महिला घरेलु हिंसा से गुजर रही पंच रामकली ने साहस के साथ काम किया और ग्रामवासी तथा संगठन की मदद् से हिंसा से सुरक्षा मिली।

¼10½

नाम – माया बाई
ग्राम पंचायत – कछारी
ब्लॉक बड़वारा, जिला कटनी म.प्र.
पद – पंच वार्ड क्रं. 4
वर्ग – अनु. जनजाति
उम्र – 36
शिक्षा – 5वीं

g.MiEi ejEer djkdj yxHkx 50 ifjokj e ikuh igpk;k

ग्राम पंचायत कछारी की पंच माया बाई अपने परिवार मे बच्चे व पति के साथ रह रही है आर्थिक स्थिति ठीक नही होने से अधिकतर अपने पति के साथ खेतीबाड़ी के काम लगी रहती है जिससे खेतीबाड़ी व सब्जी उगाकर अपने परिवार का पालन पोषण कर रही है। इसके बावजूद भी पंचायत के कामों मे भी ध्यान देती है। पंचायत की बैठक व संगठन की बैठको तथा ग्रामसभा मे भागीदारी कर रही है। अपने वार्ड की समस्याओं को पंचायत बैठक व ग्रामसभा मे रखती है और जरूरत पड़ने पर जागृति पंचायत महिला जनप्रतिनिधि संगठन की बैठक मे भी रखती है। यह की समस्याओं को समय समय पर सुलझाती रहती है। कछारी के वार्ड क्रं. 4 मे लगा हैण्डपम्प जिसमे लगभग 50 परिवार के 200 लोगों की प्यास बुझाता था वह मई के महीने मे गर्मी का समय था तपती धूप जब पानी की ज्यादा जरूरत होती है उसी समय हैण्डपम्प का बिगड़ना बड़ा ही परेशान कर दिया। पंच माया बाई के बार बार कहने पर सरपंच व सचिव द्वारा किसी भी प्रकार से कार्यवाही नही की गई। वार्ड क्रं. 4 के 50 परिवार वार्ड मे पानी की सुविधा नही मिलने से यहां वहां दूर दराज से पानी घर मे लाते थे तब कही पानी मिल पाता था। दूसरे हैण्डपम्पों मे भी तादाद से ज्यादा लोग पानी लेने जाने से भारी भीड़ जमा होने से पानी के इन्तजार मे लोग मजदूरी पर नही जा पाते थे। जिससे लोगों मे पानी के साथ साथ साथ कई प्रकार की समस्या का सामना करना पड़ रहा है । माया बाई पंच से ठाना की अब तो इसे ठीक करना ही चाहिए इसके लिए मई–जून माह की पंचायत की बैठक मे माया बाई पंच ने प्रस्ताव तो रखा लेकिन कार्यवाही जहां की तहां रह गई इसके लिए पंच संगठन की ब्लॉक स्तरीय बैठक 11 जून को बड़वारा मे हुई उसमे रखा तब संगठन द्वारा लेटर हैड मे विभाग को दिया जिससे लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग द्वारा मौके पर पहुंचकर हैण्डपम्प को देखा गया व जानकारी ली गई कब से बिगड़ा पड़ा है हैण्डपम्प जिसमे लोगों द्वारा बताया गया की मई महीने से बिगड़ा है पंचायत द्वारा सुधार नही कराया गया जिसमे पंच माया बाई ने अपने संगठन की मदद से समस्या हल कराने पहल किया है।

पंच माया बाई ने बताया की वार्ड मे पूर्वजो के जमाने का एक कुंआ है उसमे भी गर्मी के दिनों मे पानी सूख जाता है वैसे ही लोग परेशानी का सामना पहले से ही करते आ रहे है किसी प्रकार से हैण्डपम्प लगा उसमे भी पंचायत ध्यान नही दे रही है। लोगों ने बताया की इसे सुधरवाने के लिए कई दिनों का इंतजार करना पड़ता है इसमे पंचायत का सहयोग नही मिलता इसके लिए माया बाई पंच जागृति पंचायत महिला जनप्रतिनिधि संगठन के सहयोग से ठीक कराया। पीएचई विभाग द्वारा संगठन की शिकायत के बाद हैण्डपम्प की मरम्मत की गई । इससे 50 परिवार के 200 लोगो को हैण्डपम्प से पानी मिला तब लोगो को खुशी हुई कि हमारे वार्ड की पंच के कारण हमे पानी मिलने लगा जहा लोगो मे पानी के लिए घंटो खडे रहना पडता था वह आसानी से उन्हे पानी मिलने लगा। इस कार्य मे माया बाई पंच व साथी महिला पंचो का सहयोग रहा है। अभी तक के कार्यक्रमों व प्रशिक्षणों मे भागीदारी :– स्टेण्डिंग कमेटी ट्रेनिंग, आवश्यकता आधारित तकनीकि कार्यशाला, फेडरेशन मीटिंग ब्लॉक स्तरीय, फेडरेशन कोरग्रुप मीटिंग, ब्लॉक स्तरीय अधिकारियें के साथ संवाद बैठक, पंचायत बैठक आदि कार्यक्रमों से जुड़ाव रहा है ।

o"k 2015 l vc rd e fuEu miyfC/k;k g &

कुपोषित बच्चों को एन.आर.सी. केन्द्र मे भर्ती कराया – 1, राशन कार्ड जारी कराये गये – 3, स्कूल मे बालिका शौचालय बनवाये गये – 3, स्कूल मे बच्चों का प्रवेश कराया गया – 10, हैण्डपम्प मरम्मत करवाये गये – 3, शौचालय निर्माण कराये गये – 51, शौचालय मरम्मत कराये गये – 5, आवास उपलब्ध कराये गये – 9, बिजली उपलब्ध कराये गये परिवार की संख्या – 4, वृद्धा पेंशन योजना से जुड़वाया गया – 2, विकलांग पेंशन योजना से जुड़वाया गया – 1, एकल महिला पेंशन योजना से जुड़वाया गया – 1, सड़क बनवाये गये – 5

नाम – सुमन बाई
पद – सरपंच
वर्ग – आदिवासी
शिक्षा – पांचवी
उम्र – 35
ग्राम पंचायत – नन्हवारा सेझा
ब्लॉक बड़वारा, जिला कटनी (म0प्र0)

cky fookg jkdu l|eu dk lQy i|;kl

ग्राम पंचायत नन्हवारा सेझा की सरपंच सुमन बाई ने बताया कि पंचायत के काम के अलावा भी मैने गांव के लोगों के साथ अच्छा रिस्ता बनाया हुआ है चूंकि गांव के अन्य कामों जैसे लोगों को विवाद आदि से दूर रखना, समाज हित के काम करना, लोगों को रोजगार से जोड़ना, सरकार की विभिन्न हितग्राही मूलक योजना का लाभ दिलाना आदि कामों पर ध्यान रखती है। अप्रैल मई के महीने मे शादी विवाह का मुहूर्त ज्यादा रहता है हर व्यक्ति व माता पिता की सोच रहती है कि मेरी बेटी का विवाह अच्छे खाता पीता घर मे हो जाये लेकिन कही न कही गलती कर बैठते है जैसे बच्चों पढ़ाई न करवाना, अच्छे संस्कार न दे पाना, या फिर लड़की की जल्दी शादी कर देना लेकिन इन थोड़ी से माता पिता की गलती का परिणाम लड़कियो को जिन्दगी भर भुगतना पड़ रहा है ऐसा ही कही नन्हवारा सेझा मे देखने को मिला है।

सरपंच सुमन बाई ने बताया की गांव के ही एक आदिवासी परिवार ने बाल विवाह को अंजाम दिया यह की ये जानकारी गांव के लोगों के द्वारा मिली की लोग लालच मे आकर क्या कर बैठते है उसका अंदाजा लगाना बहुत ही कठिन है ऐसा ही देखने मे आया की एक आदिवासी परिवार जिसकी लड़की महज 14 वर्ष की थी उसका विवाह करने तैयार थे यह की उन्हे अच्छे परिवार का रिस्ता मिल रहा है जिससे बेटी को घर मे सारी सुख सुविधा मिल जाये हमे यह नही देखना की बेटी विवाह योग्य हुई है या नही । रिस्ते की बात फाईनल हो गई थी अब कुछ ही दिनो मे बारात आदि की कार्ययोजना बन रही थी जैसे ही सरपंच सुमन को इस बात का पता चला तब सुमन ने उसका विरोध किया और विवाह कर रहे आदिवासी परिवार के घर जाकर समझाया बताया की लड़की आपकी अभी 14 वर्ष की हुई है अभी आपको विवाह नही करनी चाहिए लड़की भी सरपंच से बोली की मुझे अभी पढ़ाई करनी है शादी नही करनी है माता पिता ने जबरदस्ती मेरी शादी कर रहे है फिर मै नही पढ़ पाऊंगी और अपने होने वाले परिवार को भी आगे नही पढ़ा पाऊंगी लेकिन माता पिता मानने को तैयार नही हो रहे थे वे कह रहे थे बेटी आपके लिए तो अच्छा रिस्ता मिल रहा है आपको जिंदगी भर सुख सुविधाये मिलेंगी फिर क्यूं परेशान हो रही है।

मई के महीने मे विवाह होना था तब सरपंच के मना करने से व गांव के लोगों के मना करने से शादी रूक न पाती तब कहीं सरपंच को महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी को टेलीफोनिक सूचना दी की मेरे गांव मे बाल विवाह हो रहा है मेरे और गांव वालों के कहने से बाल विवाह रूक नही पा रहा है इसलिए आपके सहयोग से रोका जा सकता है। 10 मई को परियोजना अधिकारी अपने साथियों के साथ नन्हवारासेझा पहुंची टीम ने पूछताछ किया तब कही पुख्ता जानकारी मिली इसे रोकने माता पिता को समझाईस दी गई और पंचनामा तैयार किया गया बताया गया कि आप यदि अपनी लड़की का विवाह 18 वर्ष पूर्ण होने के बाद ही कर सकते हो अन्यथा कानून के दायरे मे फंस सकते हो आपके ऊपर कार्यवाही भी की जायेगी। लड़की के पिता को कुछ नही सूझा वह पूरी तैयारी मे लगा ही था शादी की तारीख भी तय कर लिया वह इसलिए यह काम कर रहा था की किसी को पता नही चले और लड़की का विवाह हो जायेगा लेकिन ये बाते कहां रूकने वाली है मुहल्ले व समाज के लोगों ने सरपंच से बता ही दिया की शादी तो हो रही है आप क्या कर रहे हो। अब सरपंच ने पुलिस से बातचीत किया अमौर पुलिस को भी सूचना देकर बुलवाई जिससे गांव मे पहुंचकर पुलिस ने लड़की के माता पिता से बातचीत किया और कानूनी कार्यवाही करने को

कहा बताया की आप जेल मे बंद हो जाओगे अगर लड़की की शादी 14 वर्ष मे किये तो वह अभी 4 साल शादी करने योग्य नही है उसे राकना ही पड़ेगा। आखिरी मे लड़की के माता पिता को मानना पड़ा अब वह शादी को रोका।

सरपंच को गांव के लोग लाख धन्यवाद् दिया और कहा की आपके प्रयास को हम प्रणाम करते है गांव मे अब ऐसा कभी न हो हम सभी का प्रयास आपके साथ। 1 लड़की का बाल विवाह रोकने से गांव के 4 अन्य बाल विवाह भी रूके है। यह की जब पुलिस व महिला बाल विकास की परियोजना अधिकारी गांव मे आयी हुई थी तब गांव के अन्य सुर्खियों से मिली जानकारी के मुताविक गांव के अन्य परिवार से 4 बाल विवाह होने ही वाले थे उस परिवार से भी अधिकारियों ने मिला और मिली जानकारी के अनुसार बातचीत भी किया की आपने अपनी लड़की का विवाह करना चाहते है लेकिन लड़की विवाह करने योग्य नही है आपको पता होगा की सरकारी कानून के अनुसार आपको जेल व जुर्माना दोनों की सजा होगी आखिरकार उन परिवारों को भी मानना पड़ा और आगे कार्यवाही से बच पाये। संगठन के पैरवी के मुद्दे पर भूमिका की बात करें तो संगठन के साथ लगातार जुड़ाव रखती है ब्लॉक स्तरीय बैठक मे अपने मुद्दे उठाने के साथ साथ अधिकारियों के पास जाकर समस्याओं के ज्ञापन व आवेदन देने समस्या का समाधान करने बातचीत भी कर रही है। संगठन की ब्लॉक स्तरीय बैठक मे चिन्हित समस्याओं को विभाग वाईज चिन्हित कर विभाग को देने मे व उनसे बातचीत करने मे सरपंच सुमन आगे आती है। पंचातय स्तर पर समस्याओं का समाधान न होने पर ब्लॉक मे अपनी समस्या को रखती है और ब्लॉक से जिले मे भी समस्या को रख रही है। अब अधिकारी से बातचीत करने मे झिझक नही रही।

कुपोषण अभियान व सुरक्षित पंचायत अभियान मे भी जुड़ाव बना रहा है यह सुरक्षित पंचायत अभियान मे ब्लॉक की अन्य दूसरी पंचायतों मे भ जाकर अपने अनुभव का उपयोग किय है। सुरक्षित पंचायत अभियान की थीम को अच्छी तरह समझ पायी है और पंचायत को लगातार सुरक्षित बनाने मे आगे आयी है। सुरक्षित पंचातय के मुद्दे पर ग्रामसभा मे प्रस्ताव को प्राथमिकता से जुड़ाया है जैसे की गांव के तिराहे चौराहे पर स्ट्रीट लाईट लगवाने, अवैध शराब बिक्री पर रोक, नशीली मादक पदार्थो का सेवन पर प्रतिबंध लगाते हुए ग्रामसभा मे प्रस्ताव भी प्रस्तावित कराया है। अपने पंचायत मे कुपोषित बच्चों को चिन्हित कराकर उसे पोषित बनाने मे भूमिका निभा रही है जिसमे अभी तक 5 बच्चों को कुपोषण से मुक्त कराया है।

miyfC/k;k dh ckr dj rk 2015 l vc rd e fuEu miyfC/k;k dk vtke fn;k g &

मिनि आंगनवाड़ी केन्द्र खुलवाया – 1, कुपोषित बच्चों को एन.आर.सी. केन्द्र मे भर्ती कराया – 5, राशन कार्ड जारी कराये गये – 25, स्कूल मे बालिका शौचालय बनवाये गये – 5, स्कूल मे बच्चों का प्रवेश कराया गया – 34, हैण्डपम्प लगवाये गये – 3, हैण्डपम्प मरम्मत करवाये गये – 4, शौचालय निर्माण कराये गये – 109, शौचालय मरम्मत कराये गये – 26, आवास उपलब्ध कराये गये – 26, बिजली उपलब्ध कराये गये परिवार की संख्या – 9, वृद्धा पेंशन योजना से जुड़वाया गया – 10, विधवा पेंशन योजना से जुड़वाया गया – 3, एकल महिला पेंशन योजना से जुड़वाया गया – 4, घरेलु हिंसा से सुरक्षा – 2, सड़क बनवाये गये – 16 अभी सरपंच राधा बाई ने लगभग 9628000 रूपये राशि का काम कराया है। यह राशि सड़क, शौचालय, हैण्डपम्प, आवास आदि कार्य मे उपयोग की गई है।

pukfr;k o pukfr;k dk dl nj fd;k &

महिला घरेलु हिंसा रोकने पिछले दिनों मे काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा है, गांव मे शराब पीकर पुरूष सामने आ जाते थे लड़ाई करने के लिए इसमे गांव के सहयोग करने वाले पुरूष व महिला पंचों के साथ मिलकर सामना किया है जहां जरूरत पड़ी है पुलिस की भी मदद ली गई है।

vHkh rd d dk;Øek o if'k{k.kk e Hkkxhnkjh %& आवश्यकता आधारित कार्यशाला (तकनीकी कार्यशाला), फेडरेशन मीटिंग ब्लॉक स्तरीय, फेडरेशन कोरग्रुप मीटिंग, ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के साथ संवाद बैठक, पंचायत बैठक आदि कार्यक्रमों से जुड़ाव रहा है । कार्यक्रमों मे सक्रिय भागीदारी कर सीख का उपयोग कर अपने काम को अंजाम दिया है।

नाम – संजो बाई

पद – पंच , वार्ड क्रं. – 2

जाति – अनुसूचित जनजाति, उम्र – 38 वर्ष

शिक्षा – 5वीं

ग्राम पंचायत – बड़ागांव , ब्लॉक बड़वारा, जिला कटनी (म0प्र0)

vo/k 'kjkc n|dku c|n djk;k

ग्राम पंचायत बड़ागांव की पंच संजो बाई अपने परिवार के साथ अपने घर पर रह रही है पति मजदूरी कर अपने परिवार का पालन पोषण कर रहे है, बच्चे पढ़ाई कर रहे है, संजो बाई पंच है पंचातय के कामों के साथ साथ खेतीबाड़ी के कामों के हाथ बटाती है। पंच का परिवार सामान्य स्थिति का है, इस परिवार से कोई भी सदस्य राजनीति मे पहले से नही था पंच पद आरक्षित होने के कारण वार्ड वासियों ने पंच हेतु संजो बाई को चुना। यह पूर्व से ही जुझारू व लोगों के लिए काम करने वाली महिला थी मुहल्ले व गांव मे अच्छे स्वभाव से परिचय मिलता है।

यह की गांव मे कुछ लोगों की प्रवृत्ति ही होती है शराब आदि का नशा करने को जिसके कारण से अपनी एक पहचान अलग ही दिखाई देती है ऐसे मे लोगों का गुजर बसर करना बड़ा मुश्किल हो जाता है। इसी का फायदा उठाने के लिए लोग अपने व्यवसाय को अतिरिक्त आय अर्जित करने के लिए इसे बढ़ावा भी देता है ऐसा ही कुछ समझ मे आया जिससे की एक आदिवासी मोती लाल ने शराब बेचना अच्छा व्यवसाय माना और गांव मे ही अपने घर पर अवैध शराब बेचकर अपने परिवार का पालन पोषण करने लगा। गांव मे ही शराब बेंची जाने से लोगों का अनावश्यक खर्च बढ़ गया यह कि मजदूरी करने वाले अधिकांश लोग अपनी आय का अधिकांश भाग शराब की लत मे खर्च करे लगे। घर परिवार के सदस्य शराब पीने वाले से परेशान होने लगे इससे गांव मे उत्पाद अधिक होने लगा और अशांति का माहौल फैल गया।

इस गंभीर अशान्ति को रोकने के लिए पंच संजो बाई ने मन ही मन सोंचा और अपने साथी सरपंच, उपसरपंच, पंच बहनो से कहा की अपने गांव मे अवैध शराब की दुकान को बंद करना चाहिए इसमे पुरूष लोग आगे तो आ नही रहे है अब हमे महिलाओं का समूह तैयार करना ही पड़ेगा जिससे पंच संजो की बातो पर सभी अपने पंचायत के महिला साथियों को तैयार करते हुए पंचायत बैठक मे अपनी बात को रखा और अपने गांव से शराब दुकान को बंद करने की बात कही गई।

ekg vi|y की पंचायत बैठक मे पंचायत ने प्रस्ताव तो लिखा लेकिन कार्यवाही नही होने से ग्रामवासी परेशान थे दिन तो गुजर जाता था रात मे कही ज्यादा ही परेशानी होती थी महिलाए, बालिकाये घर से बाहर नही निकल पाती

थी क्योंकि गांव के तिराहे चौराहे पर पुरूषों का जमावड़ा देख महिलाऐ घबरा जाती थी कही हमार साथ हिंसा तो नही जाये इससे बचने के लिए वह चुप रहती थी ।

16 अप्रैल को अवैध शराब दुकान के पास काफी देर रात तक लड़ाई झगड़े का माहौल बना रहा जिससे ग्रामवासी को घर से निकला मुश्किल हो गया। अब महिलाए अपने अपने घर के बाहर निकलकर आपस मे तय किया की अब तो अति हो रहा है हमे सब मिलकर इस विवाद को ठीक करने के लिए सबसे पहले शराब दुकान को ही बंद करना होगा। पंचायत द्वारा एक्शन नही लेने पर महिलाओं ने 100 नं. डायल कर पुलिस को बुलाया रात्रि 10 बजे पुलिस के पहुंचने के बाद माहौल को शांत किया गया। पुलिस आने के आवाज सुनकर सभी शराबियों मे अफरा तफरी मच गई भयभीत शराबियों ने वहां से भाग खड़ा हुए वहां पर अवैध रूप से बेंच रहे शराब दुकानदार ही बचा जिससे पूंछताछ करते हुए दुकान से 10 पाव शराब भी जब्त की गई और कार्यवाही करते हुए बड़वारा थाने ले गये। थाने मे पहुंचकर पूंछताछ मे पता चला की गांव मे लगभग 15 से 20 लोग रोजाना शराब उसकी दुकान से खरीदते है इसलिए वह सरकारी शराब दुकान से कामीशन मे अपने गांव मे शराब बेंचना शुरू किया था।

थाने से दूसरे दिन उसके परिवार वालों ने पहुंचकर जमानत लेकर थाने से छुड़वा लिया वहां से उसको सीख मिल गई की मुझे ठीक ही पंच सरपंच गांव मे शराब बेंचने से मना कर रहे थे यदि मैने शराब नही बेंचता तो यह जो आज मै भुगत रहा हूं यह समय देखने को नही मिलता और गांव मे जो मेरे शराब बेंचने से माहौल बना है वह भी कही अच्छा ही होता, इसलिए अब आगे से हमे शराब नही बेंचना है।

ebl eghu की ग्राम पंचायत की मासिक बैठक मे भी प्रस्ताव रखा गया की यदि गांव मे किसी भी प्रकार से नशीली वस्तुओं का क्रय विक्रय करता है तो शासन की सभी योजनाओं से वंचित रखा जायेगा और जुर्माने से भी दण्डित किया जायेगा। इस प्रकार से अब गांव शराब बेंचना आदिवासी बंद किया अब उससे प्रभावित हो रहे 15 से 20 परिवार जिसके यहां से रोजाना शराब पीकर घर परिवार वालों को परेशान करते थे और अनावश्यक खर्च होने से परिवार मे जो अशांति का माहौल था अब ठीक ठाक स्थिति से परिवार रहने लगा है।

vHkh rd d dk;Øek o if'k{k.kk e Hkkxhnkjh %& LVf.Mx deVh Vfux] QMj'ku ehfVx Cykd Lrjh;] QMj'ku dkjxi ehfVx] Cykd Lrjh; vf/kdkfj;k d lkFk lokn cBd] ipk;r cBd vkfn dk;Øek l tMko jgk g A

2015 l vc rd e fuEu miyfC/k;k dk vtke fn;k g &

कुपोषित बच्चों को एन.आर.सी. केन्द्र मे भर्ती कराया – 1, राशन कार्ड जारी कराये गये – 1, स्कूल मे बच्चों का प्रवेश कराया गया – 8, हैण्डपम्प मरम्मत करवाये गये – 1, शौचालय निर्माण कराये गये – 30, आवास उपलब्ध कराये गये – 2, बिजली उपलब्ध कराये गये परिवार की संख्या – 1, वृद्धा पेंशन योजना से जुड़वाया गया – 2, विधवा पेंशन योजना से जुड़वाया गया – 1, सड़क बनवाये गये – 2

uke & noorh xkLokeh

in & ljiap

me & 38 o"k

xke ipk;r & fctkjh

ब्लॉक – बड़वारा, जिला कटनी

ipk;r dk;ky; jkt [kyu yxk

ग्राम पंचायत बिजौरी, ब्लॉक बड़वारा, जिला कटनी म.प्र. है। fctkjh dh ljip Jherh noorh xkLokeh है, सरपंच यही उम्मीद को लेकर सरपंच पद के लिए चुनाव मे खड़ी हुई थी कि मुझे पंचायत का विकास काम करना है एवं पंचायत मे फैली अव्यवस्था को ठीक करना है । पंचायत मे भी कार्यालय होता लोग अपनी समस्या को लेकर वहां पहुंच सकते है। इसी उद्वेश्य को लेकर वह अपनी पंचायत में अच्छा काम कर रही है।हलांकि देववती का परिवार पहले से ही राजनीतिक रहा है। देववती के ससुर राजनीति करने मे माहिर थे। पति शिक्षक है उन्हे राजनीति का मौका नही मिला लेकिन देववती को लगा की ससुर (बाबू जी) के न रहने पर मै भी इसी प्रकार से काम करूंगी। जिससे परिवार राजनीति से खाली नही रहे।

पंचायत के काम काज एवं व्यवस्था के बारे मे पता नही था। पंचायत चुनाव जीतने के बाद से ही अच्छे सलाहकार की खोज मे लगी हुई थी । बड़वारा मे आयोजित महिला सम्मेलन से ओत प्रोत होकर वह बात ध्यान मे रखी रह गई उसे लगा की इस प्रकार से यदि कोई कार्यशाला आयोजित होती है तो मै जरूर जाऊंगी। संस्था द्वारा आयोजित महला नेतृत्व कार्यशाला मे देववती सरपंच व महिला पंचों ने भाग लिया जिसमे देववती की समझ विकसित हुई और मिली जानकारी के मुताविक तथा कार्यशाला मे मिली पुस्तक के अध्ययन पर जानकारी सरपंच की बढ़ी तो काम करना शुरू कर दिया है। पंचायत के कामों मे रूचि रखने वाली सरपंच देववती जब भी पंचायत जाती थी उसे वहां की व्यवस्था समझ मे मे नही आ रही थी। ipk;r dk;ky; इसके पूर्व कभी नही खुलता था सिर्फ पंचायत ग्रामसभा के दिन कार्यालय खुलता था। देववती के विचार मे था कि कार्यालय रोज खुलना चाहिए, lfpo Jh vk'kk jke lkg ,o jktxkj lgk;d Jh ghjk yky lkg से बोला की आप कार्यालय रोज खोला करो लेकिन कार्यालय नही खुला। सरपंच ने जाकर देखा तो पंचायत कार्यालय अव्यवस्थित था। सरपंच पंचायत की मासिक बैठक मे प्रस्ताव रखा की सबसे पहले पंचायत को ठीक कराया जाये जिसमे पंचायत भवन की मरम्मत एवं बिजली की व्यवस्था कराई जाये।

वह अपनी पंचायत में प्रतिदिन जाकर बैठने का फैसला लिया जो पंचायत केवल ग्राम सभा के लिये खुलती थी। ग्राम पंचायत भवन की स्थिति जर्जर अवस्था मे थी, लाईट फिटिंग भी नहीं थी जिसके कारण सहायक सचिव हीरा लाल साहू कम्प्यूटर अपने घर में लगाकर रखा था और घर पर ही सारा काम करता था। जिसके कारण गॉव वालों को बहुत परेशानी होती थी क्योंकि उसके घर कोई जाता था तो उसकी मॉ बहुत चिल्लाती थी, इस बात से बहुत सारे लोगों ने सरपंच को बताया तो सरपंच ने पंचायत को ठीक करने एवं लाईट फिटिंग कराने का निर्णय लिया अब मैं स्वयं ग्राम पंचायत में जाकर बैठूॅगी और सचिव एवं सहायक सचिव भी वहॉ बैठेंगे समय पर काम करेंगे और योजनाओं की जानकारी भी सभी लोगों को दी जायेगी । जिससे सभी लोगों को सुविधा होगी पंचायत भवन में ही पंचायत के सारे कामों का निपटारा किया जायेगा। जब से पंचायत भवन खलने लगा एवं ljip Jherh noorh xkLokeh] lfpo Jh vk'kk jke lkg o jktxkj lgk;d Jh ghjk yky lkg cBdj काम करने लगे तभी से गांव का विकास दिखने लगा है। लोग अपनी समस्या को लेकर पंचायत मे जाते है समस्या का समाधान भी होता है। अगस्त माह से दिसम्बर माह मे निम्न काम सरपंच की अगुवाई मे कराया गया।

'kkpky; 50 cuok; x;] i'ku ;ktuk e 10 ykxk d uke tMok;] diu [kk|kUu iph 200 ykxk d cuk; x;] efDr/kke 1 cuk;k x;k] lh-lh- jkM 4 ekgYy e cuk;k x;kA

¼14½

नाम – भुडुकिया बाई

पद – पंच वार्ड क्रं. 10

वर्ग – अनु. जनजाति

उम्र – 51 वर्ष

शिक्षा – अनपढ़

ग्राम पंचातय – खरहटा

ब्लॉक बड़वारा, जिला कटनी म.प्र.

d|ikf'kr cPpk dk ,u-vkj-lh- dUn e Hkrh djk;k

ग्राम पंचायत खरहटा की पंच भुडुकिया बाई अपने परिवार के साथ अपने घर पर रह रही है पति मजदूरी कर अपने परिवार का पालन पोषण कर रहे है, पंचायत के कामों के साथ साथ खेतीबाड़ी के कामों के हाथ बटाती है। पंच का परिवार सामान्य स्थिति का है, इस परिवार से कोई भी सदस्य राजनीति मे पहले से नही था पंच पद आरक्षित होने के कारण वार्ड वासियों ने पंच चुना।

पंच आंगनवाड़ी, स्कूल, स्वास्थ्य केन्द्र, पंचायत आदि के काम मे निगरानी करती है। आंगनवाड़ी मे निगरानी करने गई भुडुकिया बाई पंच ने बताया की वार्ड के लोगों ने बताया की आंगनवाड़ी सुविधाओं का लाभ गांव के लोगों को नही मिल पा रही है इसी परिपेक्ष्य मे पंच ने आंगनवाड़ी पहुंच कर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व बच्चों से संवाद किया। अक्सर ग्रामीण क्षेत्र मे देखा जाये तो अभी भी पुरानी परम्परा पर चलने वाले काभी लोग देखने मे आ रहे है। मुहल्ले मे घूमते हुए बच्चों मे कुपोषण का लक्षण समझ आया जिससे उनके माता पिता वही बताते थे कि हमारा बच्चा एकदम ठीक ठाक है इनके पिता व दादा तथा कुल परिवार ही कमजोर होता है उसके लिए क्या करना है डाक्टर दवाई करता हे ठीक ही नही होता है बच्चा इसे तो भगवान ने ऐसा ही बनाया है ।

यह की बच्चा ठीक हो जाये कुपोषित न रहे इसके लिए माता पिता का ध्यान आकर्षक कराना चाहा भुडुकिया बाई पंच ने लेकिन समझाईस के बाद भी इन्होने मानने को तैयार नही हुआ जिससे बच्चा दिनो गंभीर कुपोषण का शिकार होता गया परिवार मे समस्या और बढ़ती गई। यह बात पंचायत की बैठक व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से भी बताया गया।

15 मई को निगरानी करने कई भुडुकिया बाई पंच ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अनुराधा सोनी से चर्चा की इस दौरान निकल कर आया कि जिस बच्चे की आप बात करते है उसे व बच्चे के माता पिता से कई बार बच्चे के कुपोषण होने की सूचना दी लेकिन माता पिता पोषण पुनर्वास केन्द्र मे भर्ती कराने तैयार नही है इसके पहले एक बार हमारे प्रयास से भर्ती कराया था लेकिन बच्चा को माता पिता ने केन्द्र मे नही ले गया इसके चलते कुपोषण बढ़ते जा रहा है।

12 जून को पंच ने निगरानी करने गई तब भी वही स्थिति कार्यकर्ता ने बताया तब पंच ने कुपोषित बच्चों के माता पिता से सम्पर्क कर उन्हे बुलाया और बच्चे का वजन भी कराया जिससे बच्चा कम वजन का था उसे एनआर.सी केन्द्र मे भर्ती कराने को कहा गया लेकिन परिजन तैयार नही थे इसके लिए कई सारी जानकारी बताई गई और भर्ती नही करने पर आपको कई सारी सरकार की योजनाओं से वंचित कर दिया जायेगा इस पर आपकी स्वयं की जवाबदारी होगी। आप जो भी पंचायत के काम कर रहे है उसकी मजदूरी रोक दी जायेगी, आपकी थोड़ी सी

समझदारी बच्चे की जान बचा सकती है इसके लिए आपको तैयार होना पड़ेगा। यह बात सुनकर कुपोषित बच्चा तनु कोरी के माता पिता बच्चे को एनआरसी केन्द्र मे भर्ती कराने तैयार हो गये।

कुपोषित बच्चा तनु कोरी उम्र 5 वर्ष की माता रश्मि ने एनआरसी केन्द्र मे बच्चे को ले जाकर 18 जून को भर्ती कराया जिससे बच्चा सुपोषित होकर स्वस्थ हो गया। तनु की माता को पोषण पुनर्वास केन्द्र से छुट्टी के बाद 2400 रूपये भत्ते के रूप मे मिला जिससे रश्मि बहुत ही खुश हुई और पूरा परिवार खुश हुआ। यह की कुपोषित बच्चे के दवाई आदि मे खर्च हो रहे अनावश्यक पैसा जो लगभग प्रत्येक महीने 200 रूपये, 400 रूपये लगता था जो की वार्षिक आमदनी का लगभग 3000 रूपये, 4000 रूपये फालतु खर्च होता था और परिवार भी परेशान रहता था बच्चे को यदा कदा दवाई के लिए भटकता रहता था वह स्वयं भी परेशान रहते थे अब वह भी समस्या दूर हो गई। इससे परिवार पर पड़ने वाला असर काफी असरदार सिद्ध होगा इससे आमदनी मे बढ़ोत्तरी होगा।

आगे यह की यह काम भी गांव के लिए उदाहरण सिद्ध हुआ इसकी सीख से एक और परिवार का बच्चा काफी लम्बे दिनों से कुपोषण का शिकार था वह परिवार भी एनआरसी केन्द्र मे भर्ती नही करा रहे थे लेकिन जब तनु कोरी को देखा तो वह भी तैयार हो गये कमलेश उम्र 4 वर्ष के पिता ज्ञानू नामदेव को समझ आया की हमे भी अपने बच्चे को भर्ती कराना चाहिए जिससे पंच भुडुकिया बाई ने इस बच्चे को भी केन्द्र मे भर्ती कराया। अब दोनों परिवार के बच्चे स्वस्थ है।

अभी तक के कार्यक्रमों व प्रशिक्षणों मे भागीदारी :–

LVf.Mx deVh Vfux] QMj’ku ehfVx Cykd Lrjh;] QMj’ku dkjxi ehfVx] vko’;drk vk/kkfjr rduhfd dk;’kkyk] पंचायत बैठक आदि कार्यक्रमों से जुड़ाव रहा है।

o"k 2015 l vc rd e fuEu miyfC/k;k g &

कुपोषित बच्चों को एन.आर.सी. केन्द्र मे भर्ती कराया – 1, स्कूल मे बच्चों का प्रवेश कराया गया – 3,

हैण्डपम्प लगवाये गये – 1, शौचालय निर्माण कराये गये – 55, बिजली उपलब्ध कराये गये परिवार की संख्या – 3, सड़क बनवाये गये – 3, नल जल योजना के नल कनेक्शन करवाया – 2

pukfr;k o pukfr;k dk dl nj fd;k &

कुपोषित बच्चा के माता पिता पोषण पुनर्वास केन्द्र अस्पताल मे बच्चा को भर्ती कराने मे डरते थे की बच्चा कहीं और बीमार न हो जाये, या फिर वहां उसके साथ कौन रहेगा, खाने पीने की व्यवस्था कौन करेगा। यदि बच्चे के साथ अस्पताल मे कोई रूक भी जाता है तो हमारी मजदूरी से होने वाली आय रूक जायेगी और घर मे कमाने वाला सिर्फ मै ही अकेला रहूंगा बहुत सारी समस्या सामने आ रही थी जिसके कारण बच्चा कुपोषित ही रहा आता। इसके लिए पंच ने परिवार वालो से समन्वय बनाया और बच्चे को एनआरसी केन्द्र मे भर्ती कराया।

(15)

uke & Jherh exh ckbZ
in & mitjiap
xzke iapk;r & uUgokjk l>k
ब्लॉक – बड़वारा, जिला कटनी

jk'ku dh nqdku dk Bhd djk;k efgyk tuizfrfuf/k;ksa us

जिला मुख्यालय कटनी से 40 किमी. दूर ब्लाक कार्यालय से 15 कि.मी. दूर ग्राम पंचायत *uUgokjk l>k* की *mitjiap exh ckbZ vkfnoklh* जो अपने पद की गरिमा जानती है। मंगी बाई जागरूक महिला है कोई भी काम कर्त्तव्य निष्ठा के साथ करती है, सभी महिलाओं को साथ लेकर कंधे से कंधे मिलाकर चलती है । कोई भी काम अकेले मे नही संगठन के माध्यम से काम कराना जानती है। मंगी बाई अपने परिवार के साथ रहती है, वह अपने परिवार का पालन पोषण स्वयं करती है। दिनांक *04@11@2015 dks 'kkldh; mfpr eY; dh nqdku ls jk'ku forj.k fd;k tk jgk FkkA* मंगी बाई के पडोस की महिला तिजनिया बाई आदिवासी राशन लेकर आई थी । मंगी बाई सुबह से अपने खेत चली जाती थी उसे कोई जानकारी नहीं थी की राशन मिल रहा है कि नहीं । जब मंगी बाई 12:00 बजे खेत से घर वापस आई तब उसे पता चला कि आज राशन मिल रहा है। पडोस में तेजनिया बाई रहती है राशन लेकर महिला आई हुई थी, मंगी बाई तेजनिया बाई के घर जाकर पूछा कितना राशन लेकर आई हो, तेजनिया बाई ने उसे राशन ही दिखा दिया *20 fdyksxzke xsgw] pkoy feyk Fkk* जो कि अच्छा नहीं था गेंहू घुना हुआ खराब था। मंगी बाई से रहा नही गया उसने तेजनिया को साथ लेकर राशन की दुकान उसी दिन पहुंची और सेल्समेन *lquhy 'kqDyk* से बातचीत किया सेल्समेन शुक्ला था, मंगी बाई ने जब सेल्समैन शुक्ला से बात की तब शुक्ला ने कहा कि मैंने यह राशन नहीं दिया तौलने वाला गलती से तौल दिया होगा। उपसरपंच मंगी बहन ने बोला की आपको पता नही है और राशन तौलने वाला दे दिया यह तो आप बहाना बना रहे हो। हम सभी महिला जनप्रतिनिधि मिलकर आपकी समस्या को जरूर ठीक करेंगे। हम आपको जानकारी ही नही चेतावनी देते है कि तुम्हारी इस हरकत को हम सुधारकर दिखायेंगे।

nljs fnu 05@11@2015 को मंगी बाई को लगा अब हमारी समस्या अकेले मे हल नही हो सकती। मंगी बाई और तेजनिया बाई राशन के सहित सरपंच श्रीमती सुमन के पास जाकर अपनी समस्या को बताया। सरपंच अपने साथ सभी महिला जनप्रतिनिधियों की बैठक बुलाई, *exh ckbZ mitjiap] lqeu ckbZ ljiap] frTtk ckbZ iap] ek;k ckbZ iap] Qwy ckbZ iap] flYyks ckbZ iap* सभी महिला जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर चर्चा किया गया जिसमे से राशन दुकान की समस्या सभी ने बताया। गांवों वालों ने यह समस्या काफी दिनों से सुनने को मिल रही है। पुरूष पंच, सरपंच बने लेकिन कुछ नही कर पाये अब हम महिला सबके सामने इस समस्या को हल करके दिखायेंगे। राशन दुकान की समस्या को *30 uoEcj 2015* को पंचायत बैठक मे रखा गया, प्रस्ताव डाला गया कि सैल्समैन को सूचित किया जाये कि आप सही ढंग से दुकान को संचालित करें सही राशन का वितरण करें अन्यथा हम आपके उपर कार्यवाही करेंगे। *1 fnlEcj 2015* को पत्र व्यवहार के माध्यम से सैल्समैन को सूचित किया गया जिससे सैल्समैन शुक्ला मे किसी प्रकार से बदलाव नही हुआ। *7 fnlEcj 2015* को राशन दुकान मे फिर से वही सड़ा गला अनाज वितरण किया गया। अंतिम चेतावनी के रूप मे तत्काल *8 fnlecj 2015* को ही कार्यवाही करते हुए *rglhynkj] eq[;dk;Zikyu vf/kdkjh] dysDVj egksn;* को सूचित करते हुए दूसरे सैल्समैन की मांग की। *mPp vf/kdkfj;ksa }kjk lsYleSu* शुक्ला को *fnukad 15 fnlEcj* को सैल्समैन शुक्ला को पत्र के माध्यम से सूचित किया गया कि आगामी माह मे तुम्हारे द्वारा राशन वितरण नही किया जायेगा। तथा *dkj.k crkvks uksfVl Hkh ikIr gqvkA* इस सूचना को पाते ही सैल्समैन शुक्ला घबरा गया कि मेरे ऊपर महिला जनप्रतिनिधियों ने कार्यवाही कर दिया है। *20 fnlEcj dks rglhynkj egksn; uUgokjk l>k igqp dj efgyk tuizfrfuf/k;ksa ,oa iapk;r ds ljiap lfpo rFkk vU; tkx:d 0;fDr;ksa dks cqykdj iapukek rS;kj* किया गया जिसमे सैल्समैन सुनील शुक्ला की गलती पकड़ी गई सैल्समैन शुक्ला को आदेशित किया गया कि आज से ऐसी गलती नही करोगे। शुक्ला जी द्वारा बताया गया कि मै राशन पहले देख लूंगा इसके बाद ही राशन का वितरण करूंगा। तब मंगी बाई ने कहा मैं गरीबों के लिये लडाई लडती हूॅ मैं उपसरपंच हूॅ मेरा यह कर्तव्य है। उस दिन से मंगी बाई तथा साथी महिला जनप्रतिनिधियों ने तय किया कि हम सभी महिला जनप्रतिनिधि हर माह राशन की दुकान में निगरानी के लिये जायेंगे। अब गांव के सभी हितग्राही जो भी राशन लेने जाते है उन्हें पूरे मात्रा मे एवं सही अनाज दिया जाता है गांव के लोगों का कहना है कि इसी प्रकार से सक्रीय कार्य करने वाली महिलाओं की जरूरत है जिससे गांव का विकास हो सकता है। महिला जनप्रतिनिधियों ने सोसायटी ही नही वह दूसरे जगह भी निगरानी करने जाती है।

¼16½

uke – तुलसा बाई
me – 45
f'k{kk – नवसाक्षर
in – पंच
ipk;r – नन्हवारा सेझा
xko – नन्हवारा सेझा
Cykd – ब्लॉक
ftyk – कटनी
jkT; – मध्यप्रदेश

jk'ku ndku dh dkyk ctkjh e yxh jkd

जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर एक छोटा सा गांव *uUgokjk l>k* है जहां पर मानव जीनव विकास समिति द्वारा महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। ब्लॉक स्तर पर महिला जनप्रतिनिधियों का संगठन बनाकर महिलाओं के विकास का कार्य किया जा रहा है। नन्हवारासेझा गांव मे लगातार कई वर्षो से राशन की दुकान पर सेल्समैन द्वारा राशन का ब्लैकमेल किया जा रहा था। यह भी था कि यहां का सेल्समैन नन्हवारासेझाा मे कई वर्षो से स्थायी रूप से कार्य कर रहा है इसे कोई गलत काम के प्रति आवाज उठाने वाला नही है गांव मे कुछ दबंग लोग भी है तो उसे भी सेल्समैन गुप्त रूप से राशन दे देता था तो वह भी नही बोलते थे, यहां तक कि सरपंच, सचिव भी नही बोलते थे । यह देखते देखते गांव की पंच, सरपच संगठन की महिलाओं ने अपने संगठन के माध्यम से राशन की दुकान की निगरानी करने गई गॉव की वार्ड नं. 6 की पंच तुलसा बाई आदिवासी ने पहल करते हुए जांच के दायरे मे रखा और जब भी राशन वितरण होता था निगरानी के तौर पर महिलाऐं पहुंच ही जाती थी।

तुलसा बाई पंच अपने परिवार के साथ रहती है, पंच होने के नाते तुलसा बाई ने अपना हौसला दिखा ही दिया गॉव में *fnukd 18@04@2014* को नन्हवारा पंचायत में शासकीय उचित मूल्य की दुकान है जहां सेल्समेन द्वारा राशन वितरण किया जा रहा था सेल्समेन ने तीन माह का राशन एक माह में दिया गया तुलसा बाई पंच की बहु माया बाई ने राशन लेकर गई उस समय पंच तुलसा बाई घर में नहीं थी वह अपने खेत पर काम करने गई थी, जब तुलसा बाई पंच घर आई तो तुलसा की बहु माया बाई ने बताया की मैं राशन लेकर आ गई हूं । तब तुलसा बाई ने कहा बहू मुझे राशन दिखाओ कितना राशन लाये हो । बहु माया ने राशन दिखाया जिसमे चावल, गेंहू सड़ा था, चॉवल में फफूंद लगी हुई थी तुलसा बाई ने कहा हम इस राशन को खाकर बीमार नहीं पडेंगे हम नही खायेंगे और गांव वालों को भी नही खाने देंगे पड़ोस मे दो चार घर और जाकर देखा तो वही सड़ा हुआ राशन मिला तब उसे लगाा कि यह राशन नही खायेंगे क्योंकि हम बीमार पड़ जायेंगे न ही गांव वालों को खाने देंगे नही तो सारे गांव के लोग बीमार पड़ जायेंगे।

इसकी जानकारी पंचायत सरपंच, सचिव को बताया गया लेकिन सब चुप रह गये । तुलसा बाई ने इस बात को अपने संगठन को बतायी कि सरकारी राशन की दुकान मे सेल्समैन द्वारा सड़ा गला अनाज वितरण किया जा रहा है इस

पर रोक लगाना चाहिए नही तो ऐसा ही होता रहेगा। इसका कारण यह भी था कि वह राशन तीन माह तक रखा रहा फिर इकट्ठा तीनों माह का राशन एक साथ वितरण किया जा रहा था। यह जानकारी संगठन की बहनों (तुलसा बाई आदिवासी, गुड़िया बाई, प्रभा सिंह, कृष्णा सिंह, तुलसा बाई, मुन्नी बाई, समुदिया बाई) को दी गई संगठन की बहनों ने तुलसा बाई को सलाह दिया कि राशन को उठाकर वापस करने वितरण केन्द्र पर चले जाओ और सैल्समेन को बोलों सड़ा गला अनाज देकर हम सबको बीमार करोगे क्या, हम संगठन की बहनें है आपको कई दिनों से हिदायत देते चले आ रहे है कि समय–समय पर राशन दिया जाये लेकिन आप तो राशन मंगा लेते हो हर माह और वितरण करते हो तीन माह मे जब अनाज खराब होने लगता है। अब नहीं छोड़ेंगे इसकी शिकायत को कलेक्ट्रेट में करेंगे ।

सेल्समैन ने तुलसा बाई की बात नही मानी और सरपंच, सचिव भी कुछ नही बोले तब उसी दिन 18 अप्रैल 2014 को ही तुलसा बाई थोडा सा गेहूं, चॉवल लेकर कटनी कलेक्ट्रेट जाने के लिए सोसायटी के पास से ही ऑटो में बैठने लगी तभी सेल्समेन को लगा कि अब तो नही बच पाऊंगा तो तुलसा बाई को आटो से उतरने को तथा समझौता करने को सेल्समैन ने बोला और इसके पहले तुलसा के घर 15 किलो शक्कर, 5 लीटर मिट्टी का तेल भेज दिया और तुलसा बाई से माफी मांगने लगा मेरे से गलती हुई है मैं कभी ऐसा नहीं करूंगा मुझे माफ कर दो, तभी उसके घर से तुलसा बाई का बच्चा आया और बताया कि अम्मा कोटा से कोई शक्कर और मिट्टी का तेल पहुंचाये है तो तुलसा ने बच्चा को कहा कि उसे वापस कर आओ।

सेल्समैन द्वारा दिया गया शक्कर, तेल वापस भेज दिया और सबसे बोली कि मैं सबके लिये लड़ती हूॅ अपने लिये नहीं लड़ती हूं तब सेल्समेन तुलसा बाई के पैर पकड कर बोला आपने मेरी आंखे खोल दिया, मैं आपको पहले नहीं जानता था कि आपका भी संगठन है आप संगठन के प्रयास से लोगों को जागृत करने का काम कर रही है, शासकीय योजनाओं की निगरानी कर रही है हम आपके इस काम से बहुत ही खुश है हम अपनी गलती को स्वीकार करते है। आपने जो भी कर दिखाया मेरे लिए सीख थी अब मेरे से कोई गलती नहीं होगी । सभी के सामने पंचनामा बनवाया गया सेल्समैन पंचनामा अपने होस हबास से हस्ताक्षर किये है जिसमे जिक्र किया गया है कि आज से ऐसी गलती नही करूंगा अगर गलती होगी तो उसका जवाबदार मै स्वयं रहूंगा। तब से सभी को पूरी मात्रा मे एवं सही समय पर राशन मिलने लगा अब वहा नन्हवारासेझा के लोग पूरी तरह से सरकारी उचित मूल्य की दुकान का लाभ ले रहे है किसी को परेशानी नही उठाना पड़ती।

इसका तात्पर्य यह रहा कि अगर बहनों द्वारा गलत कामों पर निगरानी के उपरान्त आगे कदम नही उठाया जाता तो लोगों को इसी प्रकार से सेल्समैन द्वारा दबाया जाता और लोग भी सहते रहते। अतः लोगों मे जागरूकता होना आवश्यक है।

¼17½

uke & ek/kjh flg

in & ljiap] me & 34 o"k

xke ipk;r & befy;k] ब्लॉक – बड़वारा, जिला कटनी

cky fookg : dok;k

xke ipk;r befy;k की *ljiap Jherh ek/kjh flg* जो *cky fookg* पर काम कर रही थी, उन्हीं के समाज की बात है लडकी का विवाह कम उम्र मे उसके माता पिता कर रहे थे लडकी की उम्र 16 वर्ष की थी लडकी का नाम सविता था वह आठवीं कक्षा की पढ़ाई पूरी कर छोड़ चुकी थी । आगे की पढ़ाई के लिए लड़की सोंचती थी लेकिन लड़की के माता पिता उसको पढ़ाना नही चाह रहे थे। उनको लग रहा था कि लड़की की शादी करो अपने घर चली जायेगी। लड़की को पढ़ाने से क्या फायदा होगा।

fnukd 25 eb 2015 की बात है सविता की शादी के लिए रिस्तेदार आये हुए थे सभी समाज के लोग इकट्ठे होकर शादी की योजना बनाये, शादी तय हो गया की आगामी महीने मे शादी करना है। लड़की सविता को लगा कि हमारी शादी अभी नही होना चाहिए जिससे वह अपने परिवार मे अपनी भाभी से कहा कि मेरी शादी कर रहे पापा ने पढ़ाई के लिए पैसा नही दे रहे थे अब शादी के लिए पैसा कहां से ले आये। बताओं मै यदि पढ़ाई कर लेती तो अच्छा होता। *'kknh dk fnukd 24@06@2015* को तय हो गई थी। जब सरपंच माधुरी सिंह को पता चला की सविता की शादी हो रही है। लड़की अपने समझ से पड़ोस मे रह रही माधुरी सरपंच से बोल बैठी की हमे पढ़ना है अभी शादी नही करना है तो माधुरी ने सविता से उसकी उम्र पूंछी तो सविता तो 16 वर्ष की हो रही है। तो उसे लगा की सविता की शादी रूकवाई जा सकती है। वह लडकी के घर जाकर लडकी सविता के पिता से बोली आप तो बिना शादी की उम्र के विवाह मत करो, क्योंकि *cky fookg lekt* में कानूनी अपराध है। कानून के साथ आप भी जेल जा सकते हो आप लोगों को जेल हो सकता है।

cky fookg ,o tYn fookg er dfj; लड़की पढ़ाई कराओ जिससे की लड़की अपने परिवार का पालन पोषण अच्छी तरह से कर सके आप लोग अभी शादी मत करो जब लडकी की *me 18 lky d ckn gh* करें। मैं गॉव की सरपंच हूँ इसलिये मैं आपको समझाती हूँ, आप लोग समझदार हो इस बात को समझे लडकी के माता पिता ने सरपंच माधुरी की बात मानी नही। *ek/kjh ljiap u 5 tu 2015* को फिर से दुबारा सविता के परिवार मे जाकर पूंछी तो बोले आपको क्या करना है हम अपनी लड़की विवाह कर रहे है यदि लड़की की शादी रोके तो ठीक बात नही होगी। इसके बाद लड़की की शादी इतने अच्छे घर परिवार मे नही हो सकती है इसलिए शादी कर लेना चाहिए। लड़के पक्ष वाले से बातचीत किया गया तो वह भी कह रहे थे कि शादी होने दीजिए हम थाना से नही डरते जो भी होगा तो हम देख लेंगे। बारात का समय नजदीक आया तब माधुरी से सविता ने कहा कि अब तो बारात आने आने वाली है आपने कुछ कार्यवाही नही किया है। सरपंच ने बताया कि आप चुप रहिए शादी रूक जायेगी पुलिस तक यह खबर चली गई पुलिस आने वाले ही है शादी के पहले जांच करने जरूर आयेंगे।

15 tu 2015 को पुलिस जांच करने आयी कि आपने अपने लड़की शादी कर रहे है हमे लड़की जन्म प्रमाण पत्र एवं स्कूल की मार्कसीट एवं आधार कार्ड दिखाओं जिसमे जन्म की तारीख अंकित होना चाहिए। दस्तावेज मिलान करने के बाद पता चला कि लड़की की उम्र 16 साल हो रही थी पंचनामा तैयार किया गया कि अभी लड़की का विवाह नही करोगे। दोनों पक्षों में समझौता कर लीजिए जिससे शादी एक वर्ष के लिए रूक सकती है। यदि आपने शादी किया तो आपके ऊपर कार्यवाही की जायेगी।

लड़की के माता पिता ने लड़का पक्ष वालों से चर्चा कर यह बात पूरी बताई तो समझ मे आया कि हम गलत कर रहे है। और शादी करने को मना किया लडके वाले भी इस बात को मान गये क्योंकि उनके *yMd dh me Hkh 20 o"k gh gk jgh Fkh* जो विवाह उम्र से कम थी । इस तरह से लड़की का विवाह रूका सविता बोली अच्छा हुआ अब मे आगे कुछ काम करने को सोचूंगी। माधुरी सिंह सरपंच का प्रयास सफल रहा।

नाम – ऊषा बाई
पद – पंच
वर्ग – पिछड़ा वर्ग
शिक्षा – आठवी
उम्र – 37 वर्ष
ग्राम पंचायत – बसाड़ी
ब्लॉक – बड़वारा, जिला कटनी

eujsxk dke dh fuxjkuh

कटनी जिले के बडवारा ब्लॉक की ग्राम पंचायत बसाडी, बडवारा ब्लॉक से 12 किमी. की दूरी पर स्थित है। बसाडी पंचायत की पंच उषा बाई पिछडा वर्ग की है। बसाडी पंचायत में सभी महिला जनप्रतिनिधि मिलकर निगरानी करती है जहॉ भी काम लगता है वहॉ जाकर निगरानी करती हैं ।

उषा बहन द्वारा दिनॉक 4.2.2017 को काम में निगरानी करने गई रोजगार गारण्टी के अन्तर्गत तालाब का गहरीकरण चल रहा था काम में 32 लोग काम कर रहे थे 20 पुरूष एवं 12 महिला परन्तु पंचायत मेट के द्वारा 37 लोगों का मस्टर रोल हाजिरी भरी जा रही थी । उषा बहन द्वारा मेट से मस्टर मॉगा गया तो मस्टर में 5 लोगों की फर्जी हाजिरी लगी थी जो लोग गॉव में नहीं रहते कुछ दिनों के लिये बाहर पलायन में चले जाते हैं लेकिन मस्टर में फर्जी हाजिरी भरी थी।

उषा बहन ने मेट से संवाद करते हुये कहा कि हम आपकी शिकायत करेंगे जनपद पंचायत सीईओ के पास अगर आप सही हाजिरी नहीं लगाये तो हम जिला कलेक्टर को आपकी शिकायत करेंगे तो मेट ने कहा कि ठीक है मैं आज के बाद ऐसी गलती नहीं करूॅगा । मेट द्वारा मस्टर में लगाई गई फर्जी हाजिरी वाले लोगों का नाम काटा और कहा मैं आज से ऐसा कभी नहीं करूॅगा।

परन्तु पंचायत मे मनरेगा का काम करा रहे मेट द्वारा लगातार बिना काम किये मजदूरों की हाजिरी लगाई जा रही थी जिसमे से गुस्साये पंच ने जनपद पंचायत, जिला पंचायत व जिला कलेक्टर को पत्र व्यवहार मे अवगत कराया की हमारे पंचायत मे चल रहे मनरेगा काम की मेट द्वारा किया जा रहा बंटाढ़ार इसे रोका जाये। इस पत्र व्यवहार को जिला कलेक्टर ने संज्ञान मे लिया और तत्काल पंचायत मे चल रहे मनरेगा काम को आगामी स्वीकृति मिलने तक प्रभाव से रोका गया और जनपद मुख्यकार्यपालन अधिकारी को जांच करे आदेश दिया। जब काम की जांच हुई तो मेट द्वारा फर्जीवाड़े का पर्दाफास हुआ और काम को रोकते हुए पंचायत द्वारा दूसरे मेट रखे जाने का आदेश पंचायत को दिया गया जिससे 1 सप्ताह मे दूसरे मेट द्वारा काम प्रारम्भ कराया गया इससे फर्जीवाड़े मे रोक लगी है।

¼19½

कृष्णा सिंह
पद – सरपंच , उम्र – 55 वर्ष
ग्राम पंचायत – बिलायतकलां ,
ब्लॉक – बड़वारा, जिला कटनी

tuin lnL; gr| igy

वर्ष 2015 मे त्रिस्तरीय पंचायतीराज चुनाव मे जनपद सदस्य हेतु प्रवेश किया। कृष्णा सिंह बिलायतकलां पंचायत की सरपंच एवं जागृति फेडरेशन संगठन की अध्यक्ष है इन्होने अपने पद पर रहते हुए पंचायत पर विभिन्न प्रकार के काम की है जैसे पेंशन, शिक्षा, स्वास्थ, पानी, बिजली आदि विषय पर विभिन्न प्रकार के काम किये। जनता काफी कृष्णा सिंह के काम से खुश थी इन्होने अपने पंचायत मे ही नही बल्कि फेडरेशन की अध्यक्ष होते हुए दूसरे पंचायत मे काफी काम किया है इनके काम को देखते हुए जनता ने सोंचा कृष्णा सिंह को जनपद पंचायत का सदस्य बनाया जाय जिसमे से काफी बड़े से बड़े काम हो सकते है । कृष्णा सिंह का भी विचार बना कि मुझे जनता की काफी चाहत है तो क्यों न चुनाव मे उतरा जाय स्वयं के विचार से जनता के कहने पर चुनाव लड़ना तय किया।
i|fØ;k – इन्होने अपने वार्ड के सभी चारों गांव मे जाकर लोगों के साथ बैठक करना, माईक से अलाउंस करना, पोस्टर पम्पलेट के माध्यम से जानकारी देना एवं दिवाल लेखन करना आदि प्रक्रियाओं से चुनाव प्रचार प्रसार करना तय किया गया है। *e|nn|* & कृष्णा सिंह अपने घोषणा पत्र मे निम्न मुद्दों को शामिल किया है सभी जगह *ikuh* की व्यवस्था होगी, *LokLF;* व्यवस्था मे सुधार होगा*] f'k{kk* मे सुधार किया जायेगा, *euj|xk* मे 100 दिवस का काम मिलेगा, *'kkldh; ;kstukvk|* का लाभ पात्र हितग्राही को दिया जायेगा। समय–समय विभागों की निगरानी किया जायेगा।
ग्राम पंचायत बिलायत कलां की सरपंच श्रीमती कृष्णा सिंह पढ़ी लिखी महिला है उनके पति का स्वर्गवास हो चुका है वे अपने दो बच्चों के साथ रह रही है उनका स्वाभाव बहुत अच्छा और सीधा साधा है कृष्णा सिंह विगत वर्षो मे जनपद सदस्या रह चुकी है कृष्णा सिंह को फिर से एक मौका मिला जनपद सदस्य की सीट अनारक्षित हुई जिसमे कृष्णा सिंह ने अपना भाग्य अजमाया चुनाव मे खड़े होने के लिए गांव वालों एवं वार्ड के अन्तर्गत आने वाली पंचायतों से भी लोगो ने प्रेरित किया जिसमे कृष्णा सिंह ने अपना आवेदन भर दिया उनके साथ मे पुरूष प्रत्याशी ने भाग लिया धीरे–धीरे चुनाव महौल बढ़ता गया कृष्णा सिंह ने वादा किया कि मै हर गरीबों की समस्या पर ध्यान दूंगी। पूरे पांच साल तक अपने पद पर कार्यरत रहकर अच्छा काम कराने का प्रयास करूंगी। अबकी बार जनता ने फिर से एक बार और मौका देने का निश्चय किया है कृष्णा सिंह का विश्वास है कि मै चुनाव आवश्य जीतूंगी।

p|uko thru| dh j.kuhfr @i|pkj&i|lkj dk ek/;e – बैनर लगाना, पोस्टर, पम्पलेट बांटना, गाड़ी मे माईक लगाकर अलाउंस करना, लोगों से सम्पर्क करना, उनके साथ बैठक करना, अपना परिचय अपने काम के साथ देना कि मैने सरपंच पद पर रहकर विभिन्न प्रकार से काम किया है अब मुझे मौका दीजिए अपने गांव का विकास कार्य करने के लिए मै जो भी काम होगा ईमानदारी से करूंगी। शासकीय योजनाओं का लाभ गांव के पात्र हितग्राहियों को दिलाने काम करूंगी साथ ही सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ एवं हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ दिलाने का भी काम करने का निश्चय किया है। कृष्णा सिंह जनपद सदस्य पर नामांकन फार्म दाखिल कर दिया है इनके वार्ड के अन्तर्गत चार पंचायतें आती है बिलायतकलां, बिलायतखुर्द, पथवारी, खरहटा सभी जगह जाकर लोगों से सम्पर्क, बैठक कर चुनाव जिताने की इच्छा जाहिर कर रही है । कृष्णा सिंह चुनाव प्रचार तो अच्छा किया लेकिन कार्यक्षेत्र का फैलाव होने सभी जगह नही पहुंच सकी समय का अभाव था कम समय होने के कारण कृष्णा सिंह चुनाव मे *165 okVk| l| gkj p|dh g|* वही पर एक पुरूष प्रत्याशी की 165 वोटो से जीत हो गई। फिर भी महिला होने के नाते तथा पुरूष प्रधान समाज होने पर भी एक महिला ने पुरूषों के साथ मुकावला की है तो कृष्णा सिंह ऐसा मानती है कि मै हारी नही हूं फिर दुबारा समय मिलने पर देखा जायेगा।

¼20½

नाम – तुलसा बाई

पद – उप सरपंच , वर्ग – आदिवासी

शिक्षा – साक्षर, उम्र – 42 वर्ष

ग्राम पंचायत – पथवारी, ब्लॉक – बड़वारा, जिला कटनी

vo/k 'kjkc n|dku cn djkus igy

कटनी जिले के बडवारा ब्लॉक से 20 किमी. दूर ग्राम पंचायत पथवारी स्थित है । वहॉ उपसरपंच तुलसा बाई जो आदिवासी वर्ग की महिला है, पथवारी पंचायत में पुरूषों द्वारा बाहर से शराब लाकर कच्ची शराब बेचते हैं इससे पूरे गॉव वाले एवं महिलाएँ परेशान हैं क्योंकि दारू पीकर अतंक मचाते हैं और गाली गलौच करते हैं । इस करण महिला जनप्रतिनिधि ने पंचायत मीटिंग में यह निर्णय लिया कि इनके उपर कार्यवाही होनी चाहिये ।

दिनॉक 8.2.2017 को मासिक बैठक की गई जिसमें महिलाओं ने मिलकर निर्णय लिया कि अवैध शराब को गॉव से हटाया जाये इसके लिये रणनीति बनाई गई की थाने जाकर लिखित शिकायत की जाये । तुलसा बाई उपसरपंच एवं गिरजा पंच समुदाय की अन्य महिलाओं ने एक आवेदन बनवाया और दिनॉक 27.2.2017 को सभी महिला बडवारा थाना पहुॅच कर लिखित आवेदन देकर शिकायत दर्ज करवाई तथा थाना प्रभारी ने रिपोर्ट लिखा और करवाई की लेकिन मोके में वे लोग मिले जो शराब बेचते थे ,वह फरारी में है। लेकिन कुछ हद तक रोक लगी है।

¼21½

नाम – शिल्पा बाई पटेल

पद – पंच , वर्ग – पिछड़ा वर्ग

शिक्षा – आठवी , उम्र – 30 वर्ष

ग्राम पंचायत – बुजबुजा

ब्लॉक – बड़वारा, जिला कटनी

ikuh

कटनी जिले की बडवारा ब्लॉक से लगभग 40 किमी. दूर ग्राम पंचायत बुजबुजा है, वार्ड नं. 2 की पंच शिल्पा पटेल रहती है । उनके वार्ड में पानी की बहुत समस्या है, उस समस्या को लेकर ग्राम पंचायत में कई बार प्रस्ताव डाला पर उसका निराकरण नहीं हुआ, उसका कारण ये थ कि 2008 में बुजबुजा वार्ड नं. 2 में बेलस्पन कम्पनी के द्वारा एक हैण्डपम्प लगाया गया था, वह हैण्डपम्प अब खराब हो गया है जिससे उनके वार्ड में पानी की समस्या होने लगी है । शिल्पा जी को उनके वार्ड वाले बोलते थे के पंच साहब कुछ करिये तो शिल्पा 26 जनवरी 2017 के ग्राम पंचायत में हैण्डपम्प मरम्मत का प्रस्ताव डाला पर ग्राम पंचायत के द्वारा उनका डाला गया प्रस्ताव यह कह कर निरस्त कर दिया गया कि वह ग्राम पंचायत के द्वारा नहीं लगाया गया है, तो उसको ग्राम पंचायत के द्वारा नहीं बनवाया जा सकता है। शिल्पा जी द्वारा पीएचई विभाग जाकर सम्पर्क किया गया तो वहॉ भी पीएचई द्वारा यही कहा गया कि यह हैण्डपम्प हमारे विभाग के अन्दर नहीं है जिससे शिल्पा जी को सिर्फ निराशा हाथ लगी।

फिर भी उन्होंने ने ठाना कि यदि पीएचई व ग्राम पंचायत द्वारा हैण्डपम्प को नहीं बनवा सकती तो कोई बात नहीं इसे हम वार्ड वाले ही बनवा लेंगे। फिर शिल्पा द्वारा वार्डवासियों से सम्पर्क चंदा इकटठा किया गया और मैकेनिक को बुलाकर उस हैण्डपम्प की मरम्मत करवाई गयी, इस तरह से शिल्पा जी ने अपने वार्ड में पानी की समस्या का निराकरण किया।

¼22½

नाम – प्रेम बाई

पद – पंच

वर्ग – पिछड़ा वर्ग

उम्र – 58 वर्ष

ग्राम पंचायत का नाम – पिपरियाकला

ब्लॉक – बड़वारा, जिला कटनी

lkQ lQkbl o LoPNrk e| j[krh /;ku lkefgdrk l| dhpM· dk fd;k lkQ

कटनी जिले के बड़वारा ब्लॉक के fiifj;kdyk dh iip ie ckbl यह पिछले कई सालों से समाज कार्य मे लगी हुई है। प्रेम बाई बिना पद के बहुत सारे काम किया है उसे लगता था कि पद का होना काम के जरूरी नही होता है। लेकिन 2015 के पंचायती चुनाव मे गांव के वार्ड वासियों के कहने पर प्रेम बाई ने पंच पद हेतु पर्चा दाखिल किया पंच पद मे जीतने के बाद लोगों के पास जाकर समस्याओं को देखती थी हल कराने का प्रयास करती थी।

मानव जीवन विकास समिति द्वारा आयोजित महीने viiy ebl 2015 मे महिला नेतृत्व कार्यशाला मे भाग लेने एवं सीखने से अपने आप मे ताकत बढ़ी है। कार्यशाला मे उन्होने कार्ययोजना बनायी की हमें कौन से काम को कब और कहां करना है किसके सहयोग से करना है। उसी योजना के अनुरूप कार्यशाला से वापस जाने के बाद महिला जनप्रतिनिधियों के साथ मे मिलकर काम कराने की प्रक्रिया को अपनाया।

उन्होंने देखा कि उनके ही वार्ड में लोग सडक में ही पानी बहाते है एवं सडक में पानी बहने के कारण पुरी संडक में कीचड़ हो जाता है जिसके कारण आने–जाने वालों को परेशानी का सामना करना पडता है एवं पानी इकट्ठा होने के कारण बीमारियॉ भी फैलती है। इसके लिए उनके द्वारा अपने वार्ड वालों को समझाया की संडक में पानी न बहायें इस सडक का उपयोग हमी लोग करते है और हम लोगो को ही आने जाने में परेशानी होगी, परन्तु उनकी बातों का लोगो पर कोई असर नही हुआ । 15 vxLr 2015 की ग्राम सभा में प्रस्ताव डाला गया कि पानी निकासी के लिए नाली बनाई जाये परन्तु कई माह बीत जाने के बाद भी कोई सुनवाई पंचायत में नही हुई । धीरे धीरे समस्या बढ़ती गई साल बीत गया पंचायत एवं ग्रामसभा द्वारा कोई कार्यवाही नही की गई।

पंच प्रेम बाई ने पीछे ही पड़ गई समुदाय के लोगों को 10 tuojh 2016 को सभी महिला जनप्रतिनिधि एवं गांव के जागरूक व्यक्ति को इकट्ठा किया और समझाया की इस रास्ते से आप और हम सभी को निकलना है हमारा ही गुजर है ऐसा करते है पंचायत के भरोसे काम नही होगा बल्कि हम सभी मिलकर श्रमदान से इस काम को कर सकते है और सरकार के भरोसे छोड़ेंगे तो कभी काम नही होगा और हम कीचड़ मे पले रहेंगे। अगला यह की पंच प्रेम बाई ने फिर से 15 Qjojh 2016 को महिला जनप्रतिनिधि एवं xko d| 25 l| 30 ykxk dk bdVBk किया और सामूहिक सहयोग से काम करने को कहा सभी ने तैयार हो गये और पूरे 200 ehVj lMd ij ukyh fuekl.k djk;k जिसमे पंचायत का किसी भी प्रकार से सहयोग नही रहा और आज सड़क कीचड़ से दूर है लोग आसानी से गांव मे चले जाते है।

नाम – सुशीला बाई

पद – सरपंच

वर्ग – पिछड़ा वर्ग

उम्र – 45 वर्ष

ग्राम पंचायत का नाम – पठरा

ब्लॉक – बड़वारा, जिला कटनी

vkxuokMh dh fuxjkuh

ग्राम पंचायत पठरा बडवारा ब्लाक से 10 किमी. दूर है उस पंचायत की *ljip l|'khyk ckbl fo'odek* जब वह सरपंच बनी थी तब उसे कुछ पता नहीं था, उसे क्या करना है सुशीला सरपंच जब प्रशिक्षण में आई WLW में तब उसे पता चला कि हमारा अधिकार क्या है तो उसने अपने पति से कहा कि आप मुझे भी बैठक में जाने दे तभी तो मै सीख पाऊंगी । सुशीला के पति सुरेश विश्वकर्मा ने कहा ठीक है हम आपको साथ में लेकर चलेंगे सुशीला अपने पति के साथ जाती थी पंचायत की बैठक, ग्रामसभा एवं पंचायत मे चल रहे काम पर देखने जाती थी कितने मजदूर काम करत थे कितनी हाजिरी लगाई जाती है उसको जानकारी होती गई वह *ekg uoEcj 2015* में दिन मंगलवार को एक महिला सुशीला के पास आई और बोली दीदी हम ऑगनबाडी केन्द्र गये थे मेन्यू में लिखा है कि मंगलवार खीर पूडी मिलती है । पर आज तो स्कूल में दाल रोटी मिली है सुशीला ने कहा कि कल मेरे साथ स्कूल चलना सुशीला सरपंच बुधवार को पॉच महिलाओं को लेकर स्कूल गई वहॉ जाकर देखी और खाना बनाने वाले समूह से बोली आप मिनू के आधार पर खाना क्यों नहीं बनाती हैं हम आपके स्कूल में निगरानी करने आये हैं आप खाना में सुधार करो नहीं हम आपकी शिकायत करेंगे।

लगातार एक साल यह समस्या देखने को मिली किसी भी प्रकार से सुधार नही हुआ। सरपंच द्वारा स्कूल *i/kkuk/;kid@Lolgk;rk leg d f[kykQ 26 tuojh 2016* की ग्रामसभा मे प्रस्ताव रखा गया और यह जानकारी सम्बंधित विभाग को सौंपी गई जनपद शिक्षा केन्द्र बड़वारा एवं एम.डी.एम. कटनी को अवगत कराया गया। तत्काल कार्यवाही को जांच मे लिया गया और विभाग द्वारा *1 Qjojh 2016* को सम्बंधित संचालित स्वसहायता समूह को प्रधानाध्यापक प्राथमिक शाला पठरा को पत्र व्यवहार किया गया 3 दिवस के अंदर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। प्रधानाध्यापक द्वारा 3 दिवस के अंदर जानकारी नही भेजने पर एम.डी.एम. कटनी द्वारा मध्यान्ह भोजन चला रहे स्वसहायता समूह को बदलने कहा गया।

तब प्रधानाध्याक द्वारा पालक शिक्षक संघ की बैठक बुलाई गई बैठक मे संघ के अध्यक्ष ने कहा कि हम मीनू के हिसाब से ही अब खाना बनायेंगे आगे से शिकायत का मौका नहीं देंगे। मार्च महीने से सही तरीके से मध्यान्ह भोजन भरपूर मात्रा एवं मीनू के आधार पर बनाया जाने लगा। सुशीला सरपंच ने स्कूल एवं ऑगनबाडी में निगरानी कर मध्यान्ह भोजन में सुधार किया । मध्यान्ह भोजन ठीक होने से आंगनवाड़ी मे बच्चों की उपस्थिति भी बढ़ गई है, स्कूल/आंगनवाड़ी मे शिक्षक एवं कार्यकर्ता/सहायिका भी समय पर आने लगे है इसके पहले आने जाने का कोई समय नही था अब सभी समय पर आते जाते है।

नाम – उमा बाई

पद – पंच

वर्ग – पिछड़ा वर्ग

उम्र – 40 वर्ष

गांव & pknu, ग्राम पंचायत का नाम & cNjokjk

ब्लॉक – बड़वारा, जिला कटनी

'kjkfc;k d NDd NqMk;

कटनी जिला के बडवारा ब्लाक की xke iapk;r cNjokjk दबंगों की पंचायत है वहॉ पर शराब का पीने का रिवाज ज्यादा है। गॉव की iap mek ckbZ fiNMk oxZ dh iap efgyk है वह चांदन गावं मे अपने घर में अकेली रहती है पति रोजगार की तलास मे घर से बाहर दूर काम करने चला जाता है। उमाा बाई पंच का पति बाहर काम करता है, 16@01@2016 की रात अपने घर में अकेली थी उसी रात में गॉव का एक व्यक्ति परदेशी आदिवासी शराब पीकर उसके दरवाजा खटखटाने लगा । mek ckbZ iap vUnj से देखी उसने उसे कुछ नहीं कहा । vkxuckMh dk;ZdrkZ deyk ckbZ ;kno को फोन किया कि तुम अपने पति परदेशी का यहां से ले जाओ मेरे घर में परदेशी खडा है और बहुत शराब पीकर गाली देता है ।

तब ऑगनबाडी कार्यकर्ता गांव के कुछ लोगों को लेकर mek ckbZ iap के घर पहुॅची और अपने पति से बातचीत की आप यहां कैसे और क्यों खड़े हो आपको पता नही है कि यह पंच उमा बाई का मकान है। परदेशी यूं ही गाली गलौच करता रहा वह किसी की बात सुनने को तैयार नही था तब उमा बाई पंच कमला बाई की मदद से बाहर आई और परदेशी को गांव के लोगों की सहयोग से रस्सी से बॉध दिया वह रात भर बंधा रहा सुबह बडवारा थाने में पुलिस को पंच ने खबर दी खबर पाते ही पुलिस 17@01@2016 को पहुंची और परदेशी के नाम की रिपोर्ट लिखी गाली गलौच करने पर अपराधिक प्रकरण दर्ज किया।

पंच उमा बाई एवं कमला बाई को गांव के लोगों ने धन्यवाद दिया कहा कि आपने बहुत अच्छा काम किया है परदेशी को गलती का एहसास होना जरूरी है नही तो हमेशा जिंदगी भर ऐसा ही करता रहता। सभी के सामने गलती मनाया और शपथ लिया की आगे कभी ऐसा नहीं करूॅगा और दूसरों को भी सलाह दूंगा की शराब पीना अच्छा नही है ऐसा करने से हम और हमारा परिवार नष्ट होता है और कई प्रकार की बीमारियां भी होती है जिससे हम आगे नही बढ़ पाते है सारे विकास रूक जाते है।

उमाबाई पंच ने कहा हमारी पंचायत नशा मुक्त होना चाहिए? नशा मुक्ति अभियान चलाना चाहिये जिसमें लोग शराब नहीं पियेंगे और गॉव में शराब नहीं बिकने देंगे ऐसा प्रयास किया गया। 26 tuojh 2016 की ग्रामसभा मे शराब बंदी और नशा मुक्ति पर प्रस्ताव रखा, प्रस्ताव पर ग्रामसभा की सहमती बनी और तत्काल दूसरे दिन शराब दुकान बंद करने को कहा गया और पीने वालों पर 500 रूपये जुर्माना एवं अर्थ दण्ड से दण्डित किया जायेगा। ग्रामसभा के निर्णय को सभी ने सराहा और दूसरे दिन से शराब पीने वाले गांव मे पीना बंद कर दिया।

नाम – कमला देवी,

पद – सरपंच

वर्ग – आदिवासी,

उम्र – 50

ग्राम पंचायत – सुड्डी

ब्लॉक – बड़वारा, जिला कटनी

d|ikf'kr cPph dk xkn y| Hkrh djk;k ,u-vkj-lh dUn e|

कटनी जिले के बड़वारा ब्लाक के xke ipk;r lMMh के ljip deyk noh द्वारा गॉव के धूप सिंह के परिवार के बच्चे को एन.आर.सी. में भर्ती कराया गया, इसके लिये उन्हें बडी मेहनत करनी पडी जैसा की आप लोग जानते है कि गॉव में जागरूकता की बहुत कमी है इसके चलते गॉव में कई बच्चें कुपोषण का शिकार हो जाते हैं, उनके माता पिता भी कमाने खाने में लगे होने के कारण अपने बच्चों का ध्यान नहीं रख पाते हैं और उन्हें सरकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी नहीं होती। ज्ञात हो की आंगनवाड़ी मे बच्चों को निःशुल्क पोषण आहार का वितरण किया जाता है और उचित सलाह भी माता एवं बच्चे को दिया जाता है। deyk noh ljip }kjk सुडडी में एक बच्चे को जिसका नाम नंदनी का जन्म 29.08.2014 और उसके पिता का नाम धूप सिंह एवं मॉ का नाम प्रेम बाई है, उसके माता पिता उस बच्चे को एन.आर.सी. में भर्ती ही नहीं कराना चाहते थे वे कहते थे की यदि हम अपने बच्चे को लेकर भर्ती हो जायेंगे तो बाकि बच्चों की देखभाल कौन करेगा तब सरपंच द्वारा उन्हें बहुत समझाया गया लेकिन वे मानने को तैयार नहीं थे माता पिता।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा कार्यकर्ता द्वारा यह जानकारी पंचायत के मुखिया सरपंच कमला देवी को 8 ekp 2016 exy fnol के दिन बुलवाया गया तभी बताया कि धूप सिंह के बच्चे की स्थिति काफी गम्भीर है जिसे वह न तो इलाज करा रहे है और न ही पोषण पुनर्वास केन्द्र मे भर्ती करा रहे है एक दिन ऐसा समय आयेगा की बच्चे का स्वर्गवास हो सकता है माता पिता मे अभी अंधविश्वास है की बच्चे को कुछ भी नही होगा धीरे–धीरे ठीक हो जायेगा। हमारे पास पैसा नही है हम कही नही ले जायेंगे घर मे ही रखेंगे।

15 ekp 2016 को द्वितीय मंगल दिवस के दिन फिर से धूप सिंह के परिवार से बुलाया गया। धूप सिंह की पत्नि प्रेम बाई अपने बेटी नंदनी को लेकर आयी तब सरपंच द्वारा बताया गया कि आप अपने बेटी को एन.आर.सी. केन्द्र मे भर्ती कराओं नही तो बेटी ठीक नही होगी। प्रेम बाई को सरपंच कमला देवी ने समझाया की आप तो बेटी है इसी लिए अस्पताल नही ले जा रहे है अगर बेटा होता तो इतनी देरी नही लगती। आपको अपनी सोंच को बदलना होगा की लड़की और लड़का दोनो बराबर है जितनी देखभाल लड़के का करते हो उतने ही लड़की की करनी होगी। फिर सरपंच द्वारा उस बच्चे को गोद लिया गया एवं उसके माता पिता को यह कह कर समझाया गया कि आपके बच्चों की देखभाल का जुम्मा आज से हमने लिया है इसके बाद वे सरपंच कमला देवी के साथ जाकर 21 मार्च 2016 को अपने बच्चे को एन.आर.सी. केन्द्र मे भर्ती कराने के लिये राजी हो गये भर्ती के दौरान 15 दिन मे बेटी नंदनी स्वस्थ हों गई और अब वह बच्ची स्वस्थ्य हो गया है ।

¼26½

uke & Qfy;k ckbl

in & ipp] me & 50 o"kZ

xke ipk;r & unkou] ब्लॉक – बड़वारा, जिला कटनी

okMZ e cuk;k ukyh] LoPNrk dh igy dh

ग्राम पंचायत नदावन की पंच फुलिया बाई ने स्वच्छता पर काम किया है। नाली निर्माण के लिये गॉव के कुछ बडे लोग नाली नहीं बनने दे रहे थे फुलिया बाई पंच अपने वार्ड के लोगों से परेशान थी, पूरा पानी घरों को गन्दा गली में बह रहा था। कीचड होने के कारण आने जाने में परेशानी का सामना करना पडता था । गॉव के बडे लोगों का कहना था कि यह हमारा काम नही है यह तो पंचायत का काम है एवं पंच बनाये गये है वह अपने वार्ड का काम करे।

फुलिया बाई पंच अपने वार्ड की समस्या को पंचायत बैठक एवं ग्रामसभा मे गई प्रस्ताव डलवाया लेकिन कोई कार्यवाही नही हो रही थी। पंच ने सोंचा ठीक है हमारा काम है तो करेंगे। वार्ड के लोगों से सामूहिक आवेदन बनवा कर पंचायत को नाली निर्माण हेतु दिनांक 15 अगस्त 2015 को ग्रामसभा को दिया गया। नाली निर्माण की कार्यवाही न होने पर पावती को लेकर जनपद पंचायत को फुलिया बाई पंच ने 6 सितम्बर 2015 को दे दिया जिसमे पंचायत से पूंछा गया कि आपने नाली निर्माण हेतु जो आपके पास प्रकरण आया है उसकी कार्यवाही क्यों नही किया है इस फाईल को लेकर एक सप्ताह के अंदर कार्यवाही कर जनपद को प्रेषित करें। ग्राम पंचायत द्वारा 10 सितम्बर को पंचायत की विशेष बैठक बुलाकर आवेदन पर विचार करने को कहा गया जिसमे से सभी उपस्थित सदस्यों ने प्रस्ताव को पास किया तथा आगे कार्यवाही हेतु जनपद को प्रेषित किया गया। 2 अक्टूबर 2015 की ग्रामसभा मे बताया गया कि वार्ड क्रमांक 07 मे जहां फुलिया बाई पंच है उस वार्ड मे नाली बनना पास हो गया है। लेकिन बड़े लोगों का कहना है कि पहले हमारे यहां सड़क एवं नाली का काम किया जाये इसके बाद दूसरे वार्ड मे काम कराया जायेगा। ग्रामसभा मे दूसरे काम का प्रस्ताव रखा गया है लोगों ने अपने अपने वार्ड की समस्या का प्रस्ताव ग्रामसभा मे रखा है।

15 vDVcj 2015 को नाली निर्माण का काम पंचायत द्वारा प्रारम्भ किया गया जिसमे से दबंग लोग आड़े आ रहे थे कि नही पहले हमारे यहां काम करो। क्या कर लेगी हम नाली नहीं बनने देंगे। फुलिया बाई पंच ने कहा नाली यही पर बनेगी, मैं भी अपने वार्ड की पंच हूॅ , मेरा भी अधिकार है। काम रूका रह गया 15 दिनों के बाद पंचायत द्वारा फिर से काम शुरू किया गया। गॉव के लोगों ने नाली नही बनने दिया । फुलिया बाई के साथ उसके वार्ड के लोग थे। *Qfy;k ckbl d lkFk okMZ d 50 ykx okMZ d fuoklh jkeilkn] ';ke] neknj] nohnhu] fd'kkjh bR;kfn u* खडे हो गये और कहने लगे की नाली का काम शुरू किया जाये हम देखते है कि गांव के दबंग लोग कैसे नाली नही बनने देंगे। *10 uoEcj 2015 e* फुलिया बाई ने अपने वार्ड में नाली निर्माण कार्य 'शुरू करवाया और सभी लोगों के घर के पास से नाली बन गई । बडे लोग देखते रह गये, जो लोग जगह नही दे रहे थे, फुलिया बाई ने अपने सामने नाली निर्माण कराया। लगभग *150 ehVj yEch lMd ij ukyh fuekZ.k djk;k x;k* अब वार्ड मे कीचड़ नही हो रहा है। सड़क साफ सुथरा रहने लगी और कीचड़ से सनी रास्ता सुधर गई। लोग भी साफ सुथरे रहने लगे।

वार्ड मे फैली बीमारी भी कम हो गई गंदगी से बच्चे ज्यादा प्रभावित होते थे, निमोनिया, पीलिया, सर्दी जुखाम आदि बीमारियों के शिकार होते थे । बीमारी मे खर्च होने वाला पैसा अब बचने लगा जिससे लोगों की आर्थिकि स्थिति मे सुधार देखने का मिलेगा। स्वस्थ बच्चों के रहने से आगे की शिक्षा भी बच्चों मे अच्छी देखने को मिलेगी।

¼27½

नाम – शान्ति बाई
पद – उप सरपंच
वर्ग – पिछड़ा वर्ग
शिक्षा – तीसरी
उम्र – 55 वर्ष
ग्राम पंचायत – बिलायतकलां
ब्लॉक – बड़वारा, जिला कटनी

Ldwy esa e/;kUg Hkkstu dh fuxjkuh

कटनी जिले के बडवारा ब्लॉक की ग्राम पंचायत विलायतकलॉ ब्लॉक से 9 किमी. की दूरी पर स्थित है। विलायतकलॉ उपसरपंच शान्ति बाई जो कि आदिवासी वर्ग के अन्तर्गत आती है।

शान्ति बाई अपनी पंचायत की स्कूल में दिनॉक 8.2.2017 को निगरानी करने गई उस दिन स्कूल में माध्यन्ह भोजन नहीं बना था। शान्ति बाई ने समूह की महिलाओं से पूछा कि आज खाना क्यों नहीं बना तो समूह की महिलाओं ने कहा आज किचिन में लकडी नहीं है, जिस कारण खाना नहीं बना है। शान्ति बाई उपसरपंच यह बात सुनकर स्कूल प्रधानाचार्य के पास पहुॅची और कहा कि सर आज स्कूल में खाना क्यों नहीं बना तो प्राचार्य महोदय जी द्वारा भी यह उत्तर दिया गया कि आज किचिन में लकडी नहीं है जिस कारण आज खाना नहीं बन पाया है कल से लकडी की व्यवस्था करके खाना बनाया जायेगा।

शान्ति बाई ने कहा कि सर यदि मध्यान्ह भोजन से संबंधित आपकी शिकायत की जाये तो आप क्या करेंगे, यदि कोई अधिकार आपके स्कूल में आयेगा तब आप क्या करेंगे क्या अधिकारी से भी यही कह देंगे की किचिन में लकडी नहीं है, मैं इस बात को नहीं मानती आप चाहे जहॉ से लकडी की व्यवस्था करें और मध्यान्ह भोजन बनवाये ।

शान्ति बाई की बात सुनकर शिक्षक को घबराहट हुई और समूह की महिलाओं से मिलकर उन्हें कहा कि कैसे भी करके भोजन बनाना पडेगा नही ंतो हमारी जिला पंचायत में शिकायत हो जायेगी ।

प्राधानचार्य विलायतकलॉ के ही थे उन्होंने अपने घर से गैस सिलेण्डर मगवाया और मध्यान्ह भोजन तैयार किया गया क्योंकि शिक्षक को डर था की शान्ति बाई कहीं मेरी शिकायत न कर दे । शान्ति बाई ने कहा कि सर अब आप लोग इस तरह की लापरवाही कभी न करना अब हम सभी महिला निगरानी करते हैं आपकी मनमानी नहीं चलेगी।

¼28½

नाम – संतरा बाई
पद – पंच, उम्र – 30 वर्ष
ग्राम पंचायत – भुडसा, ब्लॉक – बड़वारा, जिला कटनी

"fuxjkuh dj fo|ky; dk Bhd fd;k"

कटनी जिला मुख्यालय से 40 कि.मी. *nj xke iapk;r HkqMlk dh iap lrjk ckbZ* संस्थाओं के महिला नेतृत्व कार्यशाला से प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने आप को आत्मनिर्भर समझती हैं । संतरा बाई को स्वयं में ज्ञात हुआ की हम भी पंच है, तथा पुरूषों से कम नही है । गॉव के ही पुरूषों द्वारा यह सोचा जा रहा है, कि महिलाऍ तो कुछ नही कर सकती है । गॉव के विकास के लिए जो काम है उसको पूरा करने को मन में ठाना है । पॉच साल में वे सभी काम करके दिखाऊॅगी । आप सभी लोंगों को मालूम होगा की पंचायत में बहुत से छोटे–छोटे काम होते है, जिसे कोई भी जनप्रतिनिधि करने को नही सोचता है । मैं *lrjk ckbZ iap* वही काम करेगी जिससे लोगों के लगे कि महिला जनप्रतिनिधि कुछ तो कर रही है ।

संतरा बाई पंच स्कूल, आंगनबाडी, सोसाईटी तथा मनरेगा के काम की निगरानी कर रहे है। हम भी पंच है जनता ने हमें भी चुना है । संतरा बाई पंच को लगा की आज अपने गॉव के ही स्कूल की निगरानी क्यों न की जाये । क्योंकि शिक्षकों का पता ही नही चलता कब आते है और चले जाते है बच्चे स्कूल के बाहर घूमते रहते है। *lrjk ckbZ iap 7-09-2015* को स्कूल की निगरानी करने गई थी, तो देखा की शिक्षक आ रहे थे, लेकिन एक शिक्षक *10%30* से ज्यादा टाईम हो गया था। स्कूल नही पहुचे थे संतरा बाई स्कूल के अंदर थी, करीब *11%00 ct* गया था, शिक्षक का पता नही था। पंच का कहना था कि स्कूल की पढ़ाई नही हो पा रही क्यों शिक्षक ही 11 बजे आते है आज के बाद से यदि शिक्षक समय पर नही आयेंगे तो हम महिला जनप्रतिनिधियों को बुलाकर जनपद शिक्षा अधिकारी को बतायेंगे इतना कहकर संतरा बाई घर वापस आ गई। दो सप्ताह के बाद *21 flrEcj 2015* को संतरा बाई ने फिर से स्कूल मे गई निगरानी के बाद पाया गया कि सभी स्टॉफ के शिक्षक नही आये हुए थे तब संतरा बाई ने बोली की पिछले बार आप ही ने तो बोला था अब हमारा स्टॉफ समय पर आयेगा क्यों नही आया। तो प्रधानाध्यापक ने बताये की शिक्षकों को सरकार ने बहुत सारे काम दे कर रखा है जिसकी वजह से भी शिक्षक समय पर नही पा पाते है।

यह स्कूल वाली समस्या को *2 vDVwcj 2015 dh xzkelHkk* मे संतरा बाई पंच ने उठाया कि हमारे गांव की स्कूल है शिक्षक समय पर नही आते है ग्रामसभा मे प्रस्ताव डाला जाये कि शिक्षक स्कूल समय 10:30 बजे ही आये नही तो हम शिक्षक स्टॉफ को बदल देंगे। अंतिम चेतावनी पंचायत के माध्यम से पत्र लिखकर स्कूल मे दिया गया कि आप सभी शिक्षक समय पर आये नही तो आपके ऊपर कार्यवाही की जायेगी। ने स्कूल के गेट में ताला लगवा दिया था ।

12 vDVwcj 2015 dks lrjk ckbZ iap us viuh lkFkh efgyk tuizfrfuf/k;ksa dks ysdj fQj ls Ldwy igqaph स्कूल के सभी शिक्षक नही पहुंचे। *11%05 cts f'k{kd* स्कूल के गेट के पास पहुंचे, गेट पर ताला लगा होने के कारण वह स्कूल के अन्दर नही जा सका । गेट पर ताला देखकर शिक्षक को बहुत गुस्सा आया । तब शिक्षक ने चिल्लाते हुये कहा कि गेट पर ताला किसने लगवाया है । तब संतरा बाई ने कहा कि गेट पर ताला बच्चों से बोलकर गेट बन्द हमने करवाया है *।f'k{kd us lrjk ckbZ* से पूछा कि आप कौन हो और आपने गेट पर ताला क्यों बन्द करवा दिया तब संतरा बाई ने बताया कि मैं इस पंचायत की पंच हूॅ । आपके स्कूल आने का समय क्या है आप और आप कितनी समय स्कूल आये हैं तब शिक्षक ने महिला जनप्रतिनिधियों से कहा की अब ऐसा नही होगा जनप्रतिनिधियों ने स्कूल पर पंचनामा तैयार किया जिससे हम उच्च अधिकारियों से बता सके कि शिक्षक स्कूल पर सही समय पर नही आते है। संतरा बाई पंच एवं साथी महिला जनप्रतिनिधियों सरपंच राधा बाई, राधा बाई पंच, पुष्पांजली पंच, अन्जू सेन पंच आदि सभी उपस्थित रही सभी से शिक्षक अपनी गलती को स्वीकार किया और कहा कि मैं कल से समय पर स्कूल आऊॅगा समय का मैं विशेष ध्यान रखूॅगा आज मुझे अन्दर आने दो वह शिक्षक समय पर स्कूल आने लगे और पढाने भी लगे उन्हें देखकर अन्य शिक्षक भी समय स्कूल आने लगे। इस तरह से स्कूल की स्थिति सुधर गई ।

¼29½

uke & Jherh fl ;k ckb

in & l jiap

xke iapk;r & clkMh] ब्लॉक – बड़वारा, जिला कटनी

ckfydk f'k{kk ls gk l drk g ifjokj [k'kgky

कटनी जिले से 25 कि.मी. दूर ग्राम पंचायत बसाडी है। clkMh Ikpk;r e jgu okyh ljiap Jhefr fl;k ckb vkfnoklh अपने परिवार के साथ रहती है, उसके परिवार में उसका पति एवं दो बच्चे हैं सिया बाई बहुत सीधी साधी स्वभाव की है सिया बाई जब सरपंच बनी तब कुछ जानकारी नहीं थी । चुनाव जीतने के बाद वह घर से बाहर नही निकल पाती थी। पंचायत की बैठक एवं ग्रामसभा मे नही जाती थी। मानव जीवन विकास समिति द्वारा महिला नेतृत्व कार्यशाला का आयोजन तीन दिवसीय किया गया 4 ls 6 ebl 2015 e vk;kftr dk;'kkyk मे शामिल होकर सिया बाई सरपंच बसाड़ी अपने नेतृत्व का विकास किया। प्रशिक्षण के माध्यम से मिली सीख पर वह सभी अधिकारियों से बातचीत करने लगी और पंचायत का काम करने लगी। स्वयं मे आत्मनिर्भर बन गयी विकास के कार्य करने लगी ।

सिया बाई सरपंच ने अपनी पंचायत पर ckfydk f'k{kk पर महत्वपूर्ण काम किया है। गांव के ही पिता श्री je'k ekrk का नाम रेखा बाई दलित वर्ग से है इनकी दो बच्चियां थी काजल और बिट्टू जिसे 3री कक्षा की पढ़ाई के बाद से स्कूल बंद करा दिया था। दूसरा परिवार है पिता श्री मुन्ना माता उमा यादव इनके बच्चे पढ़ाई कर रहे बच्चियों को पढ़ाना नही चाह रहे है बच्चियां रन्नों और प्रिया है यह दोनों परिवार पलायन पर थे। जिससे दोनों के बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाते है। 02 'kkyk R;kxh बालिकाओं को उसने माता पिता से सम्पर्क कर स्कूल भेजा। तथा 02 ckfydkvk dk d{kk igyh मे प्रवेश दिलाया गया। माता पिता बच्चों को घर मे छोड़कर बाहर गांव से दूर जाकर काम करते है। माता पिता के न रहने पर बच्चे घर का काम देखते है उन्हे पढ़ाई लिखाई से क्या मतलब। उसी क मोहल्ले की बालिका थी, बालिकाओं के माता–पिता पलायन के लिये गये हुये थे इसलिये लडकियॉ स्कूल से वंचित रह गयी थी। ljiap fl;k ckb ने सोंचा कि ये बच्चियां तो पढ़ने लायक है फिर भी माता पिता पढ़ाई नही करवाते है। सिया बाई ने बच्चियों से सम्पर्क किया तो पता चला कि माता पिता घर मे नही है वह अकेले घर की तकवारी कर रही है और छोटे बच्चे माता पिता के साथ मे है। पड़ोस वालों से सिया बाई ने सहयोग करने को कहा जिससे लोगों ने विचार नही किया। 3 tu 2015 की पंचायत की मासिक बैठक मे इस बात को रखा गया और यह भी कहा गया कि इसी प्रकार से ही शिक्षा का स्तर गिरा हुआ है हमे पंचायत के स्तर भी कुछ सोंचना चाहिए जिससे लोगों को रोजगार से जोड़ा जाये। गांव मे रोजगार होने से माता पिता घर पर ही रहेंगे और बच्चे पढ़ाई कर सकते है। गांव मे अभी भी पुरानी परम्पराओं पर चलने वाले लोग है माता पिता के पढ़ाई न करने से बच्चे भी पढ़ाई नही करते है।

बच्चों के माता पिता से पढ़ाई की बात करो तो यही जवाब मे आता है कि लड़को पढ़ाते है जिसे काम कर घर को संभालना है लड़कियां तो दूसरे घर चली जाएंगी उन्हे ज्यादा पढ़ाने की आवश्यकता नही है क्योंकि लड़कियों को तो घर का काम ही करना है। ऐसे ही लोगों से सम्पर्क करते रही सरपंच सिया बाई जून महीना गुजर गया स्कूलों मे बच्चों के प्रवेश चल रहे थे। बच्चों के स्कूल जाते देख कर बच्चियों का भी मन होता था कि मै भी पढ़ाई करती तो स्कूल जाती। 30 tu 2015 को सिया बाई सरपंच बसाड़ी ने मुन्ना और रमेश दोनों परिवार के घर जाकर सम्पर्क किया जिससे माता पिता पलायन पर थे उनका कहना था कि बच्चों को देखने वाला कोई नही है तथा पढ़ाई का खर्च कौन देगा जिसकी डर से हम बच्चों को पढ़ाइ नही करवा पाते। सिया बाइ सरपंच ने बताया कि कक्षा आठवीं तक पढ़ाई का कोई भी खर्च नही लगता है शासन द्वारा निःशुल्क प्रवेश, किताबें, स्कूली ड्रेस तथा साथ स्कूल पर मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था की गई है आपको केवल समय देना होगा बच्चियों के लिए जिससे वह पढ़ाई कर सकती है। दोनों पलायन परिवार ने कहा आप तो सरपंच है पढ़ाना है तो आप ही पढ़ाओं हम बच्चियों को आपके हवाले कर रहे है। 1 tykbl 2015 को सरपंच सिया बाई उन बालिकाओं jUuk] fi;k] dkty] fcVV चारों को लेकर स्कूल पहॅुची शिक्षक से बातचीत की उसी गॉव के शिक्षक थे, सिया बाई ने जाकर बात किया और कहा कि इन बालिकाओं का स्कूल में नाम दर्ज किया जाये, तब स्कूल के मास्टर ने नाम लिखने के लिया मना कर दिया उन्होंने कहा कि इनके माता–पिता बाहर पलायन में रहते हैं इनका नाम नहीं लिखा जायेगा। सियां बाई ने कहा मैं एक सरपंच हॅू और मैं अपनी जिम्मेदारी से इनका नाम लिखवा रही हॅू fnukad 10@07@2015 को नाम दर्ज किया गया और pkjk cfV;k Ldy tku yxh उनको स्कूल के माध्यम से ड्रेस एवं पुस्तकें भी दिलाई गई सिया बाई स्वयं बच्चियों को लेकर स्कूल जाती हैं एवं शाम को अपने घर में बुलाकर अपने बडे बेटे से उनको एक घन्टे पढाई करवाती है । बच्चियों की देखरेख एवं स्कूल की व्यवस्था सरपंच सिया बाई कर रही है।

¼30½

uke & Jherh eerk ckbl
in & ljiip] mei & 38 o"kl
xike iipk;r & uUgokjkdyk] ब्लॉक – बड़वारा, जिला कटनी

u'kk eiDr xkio dh igy

ग्राम पंचायत नन्हवारा कलॉ की सरपंच श्रीमती ममता बाई आदिवासी। नन्हवाराकलां पंचायत में अधिकांश लोग शराब बहुत पीते थे शराब पीकर महिलाओं/बेटियों के साथ हिंसा करते थे। गॉव की महिला ममता बाई सरपंच के पास जाकर शिकायत करती थी आप सरपंच हो आपको कुछ करना पडेगा क्योंकि शराब का नशा बहुत बढ चुका है तब ममता बाई सरपंच ने संस्थाओं के सम्पर्क मे आयी और महिला नेतृत्व कार्यशाला मे *fnukid 7 li 9 tiu 2015* मे आयोजित कार्यशाला मे भाग लिया। कार्यशाला से सरपंच ममता बाई का विकास हूआ जिससे वह अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो गई वापस जाकर अपनी पंचायत मे काम करना प्रारम्भ कर दिया। सरपंच ममता बाई ने *30 tiu* 2015 को पंचायत के जनप्रतिनिधियों को बुलाकर बैठक कर समझाया की नशा मुक्ति पर एक अभियान चलाना है। बैठक मे उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों ने सहयोग करने को कह दिया। इसी योजना के अनुसार *15 vxLr* 2015 को ग्रामसभा मे इस मुद्दा को उठाने के लिए सभी महिला जनप्रतिनिधियों ने सोंच लिया। ग्रामसभा मे नशा मुक्ति का मुद्दा रखा गया सरपंच ममता बाई के द्वारा जिससे गांवों वालों ने खुलकर विरोध करने को तैयार हो गये कि हमने सरपंच बना दिया तो हमे क्या गांव से भगा दोगे।सरपंच ममता बाई ने सभी के सलाह से नशा मुक्ति कार्यक्रम किये जाने के लिए *22 vxLr* को गॉव के कोटवार को सूचित किया और अभियान की तैयारी करने लगी सभी महिलाओं को लेकर। 22 अगस्त को लोगों को इकट्ठा कर संदेश दिया गया कि नशा करने से लोगों को कोई लाभ तो होता नही है बल्कि नशे की हालत मे आकर घर परिवार मे भी लड़ाई झगड़े करते है। इसके अलावा भी गांव मे अन्य दूसरों लोगों से लड़ाई तो करते है और दूसरों के बहन बेटी को अपना नही समझते दूसरा समझ कर हिंसा करते है। इस घिनौने काम को बंद करना ही पड़ेगा। अधिकांश लोगों का मत था कि गांव मे शराब की दुकान को हटाया जाये तभी शराब पीने वाले कम होंगे। इस प्रकार से शराब की दुकान को बंद करने के लिए कहा गया लेकिन दुकान बंद नही हुई।

fnukid 11@09@2015 को पूरे गॉव में नशामुक्ति पर पूरा दिन अभियान चलाया अभियान के गॉव को अन्य महिला समूह की महिला ऑगबाडी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता कुछ गॉव के संवेदनशील लोगों का काफी सहयोग मिला गॉव में नशा मुक्ति अभियान का असर बहुत दिखा लोगों में बदलाव हुआ । कुछ लोगों में संवेदना आई है, कुछ लोग चोरी से पीते हैं सामने नहीं आते और अपनी घर की महिलाओं का मान सम्मान देने को परिवार के साथ मिलकर रहने लगे और उन्हें डर है कि हम अगर फिर भी हम उस तरह करेंगे तो हमारी रिपोर्ट करेंगे इसलिये हमें अब ऐसा नहीं करना है । अभियान के बाद शराब की दुकान बंद करने की प्रक्रिया शुरू करते हुए नजदीकी थाना बड़वारा मे प्रेषित किया गया। *5 fnlEcj dki eerk ckbl ljiip vkj lkFkh iip dilh ckbl] jke ckbl] lkfo=h ckbl] lfe=k ckbl] lqnih ckbl miljiip* ने सभी मिलकर संगठन के माध्यम से शराब की दुकान मे गई और शराब की बिक्री बंद करने को कहा। दुकानदार रामबाबू ने कहा हमारा व्यवसाय है हम क्यों बंद करेंगे जिसको पीना है पिये नही तो न पिये। सरपंच ने कहा अरे तुम इसके बदले कोई दूसरा काम कर लो जिससे लोगों को परेशानी न हो। *10 fnlEcj 2015* को भोपाल से वापस आने के बाद ममता बाई को और ताकत मिली जिससे दुबारा शराब बंदी पर पुलिस अधिकारी को पत्र व्यवहार के माध्यम से अपने गांव मे बिक रही शराब की जानकारी मांगी। दुकान का लाईसेंस है कि नही तो पुलिस ने दो दिनों के बाद नन्हवाराकलां पहुंचकर शराब की दुकान की जांच की जिससे लाईसेंस नही पाया गया। दुकान को तत्काल बंद करने के आदेश जारी किये पंचनामा बनवाया गया कि आज की तारीख से यदि वह शराब बेंचता है तो हमें सूचिक करें। इस प्रकार से *12 fnlEcj li* शराब की दुकान नन्हवाराकलां से बंद कराया गया। वहां के लोग इस काम से सरपंच ममता बाई के काम से खुश है।*ge Bhd jgixi rki gekjk ifjokj Bhd li jgixkAA*

uke & y{eh ckbZ

in & iap

tkfr & dksV

oxZ & fiNMk oxZ

mez & 33 o"kZ

xzke iapk;r & Hkknkoj

ब्लॉक – बड़वारा, जिला कटनी

vkfnoklh ifjokj esa djk;k 'kkSpky; fuekZ.k

कटनी जिले के बडवारा ब्लॉक से 10 किलोमीटर की दूरी पर ग्राम पंचायत भादावर 3 गांव मे फैला हुआ है। उपसरपंच श्रीमती लक्ष्मी बाई पिछडा वर्ग की है वह अपने परिवार के साथ रहती है । लक्ष्मी बाई के परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है जिसके पति होटल मे काम करता है जिससे परिवार का पालन पोषण हो रहा है। लक्ष्मी बाई विकलांग है वह भी मेहनत का काम नही कर सकती है गांव की कुछ जागरूक महिलाओं के साथ सम्पर्क मे आकर महिला समूह से जुड़ गई। समूह स्कूल मे मध्यान्ह भोजन चला रहा था उसी मे लक्ष्मी बाई भी सहयोग करती थी जिससे परिवार के लिए आर्थिक आय मे मदद करती थी। समूह के माध्यम से बैठकों मे रूचि ले रही लक्ष्मी बाई अपने आप को मजबूत बनाने का काम करने लगी। लोगों के साथ जुड़ाव बढ़ता गया जिससे लोगों मे जागरूकता आयी और लक्ष्मी बाई को पंच हेतु वार्ड के लोगों ने चुना। बदलते समय के अनुसार लक्ष्मी बाई को पंच प्रतिनिधियों ने उपसरपंच के पद के लिए भी चुना। लक्ष्मी बाई बड़ी रूचि के साथ उपसरपंच पद का काम करने लगी।

संस्था आयोजित महिला नेतृत्व कार्यशाला से लक्ष्मी बाई की जानकारी और ज्यादा बढ़ती गई उसने पंचायत की बैठक एवं ग्रामसभा मे अपनी बात रखने लगी। वार्ड की समस्याओं को चिन्हित कर बैठक एवं ग्रामसभा मे रखती थी उसे लगता था की हमे वार्ड के लोग मौका दिये है वार्ड का विकास कार्य करने के लिए तो हमे करनी चाहिए हमे घर मे बैठे नही रहना है। जनप्रतिनिधि होने के वास्ते लक्ष्मी अपने अधिकारों एवं कर्त्तव्यों के प्रति सचेत हो गई।

लक्ष्मी बाई अपनी पंचायत में स्वच्छता पर काम किया क्योंकि पहले से जागरूक महिला थी समूह मे कार्य करती थी इसलिए काफी जानकारी थी लक्ष्मी बाई अपने पंचायत भादावर में शौचालय निर्माण कार्य शुरू कराया। माह जनवरी 2015 को शौचालय का काम शुरू किया गया जिसमें 60 पात्र लोगों का नाम छूट गया था इन 60 लोगों का नाम पंचायत की पात्रता सूची मे नही था। उसका कारण सिर्फ यही था की वे आदिवासी परिवार काम की तलाश मे पलायन कर गये थे। सोंचने की बात है यदि गांव मे काम नही होगा तो लोग बाहर जायेंगे ही फिर उनका नाम जुड़ना चाहिए जिससे उनके यहां भी शौंचालय बन जाये। ये पलायन लोगों ने जब वापस गांव लौटे तो वार्ड की पंच लक्ष्मी बाई से कहने लगे की हमारे यहां भी शौंचालय बनवा दीजिये लक्ष्मी उपसरपंच ने कहा आपको शौचालय का

उपयोग करना होगा तभी बनेगा। इस बात को पंचायत की बैठक 4 मार्च 2016 को हुई उसमे लक्ष्मी बाई ने इस बात को रखी लेकिन सरपंच, सचिव द्वारा प्रस्ताव की कार्यवाही नही की गई।

लक्ष्मी बाई 14 अप्रैल 2016 की ग्रामसभा मे आदिवासी परिवार के नाम जिनके छूट गये थे उसे जोड़ने को कहा। ग्रामसभा मे आदिवासी परिवार को भी बुलाया गया और अपनी बात स्वयं रखने को कहा गया। सभी आदिवासी परिवार के लोगों ने प्रस्ताव रखा की हमारे यहां भी शौचालय बनवा दीजिये। तभी सचिव अजीत राय ने बताया की आपका नाम सूची मे नही है आप लोग अपने से बनवा लीजिऐ। सभी आदिवासियों ने बोला की हमारे पास पैसा नही है साहब आप बनवा दीजिये।

पंचायत सचिव उन लोगों का नाम दर्ज नहीं किया सचिव ने कहा की उनके शौचालय नहीं बनेंगे, लक्ष्मी बाई उपसरपंच सचिव अजीत राय से बोली आप को इन लोगों का नाम जोडना पडेगा क्योंकि ये लोग इसी पंचायत के नागरिक है उनका भी अधिकार है ।

लक्ष्मी बाई उपसरपंच से रहा नही गया वह पंचायत से प्रस्ताव की कापी पंचायत से निकलवाया और 10 मई 2016 को जनपद पंचायत मुख्यकार्यपालन अधिकारी को दिया और कहा की साहब आप तो शौचालय बनवाने और उपयोग कराने की बात करते है और सरपंच, सचिव शौचालय नही बनवाने को कह रहे है। हमारे पंचायत के ये आदिवासी परिवार पलायन पर काम करने गये हुए थे अभी गांव मे रह रहे है वे कहते है हमारे यहां शौचालय बनवा दीजिए हम उपयोग भी करेंगे। लेकिन पंचायत द्वारा कई बार कहने के बाद भी कोई सुनने को तैयार नही है। सी.ई.ओ. ने स्वच्छ भारत मिशन ब्लॉक समन्वयक को बुलाया और कहा भादावर पंचायत की समस्या को गंभीरता से लीजिए और सरपंच, सचिव को नोटिस जारी करिये की तत्काल ऐसे कामों को प्राथमिकता से करायें अन्यथा आपके ऊपर कार्यवाही की जायेगी।

लक्ष्मी बाई जनपद पंचायत की कापी को पंचायत मे दिया । सरपंच, सचिव द्वारा इस पत्र को कार्यवाही मे लेकर तत्काल आदिवासी परिवार के नाम पात्रता सूची मे जोड़ा और 30 मई तक शौंचालय का निर्माण कार्य भी पूरा कराया गया पंचायत द्वारा।

लक्ष्मी बाई आगे भी इसी प्रकार से काम करने की योजना बनायी है जिससे अन्य दूसरे लोगों को भी सरकार की योजना का लाभ मिल सकेगा।

¼32½

uke & xuf'k;k ckbZ

in & iap , oxZ & vu-tkfr

mez & 35 o"kZ

xzke iapk;r & fcyk;r[kqnZ , ब्लॉक – बड़वारा, जिला कटनी

xuf'k;k ckbZ fcyk;r[kqnZ गांव मे रहती है यह कटनी जिला मुख्यालय से 40 कि.मी. दूर, बड़वारा ब्लॉक कार्यालय से 15 कि.मी. की दूरी पर रहती है। मानव जीवन विकास समिति द्वारा आयोजित चुनावी स्वीप कार्यक्रम मे सक्रिय भागीदारी की हैं। गनेशिया बाई ने बताया कि चुनाव मे किसी प्रकार के लालच मे नही आना है योग्य महिला उम्मीदवार का चयन करना है यह भी है कि महिलाओं के लिए सिर्फ 50 प्रतिशत ही सीट आरक्षित नही बल्कि महिलाओं के लिए पूरे 100 प्रतिशत सीट से दावेदारी कर सकती है। अनारक्षित सीट से महिलाऐं आवेदन कर सकती है इसके साथ ओपन/खुली सीट पर भी पुरूष और महिलाऐं दोनो दावेदारी कर सकती है जबकि 50 प्रतिशत सीट महिलाओं के लिए आरक्षित है जिस पर पुरूष भागीदारी नही कर सकते है। महिलाओं के लिए यह भी बताया गया कि घोषणा पत्र बनाये घोषणा पत्र मे स्वास्थ्य, शिक्षा, कुपोषण,मनरेगा मे काम, स्वच्छता तथा हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ दिलाया जायेगा आदि बातों को शामिल किया जाय जिसमे से जीतने के बाद अपने वादों पर खरे उतर सके। ऐसा न हो की चुनाव जीतने के बाद अपनी घोषणाओं को पूरा करने मे असफल रह जाय इसलिए ऐसे वादों को करे जिसे अपने काम को आसानी से कर सके।

गनेशिया बाई ने अपने स्वयं की पहचान को बताया कि मैने 2010 के पंचायत चुनाव मे पंच के लिए आवेदन की थी लेकिन चुनाव मे हार गई फिर भी मै स्वयं मे हार नही मानी अपना काम करती रही गांव मे मानव जीवन विकास समिति/द हंगर प्रोजेक्ट द्वारा बनाये गये साझा मंच से जुड़कर महिलाओं के अधिकारों पर काम करती रही । गांव मे स्कूल, आंगनवाड़ी, अरोग्य केन्द्र भी जाती हूं बच्चों के शिक्षा पर लेकिन उसमे बालिका शिक्षा पर विशेष जोर दिया निगरानी करने पर शिक्षक समय से पढ़ाने आने लगे है शिक्षा स्तर पर सुधार हुआ है। कुपोषण पर काम की है कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र मे भर्ती कराया गया था जो आज वह बच्चे स्वस्थ है। 2015 के पंचायती चुनाव मे पंच पद के लिए पर्चा भरा गनेशिया बाई के विपक्ष मे किसी ने फार्म नही डाला। चुनाव की घोषणा हुई पता चला कि गनेशिया बाई निर्विरोध पंच बन गई। वार्ड वासियों मे खुशी की लहर जाग गई। पंच बनने के बाद गनेशिया बाई ने समिति के कार्यकर्ताओं के सम्पर्क मे रहती थी। 24 से 26 अप्रैल 2015 को समिति द्वारा महिला नेंतृत्व कार्यशाला का आयोजन किया गया। गनेशिया बाई ने कार्यशाला मे तीन दिन तक रहकर महिला नेतृत्व के बारे मे तथा पंचायतीराज व्यवस्था की बरीकियों को अच्छे से जान पायी । कार्यशाला से वापस जाने के बाद से ही पंचायत के कामों मे रूची लेने लगी। 1 मई 2015 को पंचायत की बैठक बुलाने हेतु सरपंच सचिव को बताया गया। 1 मई को पंचायत की बैठक बुलाई गई। बैठक मे सड़क, तालाब, नाली निर्माण, शौचालय बनवाने का प्रस्ताव डलवाया गया। 15 मई 2015 तक कोई कार्यवाही न होने से गनेशिया बाई ने सभी महिला जनप्रतिनिधियों को बुलाया और बताया कि हमें कुछ करना चाहिए जिससे पंचायत को समझ मे आये। सरपंच समेत महिलाओं ने सचिव के पास 16 मई 2015 को पहुंची और सचिव से बातचीत कर पूंछा गया कि आप बैठक मे हुए प्रस्ताव को आगे बढ़ाया या की नही सचिव ने बताया कि मै तो 2 मई 2015 को कार्यवाही पूर्ण कर जनपद पंचायत को प्रेषित कर दिया है। जनप्रतिनिधियों ने की गई कार्यवाही की रसीद मांगकर 17 मई 2015 को जनपद पहुंची मुख्य कार्यपालन अधिकारी महोदय से मुलाकात की और बताया कि हमने बिलायत खुर्द की कार्यवाही को लेकर आये है अधिकारी ने बताया कि यह कार्यवाही पूर्ण कर पंचायत सचिव को भेज दिया गया है। अधिकारी ने पंचायत सचिव को टेलीफोनिक बताया कि उक्त दिनांक मे की गई कार्यवाही पर तत्काल काम प्रारम्भ किया जाये नही आपके विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी।

20 मई 2015 को सड़क एवं तालाब का निर्माण कार्य शुरू किया गया। वर्तमान मे निर्माण कार्य प्रगति मे है। इसमे यह था कि पिछले कार्यकाल से कामों का प्रस्ताव तो डाला गया था परन्तु पंचायत वाले किसी ने रूचि नही जताई। गनेशिया बाई को लग रहा था कि मेरे को कब मौका मिले जिसे की पंचायत को सुचारू रूप से व्यवस्थित चलाया जा सके। यहां पर दबंगों का दबाव था जिसके बजह से पंचायत के काम बंद पड़े थे। गनेशिया बाई पंच ने दिखाई ताकत और काम किया प्रारम्भ।

¼33½

xkjh ckbl
in & ip] me & 45 o"k
xke ipk;r & fcyk;r[kn] ब्लॉक – बड़वारा, जिला कटनी

QMj'ku lnL; dh igy

बिलायतकलां ग्राम पंचायत की निवासी गौरी बाई वार्ड नं. 12 की पंच है इनका निवास बड़वारा जनपद कार्यालय 10 कि.मी. की दूरी पर है, इन्होने अपने परिवार व बच्चों एवं पति के साथ रह रही है। गौरी बाई की आर्थिक स्थिति ठीक है वह घर के काम काज के बाद पंचायतों के कामों मे भी ध्यान देती है। साथ ही जागृति संगठन की सदस्य है अपने काम के अलावा भी अन्य पंचायतों के महिला जनपतिनिधियों के साथ भी कामों के सहयोग के लिए जनपद एवं जिला मे जाती है अधिकारी एवं कर्मचारी से बिना झिझक के बातें करती है अपने अधिकारों की लड़ाई लिए कभी पीछे नही होती है। दूसरी महिलाओं को भी आगे बढ़ाने का प्रयास करती है अधिकारों के प्रति बहुत ही सजग रहती है कोई भी काम हो कराने के लिए हमेशा आगे रहती है ।
गौरी बाई वार्ड नं.12 मे पंच के बाद वार्ड मे सबसे पहले सी.सी. रोड का प्रस्ताव रखा पंचायत द्वारा रोड बनवाया गया वार्ड के लोगों को लगा कि गौरी बाई चुनाव जीतते ही हमारे वार्ड के लिए अच्छा काम किया है अब तो जरूर वार्ड का विकास होगा। गौरी बाई का भी सोंचना था कि पुरूषों के कार्यकाल को जनता तो देखी है परन्तु महिलाओं के भी कार्यकाल को देखे महिलाओं की ताकत एवं शक्ति को पहचाने कि महिलाऐं क्या कर सकती है । ऐसा मालूम हो कि महिलाऐं पुरूषों से भी आगे है और आने वाले समय मे महिलाओं को ही पंचायती चुनाव मे आगे रखे। जागृति संगठन की अपने आप मे पहचान कायम है जनपद जिले मे कोई भी काम कराना होता है तो जागृति संगठन के लेटर पैड पर लिखकर महिला जनप्रतिनिधियों द्वारा दिया जाता है जिसमे से अधिकारी कर्मचारी महिला जनप्रतिनिधियों को संगठन की सदस्य के नाम से जानते है। सगठन के सहयोग से बड़े से बड़े काम कराया गया है जैसे पानी, सड़क, बिजली के मुद्दे आदि काम को संगठन के द्वारा हल कराया गया है। गौरी बाई संगठन के साथ आंगनवाड़ी, अरोग्य केन्द्र एवं स्कूलों मे निगरानी करने भी जाती है जिसके कारण अधिकारियों को डर बना रहता है कि हम अपना काम ईमानदारी से करें नही तो हमारे उपर कार्यवाही हो सकती है। गौरी बाई कहती है कि ग्रामसभाओं मे महिलाऐं नही जाती थी 2010 मे चुनाव जीतने के बाद से हमने पहल की है कि महिलाओं को भी ग्रामसभा मे जाना अनिवार्य है जो भी अपनी समस्या हो ग्रामसभा मे आप महिलाऐं भी रख सकते हो आपकी बातों को भी ग्रामसभा प्रस्ताव मे शामिल किया जायेगा। 2010 से 2014 की प्रगति मे देखा जाये तो महिलाओं मे बहुत ही विकास हुआ है। ग्रामसभा मे महिलाऐं जाने लगी है इसके अलावा जनपद जिले मे भी जाकर अपना काम करा लेती है ।

महिला जनप्रतिनिधि जागृति संगठन एवं मानव जीवन विकास समिति द्वारा चलाये जा रखे अभियानों मे गौरी बाई का विशेष सहयोग रहा है अभियान के साथ जुड़कर लोगों को अभियान के बारे मे बताना तथा समझाना आदि काम करने मे मददगार रही है । *Lohi vfHk;ku dk;de e xkjh ckb u 3 lHkkfor efgyk mEehnokjk dh dk;'kkyk] 2 fleyu 'ku dEi] 3 jyh dk;de* मे भी उपस्थित होकर महिलाओं के आरक्षण एवं अधिकार के बारे मे समझाईस दी अनारक्षित सीट एवं खुली सीट के बारे मे बारे मे विस्तार से खुलकर महिलाओं को समझाने मे सफल प्रयास गौरी बाई का रहा है। गौरी बाई के अच्छे काम को देखते हुए वार्ड के लोगों ने फिर से 2015 मे होने वाले चुनाव मे खड़े होने को कहा गौरी बाई से पंच पद के लिए फिर से फार्म भरी इसे देखकर वार्ड की एक और महिला ममता बाई ने भी आवेदन फार्म भरी लेकिन लोगों के मन मे आया कि ममता बाई को कुछ भी जानकारी नही है चुनाव मे जीत भी जायेगी तो इसे 5 साल सीखते लग जायेगा तब तक कार्यकाल ही समाप्त हो जायेगा और वार्ड मे कोई भी काम नही हो पायेंगे। गौरी बाई अनुभवशील महिला है वार्ड के लोगों के मन मे विचार हुआ कि गौरी बाई को ही पंच बनाया जाय चुनाव हुआ तो ममता बाई को पराजित होना पड़ा गौरी बाई पुनः दुबारा पंच बन गई इस प्रकार से *xkjh ckb dh ;g nckjk thr gA*

¼34½

नाम – गिरजा बाई
पद – पंच , वर्ग – पिछड़ा वर्ग , शिक्षा – साक्षर , उम्र – 34 वर्ष
ग्राम पंचायत – पथवारी, ब्लॉक – बड़वारा, जिला कटनी

vkxuokMh e fuxjkuh l Bhd fd;k e/;kUg Hkkstu dh fLFkfr

कटनी जिले के बडवारा ब्लॉक से 15 किमी. दूर ग्राम पंचायत पथवारी कि पंच जिसका नाम गिरजा बाई यादव है जो पिछडा वर्ग की महिला है, जिसकी उम्र 35 वर्ष तथा शिक्षा चौथी है । वह पूर्व मे पंच भी रह चूकी है।गिरजा बाई एक दिन दो माह पहले स्कूल एवं ऑगनबाडी निगरानी करने गई जब वह ऑगनबाडी कार्यकर्ता से पूछने लगी की आपके ऑगनबाडी में बच्चे बाहर कैसे घूमते हैं, आप इनको पढाते क्यों नहीं एवं बच्चों से पूछा कि आप लोग आज नास्ते में क्या खाये हैं तो बच्चों ने कहा कि हमें तो नास्ता नहीं मिलता है। गिरजा बाई द्वारा कहा गया कि मैडम जी बच्चों को नास्ता क्यों नहीं मिलता है आप उस समूह से बात करो जो समूह नास्ता और भोजन बनाता है। ऑगनबाडी कार्यकर्ता द्वारा कहा गया कि ठीक है मैं समूह से बात करती हूँ ।
गिरजा बाई ने कहा कि मैं दुबारा आउॅगी तो बच्चों का नास्ता जो सरकार देती है तो उन तक पहुॅचना तो चाहिये आप समूह वालों से बोलिये की उनका नास्ता जरूर दें । इस बार मैं कुछ नहीं कहती हूँ नहीं यह बात में ग्रामसभा में रखूॅगी तथा आगे तक शिकायत करूॅगी ध्यान रखियेगा। गिरजा बाई द्वारा दो दिन बाद बच्चों से पूछा गया कि आप लोगों को नास्ता मिलता है कि नहीं तो बच्चों द्वारा जानकारी मिली की हॉ नास्ता एवं दूध मिलता है । गिरजा बाई द्वारा 10 दिन बाद फिर ऑगनबाडी निगरानी के लिये गई और बच्चों से पूछा कि आप लोगों को नास्ता मिलने लगा है बच्चों ने कहा हॉ दीदी मिलने लगा इस तरह से गिरजा बाई द्वारा अपनी ऑगनबाडी में सुधार लाया गया।

¼35½

नाम – गौरी बाई
पद – पंच, वर्ग – आदिवासी , उम्र – 46 वर्ष
गांव – जगतपुर उमरिया , पंचायत – बड़वारा
ब्लॉक – बड़वारा, जिला कटनी

ikuh leL;k dh chMk ÅBkb

कटनी जिले के बड़वारा ब्लॉक के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बड़वारा के गांव जगतपुर उमरिया के वार्ड क्रमांक 14, *enkjh Vksyk e ip xkjh ckb* निवास करती है। गौरी बाई पंच के मोहल्ला मदारी टोला मे 3 हैण्डपम्प लगे है वह भी खराब स्थिति मे है जो कि पानी नही आ रहा है। मोहल्लेवासी पानी से बहुत ही परेशान होते थे। गौरी बाई पंच को वार्डवासी परेशान करने लगे की आपको पंच बनाये है कुछ भी काम नही कर रहे है। गौरी बाई पिछले 3–4 बैठकों मे लगातार इस बात को पंचायत की बैठकों मे रखती रही लेकिन पंचायत द्वारा कोई भी कार्यवाही नही की जा रही थी। *26 tuojh dh xkelHkk* मे इस बात को गौरी बाई उठाया लेकिन कुछ भी कार्यवाही नही हुई। गौरी बाई अपने आप मे हताशा महसूस करने लगी की अब हमे कभी भी दुबारा चुनाव मे खड़े नही होना है हमे तो परेशान करते है। *5 Qjojh 2016 dk ipk;r dh ekfld cSBd* मे गौरी बाई ने अपनी इस बात को पंच फुलझरिया बाई से बताया कि आप कहां जाते है क्या करते है जो कि बैठकों एवं ग्रामसभा मे बोल पाती है और खुलकर अपनी बात को रख पाती है। फुलझरिया बाई पंच ने बताया कि हम तो संस्थाओं के बैठक, कार्यशालाओं मे जाकर सीखी है।
फुलझरिया ने बताया कि चलो हम आपका काम करवाते है क्या समस्या है गौरी बाई ने बताया कि हमारे वार्ड मे पानी की समस्या है हैण्डपम्प खराब हो गये है उसे बनवाना है। दोनो पंच ने आपसी तालमेल बनाया कि गांव मे लोगों के साथ बैठा जाये लोग हमारे साथ होंगे तभी हम आगे काम कर सकते है अकेले की बात नही है। *10 Qjojh 2016* को गांव के लोगों को इकट्ठा किया गया जिसमे लगभग *30&40* लोगों की उपस्थिति मे निर्णय लिया गया कि पंचायत को सामूहिक आवेदन बनाकर देते है जिसमे सबकी सहभागिता होना आवश्यक है। बताया गया कि *3 gS.MiEi* लगे है जो खराब हो चुके है उसे तत्काल बनाने की कृपा करें आवेदन की प्रतिलिपि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग को दिया। *ih-,p-bZ- foHkkx* द्वारा आवेदन को निर्णय मे लेते हुए कार्यवाही मे लिया। एक सप्ताह मे सुधार करवाने की अनुशंसा की गई साथ ही आवेदक को भी सूचित किया गया। *20 Qjojh 2016* को हैण्डपम्प मेकेनिक श्री मदन विश्वकर्मा को भेज कर हैण्डपम्प का सर्वे कराया गया जिसमे तीनों हैण्डपम्प मे मामूली खराबी बताया गया। विभाग द्वारा 15 मार्च 2016 को हैण्डपम्प सुधार करवाया गया अब 3 तीनों हैण्डपम्प से पानी आ रहा है जिसमे से सभी गांव के लोगों को पर्याप्त पानी मिलने लगा है।

¼36½

uke – कौशिल्या बाई

in – सरपंच

me – 35 , *f'k{kk* – 8 वीं

ipk;r – नन्हवारा कलां , *Cykd* – बड़वारा , *ftyk* – कटनी

?kj ls Fkkus rd efgyk,a dke djkus esa vCcy

कटनी जिले से 30 किलो मीटर दूर बडवारा ब्लाक से 10 किलो मीटर दूर एक ग्राम पंचायत नन्हवाराकलॉ है। उसी पंचायत में रहने वाली सरपंच कौशिल्या बाई ठाकुर है । कौशिल्या अपने परिवार के साथ रहती है । उसके दो बच्चे है पति के साथ रहती है कौशिल्या बाई जब सरपंच बनी उसे पंचायत के काम की जानकारी कम थी पंचायत का काम उसके पति ही करते थे कौशिल्या बाई कभी मासिक बैठक में चली जाती थी । धीरे–धीरे मानव जीवन विकास समिति के सम्पर्क मे आने से सरपंच ने बैठक और अन्य कार्यक्रमों मे जाने लगी तब उसे पंचायत के कामों के बारे मे जानकारी हुई तब उसे लगा कि नही अपना काम स्वयं करना चाहिए।

कौशिल्या बाई सरपंच ने अपने पति को काम से रोका और स्वयं पंचायत का काम करने लगी। *?kVuk 8 tqykbZ 2014* की है गांव की एक महिला के नाम इन्द्राआवास मिला था घर बनना था घर बनवाने के लिये गिट्टी मंगवाया था और गिट्टी लेने सरपंच का ट्रेक्टर ही गया था बडवारा से चॉदन गांव में नायक की क्रेशर से गिटटी मिलना था जब महेश सरपंच की ट्रेक्टर से गिटटी लेकर आ रहा था, तब बडवारा थाने के पास जैसे ट्रेक्टर पहुंचा वैसे थाने के पास श्री ब्रजेश कुमार पुलिस वाले ने ट्रेक्टर पकड लिया और ट्रेक्टर को थाने के अन्दर खडा करवा लिया ड्रायवर महेश ने चौक गया कि अब मै क्या करूं किससे बताऊ, तब महेश ने सरपंच कौशिल्या बाई को फोन किया और सारी बात फोन में बताया सरपंच भी घबरा गयी कौशिल्या के घर में कोई नही था उसका पति कही रिश्तेदारी में गये हुये थे ट्रेक्टर पकड जाने पर कौशिल्या घबरा गई थी, सरपंच महिला ने भोपाल दो बार महिला सम्मेलन में गई थी उसे वहॉ की बात अचानक याद आ गई कि हम महिला किसी से कम नही हमे भी अधिकार मिला है वह ट्रेक्टर के पूरे दस्तावेज लेकर अपने बच्चों को घर में छोड कर बडवारा पहुॅच गई ।

थाने में जाकर पता किया गया कि हमारा ट्रेक्टर पकड़ा गया है क्या कारण है मै ट्रेक्टर मालिक हूं बताईये क्या रिकार्ड चाहिए तब पुलिस स्टॉफ ने बताया कि हम तो कुछ नही बता पायेंगे जिसने गाड़ी पकड़ा होगा वही बतायेगा आपको क्या रिकार्ड चाहिए लेकिन वह अभी यहां नही है वह तो अपने क्वार्टर मे गये हुए है। सरपंच ने सुनकर श्री ब्रजेश कुमार पुलिस वाले के घर मे पहुॅची कौशिल्या बाई ने कहा कि सर जी आपने ट्रेक्टर क्यों पकड लिये है पुलिस ने कहा कि आपके गाडी के कोई दस्तावेज नहीं थे इसलिये तब कौशिल्या बाई ने ट्रेक्टर के दस्तावेज निकाल कर ब्रजेश पुलिस वाले को दिखाया तो पुलिस ने बोला की मैं ट्रेक्टर ऐसे नहीं छोडूंगा मुझे पन्द्रह हजार रू. चाहिये । तब कौशिल्या बाई ने कहा कि मैं आपको एक रू0 नहीं दूगी आपने दस्तावेज की बात कहे है दस्तावेज लीजिए तो पुलिस ने कहा कि नही ऐसा नही होगा आपको तो पैसा जुर्माना के तौर पर देना ही पड़ेगा। तब सरपंच ने बोली की हम तो पैसा नही देंगे और अपना ट्रेक्टर मैं अभी इसी वक्त ले जाऊंगी यदि आप पुलिस वाले हैं तो मैं भी गॉव की मुखिया हूॅ और ट्रेक्टर भी मेरा है नन्हवारा पंचायत की सरपंच कौशिल्या बाई मेरा नाम है इतना सुन कर पुलिस वाला चौक गया कि अरे मैं तो सरपंच का ट्रेक्टर पकड लिया यदि बडे साहब को पता चला तो मुझे ही डाट मिलेगी इसलिये ट्रेक्टर को छोड देना चाहिये कौशिल्या बाई ने कहा कि यदि आप ट्रेक्टर आज नहीं छोडेगे तो मैं *dVuh ,l-Mh-,e* के पास जाकर आपकी शिकायत करूॅगी नही तो ट्रेक्टर आज दे दो । पुलिस ब्रजेश कुमार ने ऐसा सुनकर डर गया ट्रेक्टर ड्राइवर को बुलाया और कहा कि जाओ ट्रेक्टर ले जाओ । यह थी सरपंच कौशिल्या बाई की पैरवी उस दिन घर में कोई नहीं था उसके पास बात करने की शक्ति कहा से आई थी उसे स्वयं पता नहीं था । कौशिल्या की मेहनत और हौसला देखकर पति रघुवीर सिंह भी बडा खुश हुआ उसे विश्वास हुआ कि महिलाऐं बिना पुरूष के काम कर सकती है। यह एक काम तो था ही इसके साथ लोगों को सीख भी थी कि हम भी अपनी महिलाओं को जागरूक करें जिससे हमारे न रहने पर भी घर, गांव का काम रूके नही होता रहे।

/kU;okn!